खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 03 जुलाई 2024 । वर्ष –68 । अंक –231 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

- प्रधानमंत्री के भाषण से...
- अपनी रणनीति में सफल... 04
- भारतीय कारोबारी ने गूगल समेत कई...
- ऑस्ट्रेलिया जा रहे भारतीय छात्रों को... 09
- बजट से पहले झटका, सरकार ने छोटी...
- रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला शेयर बाजार... 11
- रोहित के कहने पर...
- हॉकी इंडिया पुरुष... 10

हाथरस में मौत का तांडव

भोले बाबा सत्संग में मची भगदड़, लगे लाशों के ढेर

सवा सौ से ज्यादा मौतें

हाथरस, दिल्ली, देशबन्धु। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में आयोजित एक सत्संग में मंगलवार (2 जुलाई) को भगदड़ मच गई जिसमें कम से कम सवा सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई। भोलेबाबा प्रवचन के कार्यक्रम में अचानक से भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में घायल लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शी सूत्रों का अनुमान है कि- मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। हादसे की खबर लगते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में अपने संबोधन के बीच मृतकों को श्रृद्धांजलि दी और घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों और घायलों के परिजनों को सहायता की घोषणा की। इस हादसे को लेकर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां मंत्रियों की अगुआई में घटनास्थल पर राहत बचाव का कार्य शुरू करवाया वहीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गृहमंत्री अमित शाह, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल सहित अनेक मंत्रियों जनप्रतिनिधियों और पार्टी प्रतिनिधियों ने गहरा शोक जताया।

मुर्मू, मोदी, सोनिया, खड़गे, शाह, राहुल, भजनलाल, मोहन यादव सहित अनेक नेताओं ने जताया गहरा शोक

- -उच्च स्तरीय जांच समिति गठित
- - सत्संग खत्म होने के बाद मची भगदड़
- - अस्पतालों के बाहर लाशों के ढेर, घायलों की भीड़

प्रवचन में शामिल होने आए सैकड़ों भक्त भीषण गर्मी से बेहोश हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन मौके पर पहुंच गए। सैकड़ों भक्तों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीएम मोदी ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारजनों को 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया। जबकि हाथरस की घटना में शामिल लोगों को 50,000 रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के फुलराई गांव में भोलेबाबा के सत्संग के दौरान यह भगदड़ मच गई जिसमें लोगों की मौत हो गई तथा अनेक अन्य घायल हो गए हैं। घटना का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य तेजी से शुरू कराए। हाथरस डीएम आशीष कुमार ने मंगलवार शाम को बताया कि- जिला प्रशासन काम कर रहा है।

घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है और लोगों का इलाज जारी है...

मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के श्रृद्धालु जुटे थे सत्संग में

डॉक्टरों ने मुझे करीब 100-125 लोगों की मौत का आंकड़ा बताया है. कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति डीएम ने दी थी और यह एक निजी आयोजन था। मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। प्रशासन की प्राथमिकता घायलों और मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद मुहैया कराना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सत्संग में हिस्सा लेने पहुंचे 125 से अधिक लोगों की एक भगदड़ में मौत हो गई है। मृतकों की आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

मरने वाले में बच्चे और महिलाएं भी शामिल है। घायलों को बस-टैंपों में लादकर जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां भगवान शिव का धार्मिक आयोजन किया गया था। आयोजन के समाप्त होते ही भगदड़ मच गई, जिससे महिलाओं और बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। मृतकों के शव एटा मेडीकल कॉलेज पहुंचाई गई है। घायल बच्चों और महिलाओं को इलाज के लिए एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

मृतकों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार सहित कुछ अन्य राज्यों के श्रृद्धालु पहुंचे थे।

सत्संग में जुटी थी सवा लाख से ज्यादा भीड़, एलआईयू ने पहले ही जताई थी हादसे की आशंका

हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में मंगलवार को हुए हादसे ने हर किसी को झकझोर दिया है। हालांकि इसके बारे में अफसरों को पहले ही चेताया गया था। इसके बाद भी कोई एक्शन न लिया गया और इतना बड़ा हादसा हो गया। सत्संग में जरूरत से ज्यादा पहुंची भीड़ को देखकर एलआईयू ने अफसरों को सौंपी रिपोर्ट में किसी बड़ी घटना होने का अंदेशा जता दिया था, लेकिन इसके बाद भी अफसर मौन साधे बैठे रहे और श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई, जिसमें 125 से ज्यादा श्रद्धालुओं की जान चली गई। हादसे के बाद अफसर चेते और मौके लिए रवाना हो गए। वहीं सीएम योगी ने भी घटना को संज्ञान में लेते हुए अफसरों से रिपोर्ट तलब कर ली है।

हालांकि इस सत्संग के आयोजन की जानकारी प्रशासन को थी, लेकिन सत्संग में पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या कुछ और बताई गई थी। लेकिन सत्संग में जरूरत ज्यादा करीब सवा लाख श्रद्धालु पहुंच गए। सत्संग में पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या को देखकर एलआईयू ने किसी बड़ी घटना का अंदेशा जताया और इसकी रिपोर्ट बनाकर अफसरों को सौंप दी। इसके बाद भी अफसरों ने संज्ञान नहीं लिया। इस बीच भीषण गर्मी के चलते सत्संग में पहुंचे श्रद्धालुओं की धीरे-धीरे तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई।

हेल्पलाइन नंबर जारी

जिला प्रशासन ने हाथरस में हुई दुर्घटना के बाद आम लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। प्रशासन की ओर जारी हेल्पलाइन नंबर 05722227041 और 05722227042 पर लोग फोन कर जानकारी ले सकते हैं।

नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा

गुप्तचर विभाग में नौकरी,फिर सत्संग

नारायण साकार हरि मूल रूप से यूपी के एटा जिले स्थित बहादुर नगरी गांव के रहने वाले हैं। उनकी शुरुआत पढ़ाई-लिखाई यही हुई। भोले बाबा खुद को इंटेलीजेंस ब्यूरो का पूर्व कर्मचारी बताते हैं। दावा है कि 26 साल पहले बाबा सरकारी नौकरी छोड़ धार्मिक प्रवचन करने लगे। आध्यात्मिक जीवन में आने के बाद अपना नाम बदल लिया और नारायण साकार हरि के नाम से जाने जाने लगे। नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा अन्य साधु-सतों की तरह गेरुआ वस्त्र धारण नहीं करते हैं। वह अक्सर सफेद सूट, टाई और जूते में नजर आते हैं। कई बार कुर्ता-पाजामा पहने दिखते हैं।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई-पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- हाथरस के ह्रदय विदारक हादसे से पहले ही एक एजेंसी ने चेतावनी दे दी थी।

चुहिया- हां प्रिये- यही तो दुखद है कि अंदेशा होने पर भी व्यवस्था बाद में ही जागती है।

प्रधानमंत्री मोदी का विपक्ष पर कटाक्ष

हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की कोशिशें हो रहीं हैं

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर लोकसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति के भाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सदन में उपस्थित हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा 'जो पहली बार सांसद बनकर हमारे बीच आए हैं और उनमें से कुछ साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उनका व्यवहार ऐसा था, जैसे एक अनुभवी सांसद का होता है। उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया है।' पीएम मोदी ने कहा कि देश ने सफल चुनाव आयोजित कर दुनिया को दिखा दिया है कि ये सबसे बड़ा चुनाव था। प्रधानमंत्री ने कहा 'मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं क्योंकि लगातार झूठ का प्रसार करने के बाद भी उनकी पराजय हुई।'

हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत सर्वप्रथम है-प्रधानमंत्री ने आगे कहा 'देश की जनता ने तीसरी बार हमें सेवा करने का अवसर दिया है। देश की जनता की भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्ष के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा। पीएम मोदी ने कहा कि देश की जनता ने देखा है कि हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत सर्वप्रथम है। उन्होंने कहा 'हमारा एक ही लक्ष्य रहा है कि 'भारत प्रथम'। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। इस विचार को सर्वोपरि रखते हुए हमने देश की सेवा करने का प्रण लिया है।'

हमारा तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का विचार-हम तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। पीएम मोदी ने कहा 'इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी। जब हम संतुष्टिकरण की बात करते हैं तो इसका मतलब है कि आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत की बात करते हैं तो ये सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय होता है। इस पर देश की जनता ने हमें तीसरी बार चुनकर मुहर लगा दी है।'

एनडीए सांसदों की बैठक में बोले-

गैर कांग्रेसी नेता का तीसरी बार पीएम बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा

एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया गठबंधन को लेकर हमलावर रहे। अपने भाषण में जहां एनडीए सांसदों को अच्छे व्यवहार करने की हिदायत दी, वहीं इंडिया गठबंधन खासकर कांग्रेस पार्टी पर हमला भी किया। उन्होंने कहा कि- कांग्रेस के लोगों को इस बात से छटपटाहट हो रही है कि एक चाय वाला तीसरी बार प्रधानमंत्री कैसे बन गया। उन्हें किसी गैर कांग्रेसी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा है। नेहरू -गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहाकि कांग्रेस के सदस्य प्रधानमंत्री हुआ करते थे।

राहुल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरकार से बुधवार को लोकसभा में नीट मुद्दे पर बहस कराने का अनुरोध किया है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा है कि मेरा मानना है कि छात्रों के हित में नीट मुद्दे पर बहस का नेतृत्व करना उचित होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्र में लिखा है कि हमारा उद्देश्य 24 लाख नीट उम्मीदवारों के हित में रचनात्मक रूप से जुड़ना है, जो जवाब के हकदार हैं। मेरा मानना है कि यह उचित होगा कि आप इस बहस का नेतृत्व करें। आशा है कि यह पत्र मिलने तक आप सकुशल होंगे। मैं नीट मुद्दे पर संसद में बहस का अनुरोध करने के लिए लिख रहा हूं।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से मोतियाबिंद ऑपरेशन

मध्य भारत का सबसे आधुनिक नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ। पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2024-25
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

परीक्षा — प्रश्न पत्र को लेकर होने जा रहा बड़ा बदलाव

गृह मंत्रालय की निगरानी में होगी नीट पीजी परीक्षा

नई दिल्ली। पिछले महीने 23 तारीख को आयोजित होने वाली नीट पीजी परीक्षा को शिक्षा मंत्रालय ने कुछ घंटे पहले ही स्थगित कर दिया था। यह परीक्षा 22 जून की रात को स्थगित की गई थी। सूत्रों का कहना है कि यह परीक्षा अगस्त में आयोजित हो सकती है। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से नई तारीख की घोषणा नहीं हुई है। यह परीक्षा अब गृह मंत्रालय की निगरानी में आयोजित होगी और स्वास्थ्य मंत्रालय परीक्षा से महज दो घंटे पहले ही प्रश्न पत्र तैयार करेगा। यह इंतजाम पेपर लीक की संभावना को देखते हुए किए जाएंगे।

गृह मंत्रालय ने की बैठक- नीट पीजी की नई तारीख की घोषणा से पहले परीक्षा का आयोजन की मॉनिटरिंग गृह मंत्रालय के द्वारा ही की जा रही है। नीट पीजी एग्जाम को लेकर गृह मंत्रालय में एक बड़ी बैठक हुई है जिसमें राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के प्रोफेसर मीनू बाजपेई और वाइस प्रेसिडेंट शामिल हुए। इस बैठक में उन्होंने कहा कि परीक्षा से महज दो घंटे पहले प्रश्न पत्र को तैयार किया जाएगा ताकि पेपर लीक की

कोई गुंजाइश ही ना रहे। उन्होंने कहा कि अभी सरकार अलग-अलग एजेंसियों के जरिए यह देख रही है कि कहीं पर किसी भी तरीके से कोई चूक होने की संभावना तो नहीं है। इस बैठक में साइबर सेल के अधिकारी भी शामिल हुए।

परीक्षा में नहीं होगी कोई गड़बड़ी-इस बैठक में गृह मंत्रालय के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल हुए। नीट पीजी परीक्षा के आयोजन को लेकर तीनों मंत्रालय के अधिकारी तैयारी कर रहे हैं। इस बैठक में एनबीईएमएस के प्रोफेसर मीनू बाजपेई, वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की तरफ से मैं भरोसा दिलाना चाहता हूं कि बच्चों को भरोसा रखना चाहिए कि सभी तरीके की जांच पड़ताल हुई है परीक्षा में किसी भी तरीके की गड़बड़ी नहीं होगी पारदर्शी तरीके से परीक्षा की जाएगी।

परीक्षा से दो घंटे पहले तैयार होगा प्रश्न पत्र

2.38 लाख विद्यार्थियों ने कराया है परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन-इस बैठक में मीनू बाजपेई ने कहा कि नीट पीजी 2024 परीक्षा की नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह एग्जाम महीने भर के अंदर आयोजित कर लिया जाएगा। इस साल इस परीक्षा के लिए 2.38 लाख स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। नीट पीजी 23 जून को आयोजित होनी थी, लेकिन 22 जून को इस परीक्षा को स्थगित कर दिया गया।

देश-विदेश

एनडीए से राज्य सभा जाएंगे उपेंद्र कुशवाहा

पटना, देशबन्धु। काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव में हार का सामना करने के बावजूद एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा थी कि उपेंद्र कुशवाहा गठबंधन से नाराज चल रहे हैं। हालांकि इसी बीच एनडीए ने उन्हें बड़ा गिफ्ट दे दिया है। दरअसल, जेडीयू से अलग होने के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी अलग पार्टी बनाई है। लोकसभा चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने एनडीए के साथ गठबंधन किया। गठबंधन में आने के बाद लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने उपेंद्र को उनकी मनपसंद सीट काराकाट दे दी। काराकाट से उपेंद्र कुशवाहा एनडीए के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे लेकिन खेल उस वक्त बिगड़ गया जब पावर स्टार पवन सिंह काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया। हालांकि चुनाव में पवन सिंह और उपेंद्र कुशवाहा दोनों को हार का सामना करना पड़ा ।

योगी की अगुवाई में यूपी कैबिनेट की अहम बैठक, 12 में से 11 जरूरी प्रस्तावों पर लगी मुहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक सम्पन्न हो गई है। मंगलवार को लोकभवन में हुई इस कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। कैबिनेट बैठक में 12 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें से 11 प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। बैठक में उत्तर प्रदेश एग्रीटेक नीति 2024 पर मुहर लग गई है। साथ ही किसानों के लिए डिजिटल रजिस्ट्री कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। कृषि विकास डर दोगुना करते हुए 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है।

योगी कैबिनेट बैठक में पशुधन विभाग से जुड़े प्रस्ताव भी पास हुए हैं। पशुधन कुक्कुट एवं मत्स्य आहार प्रोत्साहन नीति 2024 और उत्तर प्रदेश चारा नीति 2024 को मंजूरी मिल गई है। पशुओं के लिए संतुलित आहार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार योजनांतर्गत मवेशियों को कृत्रिम गर्भाधान के लिए पंजीकृत करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है। दुग्धापादन के लिए अच्छी नस्ल की गायों के वृद्धि के लिए आहार नीति लाई गई है। बैठक में वेतन समिति की संस्तुतियों को मंजूरी मिल गई है। 656 सिक्योरिटी गार्ड्स, 2130 अध्यापकों के मानदेय में वृद्धि और सिक्योरिटी गार्ड्स के प्रोत्साहन भत्ते में वृद्धि करने का फैसला लिया

गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2023 में सेवा से हटाए जाने वाले 2200 से ज्यादा शिक्षकों को योगी कैबिनेट ने अस्थायी रूप से अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में मानदेय पर रखे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिसका असर शिक्षण कार्य पर हो रहा है।

ऐसी स्थिति में शैक्षणिक कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 2023 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेवा से मुक्त किए गए 2200 से ज्यादा शिक्षकों को अस्थायी तौर पर 25 हजार और 30 हजार रुपए के मानदेय पर पुनर्नियुक्ति का अवसर दिया जा रहा है। जो शिक्षक कक्षा 9 और 10 में पढ़ाएंगे उन्हें 25 हजार और जो लोग कक्षा 11-12 में पढ़ाएंगे उन्हें 30 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के क्रम में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन एवं एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन किए जाने को लेकर भी प्रस्ताव को योगी कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जिस तरह से राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम बना है।

उसी तरह लखनऊ और वाराणसी में इस प्रकार का बड़ा कंवेंशन सेंटर या मल्टीपरपस हॉल बनाया जाएगा, जहां एमएसएमई से जुड़े लोग अपने-अपने उत्पादों का डिस्प्ले कर सकेंगे। साथ ही कानपुर देहात में माध्यमिक शिक्षा विभाग की 5 एकड़ भूमि को समाज कल्याण विभाग को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय निर्माण के लिए जमीन की जरूरत थी, जिसके निर्माण हेतु प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

सीएम योगी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन ऐक्ट के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इस एक्ट को निर्माण (नोडल इन्वेस्टमेंट रीजन फॉर मैन्युफैक्चरिंग) ऐक्ट नाम दिया गया है। इसके माध्यम से देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकेगा।

संसद में राहुल के बयान पर सीएम भजनलाल का पलटवार, कहा- हिंदुओं का अपमान कर रहे हैं राहुल

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राहुल गांधी के संसद में दिए बयान पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार हिंदुओं का अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी को बार-बार लांच किया जा रहा है, लेकिन वे हर बार असफल हो रहे हैं। उन्होंने संसद में अग्निवीर योजना और किसानों के मुद्दों पर भी गलत बयान दिए हैं, जिनका रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने तुरंत पर्दाफाश कर दिया था। सोमवार को संसद में राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था, जो लोग अपने आप को हिंदू कहते हैं, वे 24 घंटे हिंसा, नफरत, और असत्य फैलाते रहते हैं। ये लोग हिंदू हैं ही नहीं। उन्होंने सत्तापक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आप हिंदू हो ही नहीं। हिंदू धर्म में साफ लिखा है कि सत्य के साथ खड़े होना चाहिए। सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए.राहुल गांधी के इस बयान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह बात बहुत गंभीर है। पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहना गंभीर विषय है। पीएम मोदी ने राहुल गांधी को रोका और उनके बयान की गंभीरता पर जोर दिया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के बयानों का खंडन करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना और किसानों के मुद्दों पर जो बातें कहीं, वे पूरी तरह से गलत हैं। उन्होंने संसद में ही राहुल गांधी के झूठ का पर्दाफाश किया। राहुल गांधी के बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। उनके बयान पर भाजपा और सत्तापक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इस बयान के बाद राजनीति और अधिक गरमाती नजर आ रही है। आगे देखना होगा कि इस मामले में और क्या-क्या बयान सामने आते हैं और इसका राजनीतिक प्रभाव क्या होता है।

धर्मांतरण पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की गंभीर टिप्पणी

कहा- भारत के बहुसंख्यक हो जाएंगे अल्पसंख्यक

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण के मामले पर सुनवाई करते हुए गंभीर टिप्पणी की और कहा कि देश में बड़े स्तर पर एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा है। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। धार्मिक सभाओं में पैसों का लालच देकर यही जारी रहा तो एक दिन भारत की बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। कोर्ट ने कहा देश के नागरिकों का धर्मांतरण कराने वाली सभाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। अनुच्छेद 25 में धर्मांतरण का प्रावधान नहीं है।

जस्टिस रोहित रंजन ने धर्मांतरण के मामले आरोपी कैलाश की जमानत याचिका को खारिज करते हुए ये टिप्पणी की है। दरअसल हमीरपुर के मौदहा में रहने वाले कैलाश पर शिकायतकर्ता रामकली ने उसके मानसिक रूप से कमजोर भाई का धर्मांतरण कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में आरोपी ने जमानत याचिका दी थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसके भाई को एक हफ्ते के लिए इलाज के बहाने दिल्ली ले जाया गया था। जिसके बाद वो उसे किसी धार्मिक आयोजन में ले गया। आरोपी कैलाश गांव के कई दूसरे लोगों को भी साथ ले गया था, जहां उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया। उन्होंने बताया किया इसके बदले उसके भाई को कुछ पैसे भी दिए गए थे। कोर्ट ने कहा कि धर्मांतरण कराने वाली धार्मिक सभाओं पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 25, धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार, किसी भी धर्म को मानने, पूजा करने व धर्म का प्रचार करने का अधिकार देता है लेकिन किसी को धर्मांतरण की इजाजत नहीं देता। कोर्ट ने कहा ऐसा जानकारी में आया है कि यूपी में धार्मिक आयोजनों के जरिए गरीब और भोले भाले लोगों का धर्मांतरण कर ईसाई बनाया जा रहा है। ये गंभीर मामला है। कोर्ट ने कहा याची कैलाश पर गंभीर आरोप हैं। उसने गांव के कई लोगों का धर्मांतरण किया है।

असम में बाढ़ से 6.71 लाख से अधिक लोग प्रभावित

कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट

गुवाहाटी, (एजेंसियां)। मौसम ने देश के कई हिस्सों में जहां चेहरे पर मुस्कान खिलाई है। वहीं पूर्वोत्तर इसकी मार से कराह रहा है। पिछले एक माह से बाढ़ से जूझ रहे असम के लोग अस्थायी कैंपों में रह रहे हैं। असम में इस साल आई दूसरी बाढ़ में 20 जिलों में 6.71 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि, लोगों के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) भगवान का रूप बनी हुई है। गंभीर रूप से प्रभावित डिब्रूगढ़ जिले से 13 मछुआरों को सेना ने बचाया है।

एक आधिकारिक बुलेटिन में बताया गया कि ब्रह्मपुत्र समेत 13 प्रमुख नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके चलते कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुरोध पर डिब्रूगढ़ के हटिया अली इलाके से मछुआरों को बचाया गया है। अधिकारी ने बताया कि एएसडीएमए ने वायु सेना से अनुरोध किया कि 13 मछुआरों को बचाने में मदद करें। वहीं, एयरलिफ्ट से लोगों को बचाने में जो भी खर्चा आएगा वो भी खुद एसडीएमए ही उठाएगा।

20 जिलों के लोग प्रभावित- एएसडीएमए बुलेटिन ने कहा कि 20 जिलों- बिश्वनाथ, कछार, चराइदेव, दरांग, चिरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, लखीमपुर, शिवसागर, सोनितपुर, मोरीगांव, नगांव, माजुली, करीमगंज, तामुलपुर, तिनसुकिया और नलबाड़ी के 67 राजस्व क्षेत्रों में 6,71,167 लोग बाढ़ के पानी की चपेट में हैं। पिछले 24 घंटों में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि होने के साथ ही इस साल बाढ़, तूफान और भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। ब्रह्मपुत्र नदी लाल निशान के ऊपर बह रही है।

'फलस्तीन को अलग राज्य की मान्यता देने के लिए तैयार है सिंगापुर'

विदेश मंत्री बालकृष्णन ने की घोषणा

इस्राइल और फलस्तीन के बीच जंग लगातार जारी है। इस बीच कुछ देश ऐसे हैं, जिन्होंने फलस्तीन को अलग राज्य की मान्यता देने पर जोर दिया है। इन देशों में सिंगापुर भी शामिल है। सिंगापुर एक सुनिश्चित समय में फलस्तीन को अलग राज्य की मान्यता देने के लिए तैयार है।

सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन ने संसद में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सिंगापुर, दो राज्य समाधान की अवधारणा की वकालत करता है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति की शांति स्थापित करने वाली विचारधारा का समर्थन करता है। विवियन बालाकृष्णन ने कहा, 'एक ऐसी प्रभावी फलस्तीनी सरकार होनी चाहिए जो आतंक के अंत के लिए इस्राइल के कानूनों को स्वीकार करे। दोनों पक्षों के अपने अधिकार हैं और दोनों जगहों के लोगों को शांतिपूर्वक जीवन बिताने का अधिकार है।' विदेश मंत्री ने ये बातें संसद में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए कहीं। दरअसल, 10 मई को सिंगापुर ने संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन की स्थाई सदस्यता के पक्ष में मतदान करने पर सहमति जताई थी।

दोनों पक्षों के बीच शांति स्थापित करने पर जोर- विवियन बालाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि इस्राइल और फलस्तीन, दोनों पक्षों में शांति स्थापित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के लोग बहुत लंबे समय से युद्ध को झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस्राइल और फलस्तीन के बीच शांति स्थापित करने के लिए साथ में काम करने की आवश्यकता है। इससे दोनों देशों के लोगों का भविष्य सुधरेगा। दोनों देशों का मित्र होने के नाते सिंगापुर शांति स्थापित करने के प्रयासों को लेकर दोनों पक्षों का साथ देता रहेगा।'

अब तक 51,000 श्रद्धालुओं ने किए बाबा अमरनाथ के दर्शन

जम्मू। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 6,537 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 6,537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक 'सेवादार' यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

क्र. / एनएचएम / 2024/7594 छिंदवाड़ा दिनांक 26/06/24

ई-निविदा आमंत्रण

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी / सचिव जिला स्वास्थ्य समिति छिंदवाड़ा

निविदा सूचना का क्रमांक ....वर्ष 2024-25 दिनांक ....

जिला स्वास्थ्य समिति छिंदवाड़ा के द्वारा जिले के 11 विकासखण्डों एवं जिला कार्यालय छिंदवाड़ा में वाहनो की उपलब्धता हेतु मोबिलिटी वाहनो के लिए ऐजेन्सी चयन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में ई-निविदा www.mptenders.gov.in पर जारी किये जाने की सूचना प्रकाशन

क्र.	निविदा का प्रकार	निविदा जारी दिनांक	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि
1	मोबिलिटी वाहन व्यवस्था	29.06.2024	18.07.2024

इच्छुक व्यक्ति / फर्म / कंपनी निविदा की शर्तें, निविदा जमा करने, निविदा खोलने एवं अमानत राशि से संबंधित समस्त जानकारी आनलाईन ई-निविदा के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकती है।

नोट :- कोई भी शुध्दपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर ही अपलोड किया जावेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को किसी भी निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार होगा।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

आदेशानुसार
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी / सचिव जिला स्वास्थ्य समिति जिला छिंदवाड़ा

G-12695/24

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
लोककर्म विभाग // द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-10 02/07/2024	पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड अंतर्गत लेमा गार्डन संजीवनी क्लीनिक हेतु भवन निर्माण कार्य।	03 माह रू. 24.72 लाख	रू. 5,000/- रू. 18545/-	22/07/2024

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट http://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, संभाग क्रं. 14, नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम सिंगरौली, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

क्रमांक / 1844 / ई-टेण्डरिंग/2024 सिंगरौली, दिनांक 01/07/2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन-लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का EMD एवं मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	352823/ 22-06-2024	Establishment, Operation and Management of City Livelihood center and Seller point II call	3 वर्ष/00	20,000/1,000	08.07.2024

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

Revanue oficer Muncipal Corporation Singrauli

प्ररूप छ-3

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी नियम, 1962 के नियम 49-ग (3) के अंतर्गत) सदस्यता सूची पर आपत्ति हेतु सदस्यों को सूचना का प्रारूप

कार्यालय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हरिजन मत्स्य उधोग सहकारी समिति मर्यादित इमलाई. जिला दमोह

पजी. क. 336 दिनांक 30.12.1985
कमांक/नि.अ. दिनांक 02.07.2024

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सोसाइटी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन दिनांक ....को साधारण सम्मिलन / विशेष साधारण सम्मिलन में सम्पन्न होना है।

अतएव, सोसाइटी की सदस्यता सूची का प्रकाशन सोसाइटी कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप/सहायक पंजीयक सहकारी सोसाइटीयें कार्यालय, संबंधित विकास खण्ड कार्यालय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा के सूचना पटल पर दिनांक 02.07.2024 को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो संस्था प्रबंधक श्री राधेलाल अहिरवार को दिनांक 02.07.2024 से दिनांक 09.07.2024 तक सोसाइटी कार्यालय में सप्रमाण लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण सोसाइटी कार्यालय में दिनांक 10.07.2024 को 01.00 पी.एम. बजे से किया जायेगा।

आपत्तियों के निराकरण के दिन सदस्य उपस्थिति हो सकते हैं। आपत्तियों के संबंध में पृथक से व्यक्तिशः सूचना नहीं दी जावेगी। यदि किसी सदस्य की कोई आपत्ति है और वह उपस्थित नहीं होता है. तो भी उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आपत्तियों का निराकरण किया जावेगा।

(पूनम जैन)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हरिजन मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित इमलाई

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं लोक न्यास गाडरवारा, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)

अनुविभागीय कार्यालय, तहसील परिसर, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर 487551
फोन नं.-07791-255732,
E-mail:- sdmgadarwara121@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक 0001 ब-113 (4) वर्ष 2024-25 के तहत जारी

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र सिंह आ. छोटेलाल रघुवंशी, अध्यक्ष, श्री श्री 1008 श्री दादा दरबार, तूमड़ा, निवासी- वार्ड क्रमांक 14, उदयपुरा, तहसील-उदयपुरा, जिला-रायसेन के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि पंजीकृत लोक न्यास श्री श्री 1008 श्री दादा दरबार तूमड़ा, तहसील-साईखेड़ा, जिला- नरसिंहपुर की सदस्य सूची में निम्न व्यक्तियों को सदस्य के रूप में दर्ज किया जावे -

1. श्री रमेशचन्द्र त्रिवेदी आ. मोरध्वज त्रिवेदी, नि. तूमड़ा, तह.-साईखेड़ा, जिला-नरसिंहपुर । 2. श्री दुर्गाप्रसाद त्रिवेदी आ. छोटेलाल त्रिवेदी, नि. तूमड़ा, तह.-साईखेड़ा, जिला-नरसिंहपुर।

अपने आवेदन पत्र के साथ, लोक न्यास पंजी की प्रमाणित प्रति, अपने तथा नवीन प्रस्तावित सदस्यों के आधार पत्र की छाया प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं। उक्त लोक न्यास, न्यास पंजी में सरल क्रमांक 04/2019-20 पर दर्ज है। तत्सम्बंध में प्रकरण दर्ज किया जाकर मेरे द्वारा विचारण में लिया गया है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति अथवा दावे प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई दिनांक 18.07.2024 को मेरे समक्ष स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से विधिवत लिखित रूप से दावा पुष्टि के दस्तावेजों सहित दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावे आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 28.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी ।

जारी दिनांक :- 28.06.2024
सुनवाई दिनांक :-18.07.2024

नजूल अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गाडरवारा

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय नगर पालिक निगम सिंगरौली (म.प्र.)

क्रमांक /1829/राजस्व/2024, सिंगरौली, दिनांक 01-07-24

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिक निगम सिंगरौली के ई.डब्ल्यू.एस. कालोनी बैढ़न वार्ड क्रमांक 40 तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. में स्थित भूखण्ड क्रमांक 39 साईज 20X30 फिट कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफिट-श्री अलाउद्दीन पिता फतेह मोहम्मद निवासी सलायाडीह घिवही तहसील दुद्धी जिला सोनभद्र उ.प्र. हाल पता ग्राम व पोस्ट बैढ़न तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. के नाम से लीज पर आवंटित किया गया था। लीज ग्रहिता के द्वारा लीज डीड के शतों के अधीन उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अब्दुल बारी खाँ पिता श्री अब्दुल हई खान निवासी सिकन्दरपुर तहसील चकिया जिला चन्दौली उ.प्र. हाल पता ग्राम व पोस्ट बैढ़न तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. के नाम से किए जाने हेतु लीज डीड का पंजीयन कराया गया है। तत्पश्चात अब्दुल बारी खाँ पिता श्री अब्दुल हई खान के द्वारा नामान्तरण के कार्यवाही हेतु इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो कार्यवाही हेतु विचाराधीन है।

अतः उक्त भूखण्ड क्रमांक 39 का नामान्तरण अब्दुल बारी खाँ पिता श्री अब्दुल हई खान निवासी सिकन्दरपुर तहसील चकिया जिला चन्दौली उ.प्र. हाल पता ग्राम व पोस्ट बैढ़न तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. के नाम से किए जाने से यदि किसी व्यक्ति / संस्था का हक प्रभावित हो रहा हो तो इस इश्तहार जारी किए जाने के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर निगम कार्यालय में विधिवत आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों विधिमान्य नहीं होगी।

उपायुक्त
नगर पालिक निगम, सिंगरौली

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 04/व.ले.लि./2024-25 बालाघाट, दिनांक 27/06/2024

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. क्र.	टेण्डर क्रं.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2024_PWD RB_353911	बालाघाट	बनेरा से कोड़मी मार्ग लम्बाई 4.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	341.87	341870.00	15000.00	12 माह वर्षा ऋतु सहित
2.	2024_PWD RB_353912	बालाघाट	1. नन्दोरा से टेकाड़ी मार्ग लम्बाई 2.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	176.94	176940.00	12500.00	12 माह वर्षा ऋतु सहित
3.	2024_PWD RB_353913	बालाघाट	1. टेड़वा से मोहझरी मार्ग लम्बाई 1.35 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2. रमगढ़ी से बेलगांव मार्ग लम्बाई 1.60 कि.मी. प्रस्तावित लं. 1.10 कि.मी. का निर्माण कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	161.86	161860.00	12500.00	12 माह वर्षा ऋतु सहित
4.	2024_PWD RB_353915	बालाघाट	खैरलांजी से मथुरा टेकाडी मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	67.42	67420.00	10000.00	12 माह वर्षा ऋतु सहित
				कुल योग-	748.09			

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने एवं ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 15/07/2024 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन ही जमा किये जायेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

G-12709/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

Office of Nagar Palika Parishad Pali, Distt-Umaria M.P.
Notice Inviting Tender

Online Bids are invited from registered contractors/firms for work of P/F OF STREET LIGHTING BETWEEN HARIOM TAKIJ TO GAJRA NALA UNDER NP PALI DISTRICT UMARIA M.P. of Nagar Palika Parishad Pali Town Under ULB FUND, NIT: 2024_UAD_354918_1 Date 02/07/2024 Probable Amount Rs. 49.00 Lacs, EMD Rs. 36756.00, cost of bid Document Rs. 5000/- Last date and time of submission of bid 03/08/2024 & time 18.00 Hrs, All other details are published on website www.mptenders.gov.in, further information or clarification (if any) shall be published on website only, and not in Newspaper.

मुख्य मगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद् पाली
जिला उमरिया (म.प्र.)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमंडल अधिकारी, उप वनमंडल दमोह (म.प्र.)

पता- शास. कमला नेहरू कालेज के पास, सिविल वार्ड नं. 4 दमोह (म.प्र.)
E-mail-sdoftdamoh@mp.gov.in - Mob.No.- 9424793706

प्रेस विज्ञप्ति

क्रमांक/एस.डी.सी./ 1748 दमोह दिनांक 06/06/2024

प्रति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दमोह उप वनमण्डल के अंतर्गत वन अपराध प्रकरणों में निम्नलिखित वाहन/संपत्ति को जब्त किया गया है। जिसमें राजसात की कार्यवाही प्राधिकृत एवं उप वनमण्डल अधिकारी दमोह के कार्यालय में प्रचलन में है, जिस भी व्यक्ति की संपत्ति/वाहन हो, वे इस सूचना के प्रकाशन के 15 कार्य दिवस में उप वनमण्डल कार्यालय दमोह में वाहन/संपत्ति से संबंधित अभिलेख लेकर उपस्थित होवे एवं अपना मालिकाना हक प्रस्तुत करें, यदि उक्त वाहन/संपत्ति के संबंध में कोई भी व्यक्ति 15 दिवस में अपना हक दावा हेतु उपस्थित नही होता है, तो ऐसी स्थिति में निम्नानुसार वाहन/संपत्ति म.प्र. शासन वन विभाग के पक्ष में एकपक्षीय कार्यवाही कर राजसात कर दिये जायेंगे। तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

क्रमांक	वन अपराध प्रकरण क्रमांक एवं दिनांक	जब्तशुदा वाहन/ संपत्ति का प्रकार	जब्तशुदा वाहन का क्रमांक
1	801/10 दि. 11/02/2013	ट्राली	रंग नीला
2	494/07 दि. 15/6/2022	मोटरसाईकिल राजदूत	रंग काला
3	640/04 दि. 26/12/2022	टाटा 407	MP15G1116

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

G-12763/24

प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डल अधिकारी उप वनमण्डल दमोह

देश-प्रदेश

उवाच

कांग्रेस और राहुल चालीसा बंद करिए, अपने प्रति ईमानदार बनिए : पप्पू यादव

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। पप्पू ने कहा कि ये देश वसुधैव कुटुंबकम का है। ये देश आध्यात्मिकता की बात करता है। मानवीय मूल्यों के लिए जाना जाता है। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, दावा किया जाता है कि पीएम मोदी को दुनिया के लोग फॉलो करते हैं। फिर कांग्रेस चालीसा, नेहरू चालीसा, इंदिरा चालीसा और राहुल चालीसा बंद करिए। अपने प्रति ईमानदार बनिए। इन लोगों ने गठबंधन की राजनीति की। जब उस पर भी भरोसा नहीं रहा तो जेवरात, भैंस और बैल से लेकर मुजरा तक की बात की। पीएम ने एक बार भी हिंदुस्तान के गरीबों की बात नहीं की।

सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने लोकपथ मोबाइल ऐप किया लॉंच

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। जनता के प्रति अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार लोकपथ मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा भवन स्थित मीडिया सेंटर में मोबाइल ऐप-लोक पथ के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं ऐप की जानकारी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की 40 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में आवश्यकतानुसार ऐप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यह विश्वास है कि विभाग नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए इस नवाचार को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सफल होगा। यद्यपि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है, परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हो ही नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के साथियों से इस ऐप की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

लोकपथ मोबाइल ऐप सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। मोबाइल ऐप से आमजन को मार्गों की समस्या बताने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। लोकपथ मोबाइल ऐप मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। लोकपथ मोबाइल ऐप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.mppwd.gov.in पर जाकर डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा सकता है। मोबाइल फोन में ऐप को खोलकर ऐप में रजिस्टर्ड सड़कों के पॉट होल / पेच का फोटो लेकर डालने पर शिकायत निराकरण के लिए सीधे संबंधित अधिकारी को पहुंच जाएगी। अधिकारी द्वारा सात दिवस की समय सीमा में इस पॉट होल/पेच का सुधार कार्य कर ऐप से निराकरण दर्ज किया जाएगा, जिसकी सूचना मोबाइल पर शिकायतकर्ता को प्राप्त हो जाएगी।

दो चरणों में लागू होगी योजना-लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश के समस्त मरम्मत योग्य राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला एवं अन्य जिला व ग्रामीण मार्ग सम्मिलित रहेंगे। यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी। प्रथम चरण मंगलवार 2 जुलाई से आरंभ किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और मुख्य जिला मार्ग शामिल रहेंगे। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में सम्मिलित मार्गों के साथ शेष अन्य जिला एवं ग्रामीण मार्गों को शामिल किया जाएगा।

CHANGE OF NAME

This is to inform Publicly that, I RAJU S/o YALMANDA, RESIDENT OF H.NO. 784, SARVODAYA NAGAR RANITAL KEWAT MOHALLA, VIVEKANAND WARD JABALPUR (M.P.), do hereby Solemnly affirm and declare as under, I state that My name was RAJU in my educational, government documents and other concern documents. I am Changing my name to DANIEL RAJU. My Correct Name is DANIEL RAJU. I am Changing the Name to DANIEL RAJU in my Government Service Records, School, Higher Education Documents, Government, AADHAR CARD, PAN CARD, SAMAGRA ID, DOMICILE, and other concern records.
Henceforth, from this date My Name DANIEL RAJU, should be read, write and recorded in my Educational Documents Records Government Service and all other concern document in future.
OLD NAME - RAJU
NEW NAME - DANIEL RAJU
RO - 239

CHANGE OF NAME

I, SERVICE NO. 15391957P RANK EX-HAV NAME RANJU KUMAR DAS S/O LATE SAILENDRA CHANDRA DAS R/O Village NIZ DHANIPUR, Post office- DIDARKUSH BASTI, Tehsil-SONAI, District- CACHAR State (ASSAM) PIN-788099 do hereby solemnly affirm and declare as under:- I state that I am presently residing at the mentioned address. I state that my SON true and correct name is BIPLU KUMAR DAS. I state that my SON name has been mistakenly recorded as BIPLU KUMAR in my ARMY SERVICE RECORDS. I state that true and correct name of my SON is BIPLU KUMAR DAS as per my SON, AADHAR CARD, PAN CARD, AND ALL EDUCATIONAL CERTIFICATE RECORD.
CORRECT NAME
BIPLU KUMAR DAS
INCORRECT NAME
BIPLU KUMAR

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. JC-452409K SUB UPENDRA NATH SINGH, UNIT- 24 GUARDS (17 GRENADIERS) C/O 56 APO PIN- 910924, R/O VILLAGE-TIHAETPUR, POST- RAJE SULTANPUR, TEH- ALA PUR, DISTT- AMBEDKAR NAGAR, STATE- (U.P) PIN- 224176, शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पिताजी का नाम JAGDISH SINGH एवं मेरी माताजी का नाम SHUSHILA DEVI दर्ज है जो कि गलत है मेरे पिताजी का सही नाम JAGDEESH SINGH एवं मेरी माताजी का सही नाम SUSHILA DEVI है जो कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरे पिताजी एवं माताजी के इन नामों को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.सं.अधि./सं.क्रं.12/2024-25/एम-14 दिनांक 28.6.2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मानसी मुलतानी पुत्री स्व. श्री विशनदास चेलानी पति श्री अजित कुमार मुल्तानी ने मकान नं. 104/जी एफ/एस- 12 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 173 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 173 व.फु. भूतल 173 व.फु. दानपत्र/ शपथ पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्र.-12 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
सूचना (नोटिस)
(सामान्य फार्म)
MCRC/44106/2023
Process Id: 117894/2024
By-PUBLICATION
Respondent No. 2
Fixed for 29-07-2024
C.O. For 27-05-2024
Notice returnable before 29-07-2024
अपीलार्थी/आवेदक KU. TAHIRA ANJUM and others
Vs
प्रत्यर्थी/अनावेदक THE STATE OF MADHYA PRADESH and others
प्रति
Smt. Safia Khan W/o Parvez Khan Aged 30 Years,
R/o Street No. 3 Macca Nagar Near Raza Chowk
Adhartal, Jabalpur (MADHYA PRADESH)
चूंकि उपर्युक्त मामले में श्री Appellant द्वारा against the order passed by the Judicial Magistrate First Class, Jabalpur (MADHYA PRADESH) in RCT/5713|2023 Dated 16-03-2023 Under Section के लिये आवेदन किया गया है।
अत: सूचित हो कि जबलपुर में आपकी उपस्थिति के लिये दिनांक 29-07-2024 नियत किया गया है और यह कि यह मामला उस दिन या उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका आपका वकील या इस मामले में आपके लिये कार्य करने के लिये विधि विधिवत् अधिकृत कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ तो इसकी आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जायेगी और निर्णय दिया जायेगा।
कृपया इस बात में भी सूचित हो कि अपील/पुनरीक्षण/प्रकीर्ण सिविल मालने में मृत प्रत्यर्थी के लिये आपको वैध प्रतिनिधि प्रतिस्थापित करने का आदेश पारित किया जाता है और यदि इसके बाद आपकी ओर से आप या उसके वकील या आपकी ओर से कार्य करने के लिये विधिवत अधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं होता है तो अपील पुनरीक्षण/प्रकीर्ण सिविल मामले की आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जायेगी और निर्णय दिया जायेगा।
आज दिनांक 18-06-2024 को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।
उच्च न्यायालय के आदेश से, जबलपुर
र.नं. 717
अनुभाग अधिकारी, न्यायिक शाखा

In The Court of III Civil Judge, Class-II, District Court, Jabalpur
presiding Officer:
रिशा अहमद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000581/2024)
द्रोपदी बाई उर्फ सुशीला बाई ....वादी
Vs
श्री मान् जनरल मैनेजर महोदय ....प्रतिवादी
Process Id-/2024
पेशी दि.:-30/07/2024
प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.
यह कि प्रार्थी द्रोपदी बाई उर्फ सुशीला बाई ने आपके विरूद्ध दावा वास्ते घोषणा हेतु मूल्यांकन 2000 दो हजार रूपये कुल मूल्यांकन 2000 रूपये दो हजार रूपये के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 20 जून 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी- प्रकाशन व उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ वादपत्र व आवेदन पत्र की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(रिशा अहमद कुरैशी)
तृतीय सिविल न्यायाधीश, (वरिष्ठ खण्ड)
जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 717

विधानसभा के मानसून सत्र का दूसरा दिन

नर्सिंग घोटाले पर हुई चर्चा, विपक्ष ने मांगा सारंग का इस्तीफा, किया बहिर्गमन

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में आज कथित नर्सिंग घोटाले को लेकर आज भी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी तकरार देखने को मिली। इस मुद्दे पर ध्यानाकर्षण के जरिए हुई 5 घंटे से अधिक की चर्चा के दौरान सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने आसंदी के समक्ष नारेबाजी की। इस मामले में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे और सर्वदलीय समिति से इस पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग न माने जाने पर कांग्रेस ने सदन से बहिर्गमन भी किया।

विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने सोमवार को भी यह मामला सदन में उठाते हुए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की मांग की थी। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी।

कमलनाथ के इस्तीफे के दिन 354 कॉलेजों को मान्यता दी गई

मंत्री विश्वास सारंग ने भी सदन में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि बार-बार मेरा नाम लिया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं कोई माफिया हूं। उन्होंने साफ किया कि नर्सिंग काउंसलिंग स्वायत्त संस्था है। इसमें मंत्री का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। श्री सारंग ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का तीखा प्रतिवाद करते हुए कहा कि कमलनाथ सरकार के समय 20 मार्च को जब मुख्यमंत्री कमलनाथ का इस्तीफा होता है, उस दिन तत्कालीन मंत्री ने 354 से ज्यादा कॉलेजों को मान्यता दी गई। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जब अपनी सरकार बचाने में लगे थे, तब मंत्री कॉलेजों के मान्यता दे रही थी। कांग्रेस ने 100 कॉलेज दो महीनों में ही खोल दिए थे। हमने 415 कॉलेज का सत्यापन करवाया, जिसमें 150 कॉलेज हमने बंद किए।

मंत्री के संरक्षण में हुआ घोटाला

सदन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने अपात्र कॉलेजों को मान्यता देने के लिए नियम तक बदले। मंत्री के संरक्षण में ही इतना बड़ा घोटाला हुआ है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष के आरोपों को गलत बताया तो सिंघार ने कहा कि आरोप लगत साबित हुए तो नेता प्रतिपक्ष का पद छोड़ दूंगा। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने भी सत्तापक्ष और विपक्ष की कमेटी बनाए जाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने सारंग के इस्तीफे के साथ ही सर्वदलीय जांच समिति गठित करने की मांग की, लेकिन सरकार ने विपक्ष की बात नहीं मानी। इससे नाराज विपक्ष कांग्रेस सदस्यों ने आसंदी के समक्ष नारेबाजी की और बाद में बहिर्गमन भी किया।

शुक्ला ने किया सारंग का बचाव, आरोपों को बताया आधारहीन

चर्चा का उत्तर देते हुए उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने विपक्ष के आरोपों को आधारहीन बताया। उन्होंने श्री सारंग का बचाव करते हुए कहा कि नर्सिंग मामले में विपक्ष के आरोप आधारहीन हैं। उच्च न्यायालय के निर्देश पर नर्सिंग कॉलेज मामले की जांच के लिए सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में कमेटी बनी है। अदालत के निर्देश के मुताबिक, इस मामले में कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दिव्यांग युवक ने पोर्टेट भेंट किया

मुख्यमंत्री ने शाबासी देकर कला की सराहना की, मिलेगी एक लाख की प्रोत्साहन राशि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खरगोन जिले के बड़वाह निवासी दिव्यांग युवक आयुष कुंडल ने विधानसभा स्थित कक्ष में तस्वीर भेंट की। मुख्यमंत्री की तस्वीर बनाने वाले आयुष पैरों से बनाई हुई चित्रकला में दक्ष हैं। दिव्यांग आयुष ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी तस्वीर भेंट की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकार की अद्वितीय प्रतिभा पर शाबासी देते हुए कहा कि इस प्रतिभाशाली चित्रकार को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। दिव्यांग युवक आयुष के अभिभावकों ने बताया कि वे आयुष द्वारा पैरों से बनाए गए कलात्मक चित्रों की एक प्रदर्शनी इंदौर में लगाने जा रहे हैं। आयुष ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ ही अनेक प्रमुख व्यक्तियों के पोर्ट्रेट चित्र बनाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आयुष ने अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर का पोर्ट्रेट भी भेंट किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग चित्रकार को हर संभव सहयोग देने का आश्वास दिया। इस अवसर पर विधायक खातेगांव आशीष शर्मा उपस्थित थे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मकान नं.-90/7 वार्ड क्रमांक 28 संभागीय जोन 14 में स्थित तीन मंजिला पक्का मकान जो कि 400 X 3 = 1200 वर्गफीट में निर्मित है। यह कि उक्त मकान स्व. श्री अयोध्या प्रसाद दुबे का था। वर्तमान उनकी धर्मपत्नी बसंती दुबे के नाम अंकित है। यह कि उक्त मकान को बसंती दुबे के नाम अंकित है। यह कि उक्त मकान को बसंती दुबे के अतिरिक्त उनकी चार पुत्रियां मालिक है जिनका आपस में उक्त मकान को लेकर विवाद है इसलिये उक्त मकान को कोई क्रय न करे अन्यथा खर्चे हर्जे का जिम्मेदार क्रेता स्वयं होगा। यह कि उक्त मकान स्व. अयोध्या प्रसाद दुबे द्वारा स्वयं अपनी आय से अपनी पत्नी के नाम क्रय किया गया था। उक्त मकान नं. 90/7 वार्ड नं. 28 चेरीताल कालोनी जबलपुर में स्थित है।
एन.के. मिश्रा, अधिवक्ता
म.प्र. हाईकोर्ट, जबलपुर
ऑफिसः म.नं.- 10, सीनियर एम.आई.जी. हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सुभाष नगर, महाराजपुर, जबलपुर
मो.- 9424676738, 9630917408
र.नं. 720

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अवधेश नारायण दुबे पिता स्व. शिवनन्दन दुबे निवासी-म.नं. 06, कटंगी रोड, रिमझा, कठौंदा जबलपुर द्वारा अपने स्वामित्व की सम्पत्ति मौजा रिमझा, नं.ब. 397 नया 401, प.ह.नं. 79, रा.नि.मं. महाराजपुर विकासखण्ड पनागर तह. व जिला जबलपुर (म.प्र.) में स्थित भूमि पटवारी व डायवर्सन खसरा नं. 55 का कुल रकबा 0.1460 हे. में से प्लाट 20 रकबा 400 वर्गफुट को विक्रय करने का इकरार श्रीमती लक्ष्मी बाई रैकवार पत्नि भुजबल रैकवार निवासी-रामगढ़ दमोह से किया है जिसका निकट भविष्य में पंजीयन विक्रय पत्र का निष्पादन होना है। जिस हेतु मेरा पक्षकार बैंक ऋण सुविधा उपलब्ध करा रहा है। यह कि उक्त सम्पत्ति वर्ष खसरा फार्म पी-2 में 2004-05 से 2012-13 तक रेवाशंकर वल्द मनमोहन लाल के नाम दर्ज थी। वर्ष 2013-14 से 2022-2023 तक शिवनन्दन पिता रेवा शंकर दुबे के नाम दर्ज थी। तत्पश्चात् वर्ष 2023-2024 में अवधेश नारायण दुबे पिता स्व. शिवनारायण दुबे के नाम पर अपंजीकृत वसीयत के आधार पर दर्ज हुआ है। अत: इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय संस्थान या बैंक एवं अन्य किसी को कोई कानूनी आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 3 दिवस के अंदर मय आपत्ति वाले दस्तावेजों के साथ मेरे समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है तथा पावती प्राप्त कर सकता है। बाद मियाद सभी आपत्तियाँ अमान्य होगी तथा प्रस्तावित विक्रय पत्र के निष्पादन उपरांत मेरा पक्षकार बैंक उक्त सम्पत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान कर देगा।
दिनांक 02/07/2024
सुधीर कुमार सराफ (अधिवक्ता)
म.प्र. हाईकोर्ट जबलपुर
कार्या.-चैम्बर नं. 55, फस्ट फ्लोर, कचनार प्लाजा, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002 मो.- 9826536843
र.नं. 723

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.सं.अधि./सं.क्रं.12/2024-25/एम-15 दिनांक 28.6.2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मानसी मुलतानी पुत्री स्व. श्री विशनदास चेलानी पति श्री अजित कुमार मुल्तानी ने मकान नं. 1104/जी एफ/एस-6/12,ए वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 303 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 303 व.फु. भूतल 303 व.फु. दानपत्र/ शपथ पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्र.-12 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

फौती
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/458/अ-6/2024-2025
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रशांत कुमार जैन / स्व. प्रेम चंद जैन नि. 521/1 खटीक मोहल्ला सराफा पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड ने नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. 66/1 निर्मित रकवा/रकवा 1380 वर्गफुट/ अवि. हिस्सा.... ग्राम ओमती गलगला प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकवा 1380 व.फु./हे. विक्रय पत्र / हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक .... मृत्यु दिनांक 15/09/2012, 11/07/2014, 16/06/1992 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. सिटी 105 प्लाट नं. 66/1 निर्मित रकवा/रकवा 1380 वर्गफुट/ अवि. हिस्सा.... ग्राम ओमती गलगला प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकवा 1380 व.फु./ हे. कीसलाल वल्द दालचंद जैन के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 09/07/2024 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 24/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 24/06/2024
पेशी दिनांक 09/07/2024
र.नं. 725
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

नर्सिंग घोटाले को लेकर 24 घंटे के सत्याग्रह पर कांग्रेस

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में हुए नर्सिंग घोटाले सहित तमाम परीक्षाओं में फर्जीवाड़े को लेकर कांग्रेस ने आंदोलन तेज कर दिया है। विधानसभा से लेकर सड़क तक भाजपा सरकार के इन घोटालों को उजागर कर रही है। घोटाले के आरोपियों पर कार्रवाई और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग से इस्तीफे की मांग को लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहा पर कांग्रेस ने 24 घंटों का सत्याग्रह शुरू कर दिया है।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह यादव के नेतृत्व में शुरू हुए की शुरुआत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने युवाओं के बीच जाकर की। सत्याग्रह में पहुंची छात्राओं ने श्री पटवारी को अपनी परेशानी बताई। पटवारी ने सत्याग्रह में शामिल कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा

सारंग के इस्तीफे की मांग

सरकारें युवाओं के भविष्य को चौपट कर रही है, जो हम होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक दल द्वारा सदन में इस मुद्दे को उठाने का जिक्र भी किया। श्री पटवारी ने साथ ही पूरे प्रदेश में नर्सिंग छात्रों की लड़ाई लड़ रहे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा भी की। वहीं युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह ने नर्सिंग घोटाले को महाघोटाला बताया और कहा कि इससे लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया है।

सत्याग्रह में अपना समर्थन देने शामिल हुए छात्रों ने बताया कि हमने व्यापामं द्वारा आयोजित एमपीएनएसटी परीक्षा दी थी, जिसका परिणाम आज 2 साल बीत जाने के बाद भी नहीं आया है।

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 40
2024-2025 दिनांक 24/06/2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती सब्बो बी, पति- श्री मो. नजीम बहना** ने भवन क्रंमाक 4210/ एच.के.एस ई.सी 2 संपत्ति कर/ पिन नं. 2000012010 जलकर पिन नं.........., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्रीमती हिना कौशर, पति मो. नुरूल अहद रजा, **वार्ड सुभाष चंद बोस वार्ड**, निर्मित भूतल 600 व.फु. आर.सी.सी.,, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।
कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 42
2024-2025 दिनांक 02/07/2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री कुलदीप गुप्ता, पिता- श्री संतोष कुमार गुप्ता** ने भवन क्रंमाक पी-108/ ख.नं. 42,43,44,48,85/2 का भाग संपत्ति कर/ पिन नं. 1000360038 जलकर पिन नं.........., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती अचला चौकसे/ गोविंद प्रसाद चौकसे, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड**, विक्रय प्लाट रकवा 1500 व.फु.,, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।
कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 44
2024-2025 दिनांक 25/06/2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती रविता पटेल, पति- श्री राजेन्द्र पटेल** ने भवन क्रंमाक 171/1 का भाग संपत्ति कर/ पिन नं. 200010 जलकर पिन नं.........., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्री चेतराम काछी/ रामविशाल काछी, **वार्ड शहीद अ. हमीद वार्ड**, निर्मित क्षेत्रफल 65230 व.फु., विक्रय प्लाट रकवा 800 व.फु.,, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।
कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

लालू व राबड़ी को पटना हाइकोर्ट से राहत

पटना, देशबन्धु। आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पूर्व सीएम राबड़ी देवी को मंगलवार को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की बेंच ने आज लालू और राबड़ी के खिलाफ दर्ज केस को आज खारिज कर दिया। जस्टिस संदीप कुमार की बेंच ने मंगलवार को केस को खारिज करने का आदेश दिया है। मामला 14 साल पुराना यानि 2010 का है। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी पर पटना के एयरपोर्ट थाने में केस दर्ज किया गया था। इस केस का ट्रायल भी निचली अदालत में शुरू हो गया था।

न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर-1 जिला-जबलपुर
रा.प्र.क्रं/0874/अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक 02/07/2024
आम इश्तहार
एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम गढ़ा प.ह.नं. ... तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक करूण चौबे / शंकर लाल 504 फ मोहन बिहार कालोनी गढ़ा जबलपुर के द्वारा मौजा....प.ह.नं.... रा.नि.मं. जबलपुर-1 में स्थित भूमि खसरा नंबर 432/1 रकवा 1000 व.फु./हेक्टे. भूमि का नामांतरण/फौती नामांतरण/वसीयत नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक 10/07/2024 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-25/06/2024
पेशी दिनांक-10/07/2024
र.नं. 724
तहसीलदार गोरखपुर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम बसंत कुमार यादव (BASANT KUMAR YADAV) अंकित है एवं मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड, बैंक पासबुक मे मेरा नाम बसंत यादव (BASANT YADAV) अंकित है, ये दोनों नाम मेरे स्वंय के है ! अतः मेरे सभी शासकीय / अर्द्धशासकीय एवं अन्य प्रपत्रों में मेरा नाम बसंत कुमार यादव के स्थान पर बसंत यादव (BASANT YADAV) के नाम से जाना पहचाना लिखा पढ़ा जावें !
पुराना नाम
बसंत कुमार यादव
नया नाम
बसंत यादव
पता-604, गोरैया प्लाट, मदन महल, वीर सावरकर, पुरवा, जबलपुर म.प्र.

न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर-1 जिला-जबलपुर
रा.प्र.क्रं/0539/अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक ....
आम इश्तहार
एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम पुरवा प.ह.नं. 16 तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमित कुमार तिवारी पिता स्व. जे.पी. तिवारी नि. शास्त्री नगर मेडीकल जबलपुर के द्वारा मौजा....प.ह.नं.... रा.नि.मं. जबलपुर-1 में स्थित भूमि खसरा नंबर 795/37, 744/3 रकवा क्रमशः 1600 व.फु., 220 व.फु./हेक्टे. भूमि का फौती नामांतरण/वसीयत नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक 08/07/2024 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्कता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-22/06/2024
पेशी दिनांक-08/07/2024
र.नं. 722
तहसीलदार गोरखपुर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक/सं.क्र.-03/ एम/24-25/58
दिनांक 23.6.2024
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजय कुमार सिन्हा पिता स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद सिन्हा ने भवन क्रमांक प्लाट नं. 44 वार्ड दादा बाबूराव परांजपे प्लाट 1500 व.फु. भूतल 200 व.फु. प्रथम तल 1150 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रं. प्लाट नं. 44 वार्ड दादा बाबूराव परांजपे गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टी अनुसार) मनीष पोपली पिता श्री अविनीश पोपली के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय क्रं.-3 शक्ति भवन रोड रामपुर नगर निगम जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-03 रामपुर, नगर निगम, जबलपुर
र.नं. 716

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 03 जुलाई 2024

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

प्रधानमंत्री के भाषण से निराशा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे, तो एक बार फिर उनके लहजे में बड़बोलेपन और अहंकार के भाव के साथ-साथ विपक्ष के लिए घृणामिश्रित उपेक्षा का भाव नजर आया। श्री मोदी के भाषण को सुनकर ऐसा लगा कि सोमवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो भाषण दिया था, उसकी चोट से उबरने में अभी उन्हें वक्त लगेगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने साफ शब्दों में यह बता दिया था कि भाजपा हिंदू धर्म की शिक्षा पर नहीं चलती है और जिस हिंदुत्व को वह बढ़ावा देती है, उससे नफरत और हिंसा फैलती है। राहुल गांधी के इस वक्तव्य पर संसद में खड़े होकर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके साथियों ने आपत्ति व्यक्त की थी। इसके बाद आधी रात को श्री गांधी के भाषण से उन हिस्सों को हटा दिया गया, जिनमें भाजपा पर चोट की गई थी। राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इन हिस्सों के हटाए जाने पर अपनी असहमति दर्ज कराई है। इसके अलावा राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को भी एक पत्र लिखा, जिसमें नीट परीक्षा पर चर्चा की मांग फिर से की है।

प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी के पत्र का जवाब देंगे या नहीं, इस पर अब संदेह होता है। क्योंकि मंगलवार को अपने भाषण में उन्होंने राहुल गांधी के लिए, एक बार फिर अपमान भरे लहजे में बालकबुद्धि शब्द का प्रयोग किया। श्री मोदी ने कहा कि बालक बुद्धि में न बोलने का ठिकाना होता है और न ही बालक बुद्धि में व्यवहार का कोई ठिकाना होता है। जब ये बालक बुद्धि पूरी तरह सवार हो जाती है, तो सदन में भी किसी के गले पड़ जाते हैं। ये बालक बुद्धि अपनी सीमाएं खो देती है, तो सदन के अंदर बैठकर आंखें मारते हैं। इनकी सच्चाई अब पूरा देश समझ गया है। इसी तरह श्री मोदी ने एक किस्सा सुनाया कि एक बच्चा 99 अंक लाने की बात करता है, लेकिन बाद में पता चलता है कि उसने सौ में नहीं 543 में 99 अंक हासिल किए हैं।

इन दो उदाहरणों से ही साबित हो जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में भी पहले की तरह संवेदनहीनता का परिचय देते रहेंगे। श्री मोदी ने एक बार आईआईटी रुड़की के छात्रों से चर्चा के दौरान डिस्लेक्सिया बीमारी का जिक्र निकलने पर भी राहुल गांधी पर तंज कस कर बता दिया था कि उनके मन में मानसिक रोगियों के लिए किस तरह हिकारत का भाव है। जब राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए उन्होंने मंगलवार को सदन में बालकबुद्धि शब्द का इस्तेमाल किया, तब भी यही हिकारत जाहिर हुई। क्योंकि बुद्धिमत्ता के गढ़े गए पैमाने पर, यानी मानक आईक्यू स्तर पर जिन लोगों के अंक कम आते हैं, उनके लिए बालकबुद्धि जैसी बातें कही जाती हैं। संभवत: एनडीए सरकार के लिए नीट, मणिपुर, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, अग्निवीर के नाम पर देश की सुरक्षा के साथ खेला गया खेल, किसानों से छल, विकास के नाम पर आ रही तबाही, ऐसे सारे मुद्दे गौण हैं, तभी इन पर चर्चा की बात करने वाले राहुल गांधी के लिए बालकबुद्धि जैसे शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

श्री मोदी हर साल परीक्षा पर चर्चा भी करते आए हैं। एक्जाम वारियर नाम से किताब भी उन्होंने लिखी है। उन्हें शायद पता होगा कि इस देश में हर साल ऐसे हजारों बच्चे आत्महत्या करते हैं, जो युद्ध का मैदान बना दी गई परीक्षा में खुद को हारा हुआ महसूस करते हैं। जबकि असल बात यह है कि परीक्षा को युद्ध बना देना सरकार की विफलता है और उससे भी बड़ी विफलता यह है कि बच्चों के सामने अंकों का महत्व उनकी जिंदगी से ज्यादा जरूरी बना दिया गया है। अगर श्री मोदी इस विफलता को समझते तो वे कांग्रेस की 99 सीटें लाने की तुलना 543 में 99 अंकों से नहीं करते।

यह सही है कि इंडिया गठबंधन को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, लेकिन यह भी अकाट्य सत्य है कि इस बार के चुनावों में विपक्ष की सीटें बढ़ी हैं और अगर इंडिया गठबंधन खरीद-फरोख्त का खेल करता तो शायद बहुमत का आंकड़ा पार कर लेता। लेकिन उसने जनादेश को स्वीकार किया, क्योंकि वह जानता है कि जनता ने उसे इस भरोसे के साथ सदन में भेजा है कि वह लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएगा। इसलिए राहुल गांधी ने यह कहा कि वे विपक्ष में बैठकर भी प्रसन्न हैं, क्योंकि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण जनता की आवाज है। श्री मोदी कांग्रेस की 99 सीटों को बड़ी पराजय कहते हुए यह भूल जाते हैं कि कांग्रेस की सीटें इस बार बढ़ी हैं और भाजपा की सीटें कम हुई हैं।

दो घंटे से भी लंबे समय के अपने भाषण में श्री मोदी ने 2014 और 2019 के अपने कार्यकालों का जिक्र किया। सर्जिकल स्ट्राइक और घर में घुसकर मारने की बात की। रफाएल के मुद्दे पर राहुल गांधी का मजाक उड़ाया। पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर घोटालों के आरोपों का जिक्र किया। लेकिन उनके पूरे भाषण में काम की बातें तलाशना वैसा ही कठिन था जैसे भूसे के ढेर में सुई ढूंढना। नेहरूजी से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी सब पर श्री मोदी ने आरोप लगाया। इतिहास की बातों को अपने हिसाब से तोड़ा मरोड़ा, बाबा अंबेडकर का नाम लेकर यह बताने की कोशिश की कि कांग्रेस ने उनका अपमान किया है। संविधान सिर पर लेकर नाचने जैसे शब्द बोलकर श्री मोदी ने फिर साबित किया कि उनके लिए सदन और चुनावी मंच में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कल के राहुल गांधी के बयान को हिंदू धर्म के अपमान की तरह पेश किया। अपने भाषण में कई बार कांग्रेसी शब्द बोलकर उन्होंने बता दिया कि सत्ता के 11वें साल में भी वे कांग्रेस से भयभीत ही हैं। श्री मोदी कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष पर हावी होने की कोशिश में दिखे, लेकिन जितने देर श्री मोदी बोलते रहे, विपक्ष ने मणिपुर और नीट जैसे विषयों पर न्याय की आवाज बुलंद करते रहे। यानी मंगलवार को स्कोर बोर्ड में भी विपक्ष सरकार पर भारी ही नजर आया।

अपनी रणनीति में सफल हुए राहुल

आज तो गर्दा उड़ा दिया', फ़ेसबुक की एक एक लाइन की टिप्पणी पर इस लेखक को जैसी और जितनी प्रतिक्रिया मिली वह बताती है कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी का पहला भाषण सफल रहा। राहुल गांधी संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे। उनका भाषण सौ मिनट का हुआ और लोकसभा चुनाव से जीवंत हुए विपक्षी खेमे में इस दौरान जो उत्साह दिखा वह तो उल्लेखनीय था ही, सत्ता पक्ष में जिस किस्म की हड़बड़ी दिखी उससे भी लगता है कि राहुल अपनी रणनीति में सफल हुए। इस भाषण के तत्काल बाद भाजपा की तरह से दो केन्द्रीय मंत्रियों और मुख्य पार्टी प्रवक्ता ने प्रेस कांफ्रेंस करके अपना पक्ष रखा या राहुल की बातों को काटने की कोशिश की। और फिर तो मीडिया मैनेजमेंट और भाजपा का प्रचार सेल तरह-तरह से हमले या राहुल की कमियां बताने के अभियान में जुट गया। पर जो जीवंतता संसद के अंदर दिखी वह टीवी चैनलों और अखबारों में भी झलकी और हर जगह राहुल को वह स्थान और प्रमुखता मिली जो आम तौर पर उनके हिस्से नहीं आती थी। यू-ट्यूब समेत सोशल मीडिया पर तो चुनाव के आसपास से ही राहुल और प्रतिपक्ष को एक किस्म की बढ़त रही है। वहां स्वाभाविक तौर पर इस भाषण ही नहीं इस सौ मिनट के पूरे तमाशे का शोर रहा।

राहुल के भाषण का कंटेन्ट भी बदला है, लेकिन सबसे ज्यादा उनका तरीका बदला है। अब यह पूरी तरफ मैच्योर और लाइन पर आ गया हो यह कहना कठिन है। कांग्रेस के जयपुर अधिवेशन में कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने पर उन्होंने जबरदस्त भाषण दिया था, इस संसद में भी एक-दो बार उनका भाषण अच्छा हुआ है, लेकिन बाद के व्यवहार से उनका असर धुल गया। इस बार भी वे अगर हिन्दू समाज या भारतीय समाज में शांति, अहिंसा, निर्भयता जैसे गुण बताने के लिए तस्वीरें दिखाने जैसे काम न करते तो बेहतर प्रभाव होता। यह सब नाटक जैसा लगा। और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव का यह टोकना भी काफी हद तक सही था कि अपने भाषण के काफी व्यक्त राहुल ने अध्यक्ष के आसन की तरफ पीठ भी दिखाई। विपक्ष के नेता को इतना तो आना ही चाहिए किए सारा सम्बोधन अध्यक्ष की तरह हो अपने साथियों की तरफ अलग से ध्यान देना जरूरी नहीं है। कुछ विषयों पर कम या ज्यादा जोर देने की बात भी की जा सकती है। दो दिन पहले आप नीट की चर्चा के लिए अभिभाषण रुकवाना चाहते थे लेकिन सौ मिनट के भाषण में उसकी चर्चा काफी कम थी।

अरविन्द मोहन

राहुल की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि उन्होंने दूसरों के पिच पर खेलने की जगह अपनी पिच पर बैटिंग की। सरकार की तरफ से पहले बोलते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने आपातकाल और संविधान की बात की लेकिन राहुल ने सत्ता पक्ष के लोगों को बार-बार रूल बुक और संविधान दिखाने के लिए बाध्य किया पर उस चर्चा में नहीं गए।

राहुल की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि उन्होंने दूसरों के पिच पर खेलने की जगह अपनी पिच पर बैटिंग की। सरकार की तरफ से पहले बोलते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने आपातकाल और संविधान की बात की लेकिन राहुल ने सत्ता पक्ष के लोगों को बार-बार रूल बुक और संविधान दिखाने के लिए बाध्य किया पर उस चर्चा में नहीं गए। उन्होंने अग्निवीर योजना, नीट परीक्षा में धांधली, किसानों को उचित मूल्य, मणिपुर, अध्यक्ष के भेदभावपूर्ण व्यवहार (जिसमें अपने माइक को बंद किए जाने का मसला भी था), भाजपा और संघ के हिन्दुत्व और सरकार की पूंजीपतियों के प्रति उदारता को निशाना बनाया और इस तरह बात रखी कि प्रधानमंत्री समेत पांच केन्द्रीय मंत्री बीच में दखल देने खड़े हुए। प्रधानमंत्री ने दो बार, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने तीन-तीन बार और शिवराज चौहान, किरण रिजिजु और भूपेन्द्र यादव ने खड़े होकर दखल दी। वे राहुल के तीखे हमलों पर शांत न बैठ पाए। खुद अध्यक्ष ने दो बार लंबी सफाई दी पर बात साफ नहीं हुई। यही राहुल के प्रदर्शन का शीर्ष बिंदु है। शोर तो मचता ही रहा पर सत्ता पक्ष और प्रतिपक्षी बेंचों से उठने वाले शोर में फर्क था।

राहुल ने असली चमत्कार सीधे प्रधानमंत्री को भगवान बनाने वाली मानसिकता पर हमला करने के साथ उनके 'खौफ' को निशाना बनाकर किया। न चाहते हुए भी यहां गांधी के चंपारण आंदोलन की चर्चा लानी पड़ती है जिस पर इस लेखक ने काफी काम किया और सारे अध्ययन का लब्बोलुवाब यह था कि गांधी ने चंपारण के किसानों के अंदर से गोरी चमड़ी का डर भगा दिया। और यह चीज चंपारण तक रहने की जगह देश और दुनिया में सभी जगह पहुंची और अंग्रेजी साम्राज्य को विदा होने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। राजनाथ सिंह द्वारा बाहर मुस्कुराकर नमस्कार करना पर सदन में प्रधानमंत्री की मौजूदगी के चलते नजर छुपाना और नितिन गडकरी द्वारा भी मोदी जी से खौफ खाने की बात की तो सबको लगा कि तीर निशाने पर है। पार्टी का अनुशासन एक चीज है, साझा जवाबदेही भी एक चीज है लेकिन भाजपा में मोदी युग में जो चल रहा है उसे इन दो बातों की जगह खौफ से ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। और जब भाजपा और उसके शीर्ष के लोगों में इतना खौफ बनाया जाए तो फिर शासन व्यवस्था, राजनीति, मीडिया और समाज में खौफ की बात करना/समझाना आसान हो जाता है। राहुल ने इससे भी ज्यादा मजेदार प्रसंग लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री को झुककर प्रणाम करने का उठाया और कहा कि आप सदन के सर्वेसर्वा हैं, आपको किसी के आगे नहीं झुकना चाहिए। अध्यक्ष भी तत्पर थे और उन्होंने इसे तत्काल अपने संस्कार से जुड़ा बताकर अपनी जान छुड़ाई। राहुल का कथन सही है, उसे संस्कार की आड़ में नहीं छुपाया जा सकता। संयोग से राज्यसभा के अध्यक्ष का व्यवहार और ज्यादा पक्षपातपूर्ण दिखा।

अब शासक जमात और उसका बाहरी तंत्र अपने-अपने काम करता ही है और करेगा। कई सारे भक्त हमारे फेसबुक एकाउंट में भी निकल आए जबकि मैं बहुत सावधान होकर दोस्त बनाता हूं। कुछ टिप्पणियां मर्यादा की सीमा से नीचे की भी आईं। इस लेखक के लिए भी यह कोई नया अनुभव नहीं है पर राहुल गांधी के लिए ऐसे हमले झेलना बहुत पुराना है। कई बार वे सचेत ढंग से भारी मेहनत करके भी असफल हुए हैं तो कई बार अपनी छोटी गलतियों से अपने किए धरे पर खुद पानी फेरा है। उनकी पार्टी में तो उनको पलीता लगाने वालों की फौज ही रही है जो कभी साथ होती है कभी भाजपा में चल देती है। भारत यात्रा और इस बार के चुनाव ने उनको ताकत दी है और संभवत: मैच्यूरिटी भी। यह भाषण उसका ही प्रमाण है। लेकिन अभी दूसरों से ज्यादा उनको खुद अपनी परीक्षा में, विपक्ष के नेता की जिम्मेवारी वाली परीक्षा में और अपने दल को खड़ा करने की परीक्षा में खरा साबित करना होगा।

स्पीकर चुनाव: मत विभाजन न कराकर क्या विपक्ष ने एक बड़ा अवसर खोया?

■ आलोक बाजपेयी

लोकसभा चुनाव के मिश्रित नतीजों के बाद से राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए सबसे ज़्यादा जिज्ञासा का विषय यह था कि अठारहवीं लोकसभा की स्पीकर की कुर्सी पर कौन बैठेगा? पहले यह कयास लगे कि एनडीए के बहुमत के लिए ज़रूरी घटक दल ख़ासकर टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू इस पद को अपने पास रखने की शर्त रखेंगे। नीतीश कुमार और नायडू दोनों अपने दलों को संभावित टूट से बचाने के लिए यह पद भाजपा को सौंपने का खतरा नहीं मोल लेंगे। लेकिन मोदी 3.0 ने मंत्रिमंडल गठन में भी सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय भाजपा के पास रखकर और स्पीकर का पद भी भाजपा के लिए रखकर घटक दलों की आशाओं पर पानी फेर दिया। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में दूसरा पेंच तब आया जब संसदीय परंपरा की दुहाई देकर स्पीकर के चुनाव में समर्थन देकर अपने लिए डिप्टी स्पीकर की मांग कर रहे इंडिया ब्लॉक को मध्यस्थता कर रहे राजनाथ सिंह ने कोई आश्वासन नहीं दिया और इंडिया ब्लॉक ने नाराज़ होकर स्पीकर चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर दी और लगभग 46 साल बाद देश में लोकसभा अध्यक्ष हेतु चुनाव देखा।

यूं देखा जाए तो स्पीकर से पहले प्रोटेम स्पीकर के चुनाव से ही इंडिया ब्लॉक और एनडीए के बीच तनातनी शुरू हो गई थी। इस पद पर सबसे वरिष्ठ सांसद को आसीन कर उन्हें सम्मान देने की परंपरा रही है। लेकिन इन दिनों चौतरफा आक्रमण झेल रहे मोदी-शाह की जोड़ी ने सिर्फ अपने आप को पहले की तरह मजबूत और सभी दबावों से ऊपर दिखाने के लिए प्रोटेम स्पीकर के पद पर भी सबसे वरिष्ठ आठ बार के सांसद कांग्रेस के के. सुरेश की बजाए भाजपा के भर्तृहरि महताब को आसीन किया। एक तरह से टकराव की शुरुआत होने भाजपा की ओर से होने के बाद विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष पद हेतु अपना स्टैंड रखने की सोची और पुरानी परंपरा के अनुसार डिप्टी स्पीकर का पद अपने लिए मांग लिया। यहां ध्यान रहे कि पिछली अर्थात सत्रहवीं लोकसभा में बहुमत के मद में भाजपा सुप्रीमो ने डिप्टी स्पीकर पद खाली ही रखा था और स्पीकर श्री ओम बिड़ला ने पूरी तरह मोदी-शाह के हितों के लिए ही काम करते हुए संसदीय मर्यादा के कई प्रतिमान ध्वस्त किए थे। वास्तव में बड़ी संख्या में सांसदों के निलंबन, निष्कासन और विपक्ष को बाहर कर लगभग बिना बहस के बिलों को पास कराने के आरोप उन पर लगे। यदि लोकसभा अध्यक्षों के इतिहास पर नज़र डाली जाए तो ओम बिड़ला का पहला कार्यकाल बहुत नीचे की पायदान पर आएगा। ज़ाहिर है, ऐसे में न तो विपक्ष और न ही एनडीए के घटक दल चाहते थे कि श्री बिड़ला की स्पीकर पद पर वापसी हो। शिवसेना सांसद श्री संजय राउत ने तो यहां तक कहा कि श्री ओम बिड़ला ने एक साथ सौ से अधिक सांसदों को निलंबित कर दिया था और ऐसा लोकतंत्र विरोधी कदम तो इमरजेंसी में भी नहीं उठाया गया था। लेकिन, अठाहरवीं लोकसभा के संख्या बल की चुनौतियों को समझ रहे नरेन्द्र मोदी ने अपने जाने-परखे व्यक्ति पर ही भरोसा जताया। इसका नतीजा यह निकला कि संसद के इतिहास में यह पहली बार हुआ जब चुने गए लोकसभा अध्यक्ष के स्वागत भाषण में सांसदों ने ख़ूब उलाहने और भविष्य में संतुलन बनाकर काम करने की ताक़ीद ज़्यादा दी गई।

दीपेंद्र हुड्डा के साथ कठोर व्यवहार से विपक्ष की आंखें खुल गई हैं। विपक्ष के नेता खुलकर अघोषित इमरजेंसी और श्री बिड़ला के एकतरफा व्यवहार का मुद्दा उठा रहे हैं। श्री हुड्डा के कथित अपमान के राजनीतिक दोहन की भी तैयारियां हैं। विपक्ष की रणनीति यह दिखती है कि सदन के भीतर बिड़ला जी विपक्षी सांसदों को भड़काकर उनके खिलाफ़ कार्यवाही का मौका ढूंढ रहे हैं तो उनका विरोध उन नेताओं से कराया जाए तो सदन में हैं ही नहीं। इसी रणनीति के तहत प्रवक्ताओं ने श्री बिड़ला और मोदी सरकार पर खुलकर हमला बोला है।

लेकिन उन सारे उलाहनों से इस सच्चाई पर कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि तमाम विरोधों के बाद भी मोदी-शाह अपनी पसंद का स्पीकर चुनने में क़ामयाब रहे। इंडिया ब्लॉक के हिस्से स्पीकर चुनाव में सिर्फ़ यह आया कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में श्री राहुल गांधी प्रधानमंत्री के साथ उन्हें आसंदी तक छोड़ने गए और उनसे हाथ मिलाया। जबकि जिस ढंग से विपक्ष ने स्पीकर चुनाव को निर्विरोध ना होने देने के लिए टाल ठोंकी थी या कहें कि उन्हें ताल ठोंकने के लिए मजबूर किया गया था, उसे देखते हुए लग नहीं रहा था कि सब कुछ इतनी आसानी से हो जाएगा। कांग्रेस के उम्मीदवार श्री के. सुरेश के दलित होने से उन्हें कुछ अतिरिक्त लाभ की उम्मीद थी। जब सारा देश क़यास लगा रहा था कि के. सुरेश कितनी कड़ी टक्कर दे पाएँगे या क्या उन्हें नीतीश-नायडू का साथ भी मिल सकेगा, तभी दो दिक्कतें इंडिया ब्लॉक के सामने आईं। पहली तकनीकी थी। प्रोटेम स्पीकर के चयन में भाजपा की मनमानी का विरोध करने के लिए सात निर्वाचित सांसदों ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ नहीं ली थी। लेकिन जिस वक्त शपथ नहीं ली थी उस समय किसी को स्पीकर पद हेतु चुनाव का अंदाज़ा नहीं था। बिना शपथ के ये सांसद चुनाव में भाग लेने के पात्र नहीं थे और इस तरह विपक्ष का संख्या बल थोड़ा कम हो गया।

स्पीकर चुनाव के लिए इंडिया ब्लॉक की मुहिम को अच्छा समर्थन मिला था और कुछ राजनीतिक विश्लेषक तो गुप्त मतदान होने की सूरत में अप्रत्याशित नतीज़ों की संभावना भी देखने लगे थे। चुनाव हार जाने की सूरत में भी सरकार को स्पष्ट विरोध का संदेश तो मिलना ही था। लेकिन संभवत: तभी श्री राहुल गांधी के सलाहकार सक्रिय हुए और उन्हें शुरुआत सकारात्मक समन्वय और सामंजस्य की राजनीति से करने इत्यादि के पक्ष में मनाया जाने लगा। श्री राहुल गांधी एक बार फिर अपने प्रतिद्वंदियों की फितरत समझे बिना अपने सलाहकारों की बातों में आ गए और बिना मत विभाजन के मांग के सिर्फ ध्वनि मत से स्पीकर के चुनाव के लिए तैयार हो गए। हुआ भी ऐसा ही और देश में सबसे ज़्यादा विपक्ष विरोधी लोकसभा अध्यक्ष कहे जाने वाले श्री ओम बिड़ला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने का गौरव पा गए।

इतने जोर शोर से ऐलान के बाद कांग्रेस बिना वोटिंग के स्पीकर का चुनाव हो जाने देगी, इस बात पर सहज यक़ीन करना मुश्किल था। ध्वनि मत से श्री बिड़ला के चुने जाने की घोषणा के बाद मत विभाजन की मांग की आवाज़ भी सुनाई दी। मज़े की बात यह है कि सबसे पहले किसी विपक्षी सांसद नहीं बल्कि एनडीए के घटक दल जेडीयू के सांसद लल्लन सिंह ने पूछा कि क्या वोटिंग नहीं होगी? यह भी इस बात का संकेत करता है कि यदि गुप्त मतदान होता तो श्री बिड़ला के व्यवहार को पसंद न करने वाले कुछ सांसद क्रॉस वोटिंग कर सकते थे। वहां टीएमसी के सांसद अभिषेक बैनर्जी ने तो प्रोटेम स्पीकर पर आरोप ही लगा दिया कि उन्होंने मांग करने पर भी मत विभाजन नहीं होने दिया। इस पर कांग्रेस के जयराम रमेश ने स्पष्ट कहा कि सकारात्मक राजनीति से शुरुआत करने के लिए कांग्रेस ने मत विभाजन की मांग की ही नहीं थी। इंडिया ब्लॉक के दो महत्वपूर्ण नेताओं का इस तरह अलग-अलग बयान देना कहीं न कहीं रणनीति और आपसी संवाद की कमज़ोरी की ओर इशारा करता है। ज़ाहिर है नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपनी भूमिका बेहतर ढंग से निभाने के लिये राहुल गांधी को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचना होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के भाषण में जिस सकारात्मक, समन्वय वाली और समावेशी राजनीति की बात से प्रभावित होकर और अपने सलाहकारों की बातों में आकर राहुल गांधी ने मत विभाजन का अवसर गंवाया, उसकी असलियत कुछ ही घंटों में सामने आ गई। कोई पचास साल पहले लगाई गई इमरजेंसी के खिलाफ़ निंदा प्रस्ताव स्वयं नव निर्वाचित स्पीकर लेकर आए। सदन के भीतर और बाहर इमरजेंसी को लेकर सत्ता पक्ष विपक्षी दल की तरह तेवरों के साथ प्रदर्शन करता रहा। डिप्टी स्पीकर पद को लेकर भी कोई स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं है।

जिस तरह से भाजपा आलाकमान का पूरी तरह अनुसरण करने वाले स्पीकर महोदय पहले ही दिन से इमरजेंसी पर निंदा प्रस्ताव लाने के साथ ही स्कूल के हेडमास्टर के अंदाज़ में विपक्षी सांसदों को धमकाया कि स्पीकर खड़े हो जाए तो सदस्यों को बैठ जाना चाहिए और ये बात उन्हें पांच साल में दोबारा न कहनी पड़े, उससे विपक्ष के श्री बिड़ला द्वारा पहले दिये गये घाव हरे हो गए। उन्हें याद आ गया कि श्री बिड़ला के नाम एक सत्र में सर्वाधिक लगभग 146 सांसदों को निलंबित करने का रिकॉर्ड है। बार-बार विपक्षी सांसदों के माइक बंद करने, एक घंटे से भी कम चर्चा में बिल पास कराने और बिना विपक्ष की उपस्थिति के बिल पास कराने जैसी सारी पुरानी बातें याद आ गईं। इतना ही नहीं दूसरे दिन भी पांच बार के सांसद और इस बार लगभग साढ़े तीन लाख मतों की मार्जिन से जीते सर्वथा अच्छे व्यवहार के लिए पहचाने जाने वाले सांसद श्री दीपेंद्र हुड्डा को बुरी तरह फटकार कर श्री बिड़ला ने संकेत दे दिया कि वे विपक्षी सांसदों पर कार्यवाही का कोई मौका चूकेंगे नहीं। ज्ञातव्य है कि पिछले कार्यकाल में भी उन्होंने भाजपा के एक भी सांसद, यहां तक कि संसद भवन में अपशब्द कह देने वाले भाजपा सांसद के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की थी। इसी तरह नई लोकसभा की शपथ के समय संविधान की भावना के विपरीत जय हिंदू राष्ट्र का नारा लगाने वाले भाजपा सांसद पर वे खामोश रहे और श्री शशि थरूर द्वारा जय संविधान का नारा लगाने पर भड़क गए। निश्चय ही पहले दो दिन में जो ट्रेलर दिखा है, उसके कई एपिसोड आने वाले दिनों में दिखेंगे और हर ऐसी घटना के बाद विपक्ष सोचने पर मजबूर होगा कि बिना मत विभाजन चुनाव का निर्णय ग़लत था।

दीपेंद्र हुड्डा के साथ कठोर व्यवहार से विपक्ष की आंखें खुल गई हैं। विपक्ष के नेता खुलकर अघोषित इमरजेंसी और श्री बिड़ला के एकतरफा व्यवहार का मुद्दा उठा रहे हैं। श्री हुड्डा के कथित अपमान के राजनीतिक दोहन की भी तैयारियां हैं। विपक्ष की रणनीति यह दिखती है कि सदन के भीतर बिड़ला जी विपक्षी सांसदों को भड़काकर उनके खिलाफ़ कार्यवाही का मौका ढूंढ रहे हैं तो उनका विरोध उन नेताओं से कराया जाए तो सदन में हैं ही नहीं। इसी रणनीति के तहत प्रवक्ताओं ने श्री बिड़ला और मोदी सरकार पर खुलकर हमला बोला है। ज़ाहिर है अठारहवीं लोकसभा का हनीमून पीरियड शुरू होने के साथ ही समाप्त हो चुका है और आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष के बीच लगातार हर संभव मौके पर तनातनी के आसार हैं। रोचक रहने वाले हैं आने वाले सत्र, इसके पहले की दो लोकसभाओं से ठीक उलट।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक एवं संस्कृतिकर्मी हैं।)

पावन प्रसंग

बच्चों का शिक्षित होना जरूरी

व्यक्तित्व का निर्बल होना व प्रभावहीन होना स्वयं के लिए और समाज के लिए घातक है, क्योंकि निर्बल व्यक्ति न स्वयं कुछ करने में समर्थ है और न समाज में कुछ करने की सामर्थ्य रखता है। निर्बल और प्रभावहीन व्यक्ति सदा कुटिल एवं स्वार्थी लोगों का शिकार बनता है। इस निर्बलता और प्रभावहीनता का कारण अज्ञान है और इस अज्ञान के पीछे अशिक्षा है। मनुष्य अशिक्षा के कारण संसार के क्रियाकलापों से अपरिचित रहता है। ऐसा व्यक्ति न अपने आप को अभिव्यक्त कर पाता है और न दूसरे को समझ सकता है। यह महान पुरुषों के विचारों और अनुभवों का लाभ लेकर न अपना जीवन निर्माण कर सकता है और न दूसरों को उनका लाभ दे सकता है। कहना चाहिए, जीवन का सच्चा आनंद लेना है तो मनुष्य को शिक्षित होना चाहिए।

इस शिक्षा का शुभारंभ बचपन से होता है। तीन-चार वर्ष की आयु में बच्चा जब शिक्षा आरंभ करता है, तब उसमें निजी समझ का अभाव रहता है। इसी कारण वह स्वयं प्रेरित होकर शिक्षा नहीं लेता है। यदि जबरन पढ़ने के लिए उसे बैठाया भी गया तो वह उसमें रुचि नहीं लेता बल्कि वह इसके स्थान पर अपने सहज स्वभाववश खेल खेलना पसंद करता है; क्योंकि पढ़ाई उसके लिए सर्वथा नई बात है। लेकिन धीरे-धीरे अध्यापक और अभिभावक के प्रेरणा से बच्चों में पढ़ाई की ओर आकर्षण होने लगता है। इस काल में दोनों सतर्कतापूर्वक बालक की पढ़ाई पर ध्यान रखते हैं, तब कहीं बालक की पढ़ाई की बात पकड़ पाता है। जैसे ही बालक पढ़ाई के संबंध में रुचि लेना प्रारंभ कर देता है तो घरों में अभिभावक बालक की पढ़ाई की ओर ध्यान देना बंद कर देता है। वे इस ओर असावधान एवं उदासीन हो जाते हैं। इसका प्रभाव बालक की पढ़ाई में पड़ता है। उसकी पढ़ाई की गति मंद हो जाती है। संभव है कि उसका ध्यान इधर-उधर भी भटक सकता है। जिससे वह बालक आगे जाकर पढ़ाई में ही मंद न होकर अन्य उलटे-सीधे मार्ग पर जाकर अपना जीवन बर्बाद कर सकता है। इधर स्कूलों में अध्यापक भी ऐसे बच्चे के प्रति उदासीन हो जाते हैं। यहां भी जब बालक ढील देखता है तो उसे इधर-उधर भटकने के अवसर मिलते हैं और उसकी पढ़ाई के स्तर में तो कमी आती ही है।

यदि बालक ने प्रारंभिक अवस्था में पढ़ाई की चाल पकड़ भी ली है तो अभिभावक और अध्यापक बच्चे का तब तक पीछा नहीं छोड़ें जब तक बालक में स्वयं की समझ न आ जाए। हमेशा बालकों में पढ़ाई के प्रति अभिरुचि बनाए रखने के लिए उन्हें अपना समय देते रहना चाहिए जिससे उनकी पढ़ाई की गति में अवरोध उत्पन्न न होने पाए। जब तक बालक पढ़ाई में रंग न जाए तब अभिभावक घर पर प्रतिदिन घंटा- आधा घंटा उसकी पढ़ाई लिखाई के लिए दिया करें अपने स्कूल में क्या काम किया है तथा कौन सा काम नहीं किया है। उसकी मात्र जानकारी ही न रखे बल्कि संबंधित समस्या का समाधान भी करें। कभी-कभी पढ़े हुए कुछ प्रश्न पूछकर यह मालूम करने का प्रयत्न करें कि बच्चे ने जो पढ़ा है, वह समझा है या नहीं तथा याद है कि नहीं। उसने गृहकार्य को जंचवाया है या नहीं, इसके संबंध में जानकारी लेने के साथ-साथ कापियों में आई गलतियों की ओर भी बालक का ध्यान आकर्षित करते रहना चाहिए। अच्छा हो गलतियों को सुधारने के लिए अभ्यास दे देवें ताकि उन्हें दोहरा न पाए।

इस प्रकार के निरीक्षण को बालक समझ लेता है तो वह सतर्क हो जाता है और विद्यालय के कार्य को भी बराबर करेगा। यही नहीं, वरन पढ़ाई की ओर उसकी अभिरुचि बढ़ती जाएगी।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

बाढ़ से प्रति वर्ष लाखों लोग बेघर, बेसहारा

हर वर्ष जल के भयानक रौद्र रूप देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल देता है। देश के अनेक राज्यों में जैसे दिल्ली ,गुजरात ,महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड आदि में हर वर्ष मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। इसी तरह भूकंप के झटके कई प्रदेशों में जनहानि तथा मालहानि की विराट समस्या पैदा कर देता है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की है। शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फलस्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ता है। देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 1000 लोग प्रतिवर्ष काल कवलित हो जाते हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे।

ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियों, पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फलस्वरुप होने वाला है। जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनियों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी-नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कांक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

संजीव ठाकुर

श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए जबलपुर से पहला जत्था 125 शिवभक्तों का रवाना हुआ

जबलपुर, देशबन्धु। श्री शिव सेवक जबलपुर शाखा के प्रभारी राज कुमार सिंगरहा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार लगातार इस वर्ष भी श्री अमरनाथ जी यात्रा के पहला जत्था मंगलवार सुबह जम्मू तवी मेल से सुबह 6 बजे रवाना हुआ।

प्रतिवर्ष 2004 से श्री शिव सेवक शाखा जबलपुर के द्वारा जबलपुर के शिवभक्तों को श्री अमरनाथ जी यात्रा करवाई जाती है। इस वर्ष 125 शिवभक्तों का पहला जत्था रवाना हुआ है जोकि 4 जुलाई को पहलगाम, कश्मीर पहुंचेगा वहां से 2 दिन की कठिन चढ़ाई करते हुए 6 जुलाई को बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन होंगे।बाबा बर्फानी के लिए संस्कारधानी जबलपुर से माँ नर्मदा का जल और त्रिशूल अर्पित किया जाएगा।

इस वर्ष यात्रा में मुख्य रूप से राज कुमार सिंगरहा, मुकेश सोनी, ब्रजेश शर्मा, शरदचंद पालन, मुरली भाई, पुरषोत्तम भाई, ओमी,सुनील पटेल, आशीष कुमार चौबे, सुमित चौहान,विवेक कुशवाहा सोनू,नरेश उपाध्याय, अतितोष शर्मा, दिलीप गुहा, अनिल, विजय, दिवेन्द्र कुमार, सूरज भान, मनीष जैन सहित 125 शिवभक्त यात्रा के लिए रवाना हुए।

श्री भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा की व्यवस्था हेतु बैठक 3 को

जबलपुर, देशबन्धु। रथ यात्रा समिति के संयोजक एवं सर्व धर्म समन्वयक शरद काबरा ने बताया कि श्री भगवान जगन्नाथ स्वामी जी की 7 जुलाई 2024 को निकलने वाली रथ यात्रा के संबंध में सभी जगन्नाथ मंदिरों एवं रथयात्रा समितियों की बैठक सी एस पी कोतवाली के ऑफ़िस में पुलिस प्रशासन नगर निगम के साथ में शोभा यात्रा की व्यवस्थाओं के संबंध में रखी गई है। जगन्नाथ मंदिरों एवं रथ यात्रा से संबंधित धर्म प्रेमी लोगों से उपस्थित की अपील डॉ सुधीर अग्रवाल शिव शंकर पटेल राजेंद्र सराफ साहू आदि ने की है।

पोलका प्रिंट और ट्रांसपेरेंट रेनकोट की डिमांड, अम्ब्रेला में खिलेगा रेनबो

रेनी सीजनः मार्केट में डिफरेंट ग्रुप के लिए पसंद की जा रही ढेरों वैरायटीज

जबलपुर, देशबन्धु। बारिश की शुरुआत हो चुकी है। दिनचर्या के काम बारिश में नहीं रुकते इसलिए लोगों की खरीदारी अम्ब्रेला, रेनकोट कोट को लेकर शुरू हो चुकी है। मार्केट में भी कई तरह की वैरायटीज ट्रेंडी अम्ब्रेला और रेनकोट के रूप में नजर आ रही है। फैशन के इस दौर में लोग रेनवियर भी स्टाइलिश लुक में चाहते हैं, इसलिए लोगों की डिमांड को देखते हुए स्टाइल अकॉर्डिंग रेनवियर की वैरायटी मार्केट में मिल रही है। यह लोगों को सेफ्टी के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखा रही है। ऑफिस वर्कर्स, कॉलेज गोइंग और स्कूल स्टूडेंट्स में डिफरेंट रेनकोट की वैरायटीज खरीदी जा रही है।

पोलका प्रिंट डिजाइन- इस बार रेनकोट में एनिमल प्रिंट की डिमांड अधिक देखने को मिल रही है। सॉलिड कलर के साथ ट्रांसपेरेंट के पैटर्न में एनिमल वाले रेनकोट खरीदी में शामिल हैं। गर्ल्स और किड्स के बीच एनिमल प्रिंट, पोलका प्रिंट्स वाली रेनकोट की खरीदारी अधिक देखी जा रही है। इनकी कीमत 550 रुपए से शुरू है।

मल्टीकलर अम्ब्रेला- आवाजाही के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अम्ब्रेला में टांसपरेंट पैटर्न की डिमांड है। गर्ल्स और लेडीज में यह काफी पसंद किया जा रहा है। अम्ब्रेला में रेनबो, पोलका डॉटस, हाफ-हाफ शेड्स की वैरायटीज सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनी हुई है। विमन में स्कर्ट टॉप, लॉन्ग गाउन रेनकोट पसंद किए जा रहे हैं।

बोथ साइड वियरिंग रेनकोट- ऑफिस और फील्ड वर्क से जुड़े लोगों को पीवीसी रेनकोट पसंद आ रही है। मजबूत होने के साथ बारिश में लम्बे समय तक रहने से भी बचाती है। इसमें बोथ साइड पैटर्न भी पसंद किया जा रहा है। मार्केट में यह 650 रुपए की कीमत से शुरू हैं। पीवीसी मैटेरियल की क्वालिटी में बनी होने के कारण यह डबल पीस के साथ लॉन्ग कोट, स्कर्ट डिजाइन में पसंद किए जा रहे हैं।

पॉकेट साइज रेनकोट- इन दिनों शहर में पॉकेट रेनकोट का ट्रेंड नजर आ रहा है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन मार्केट में यह रेनकोट लोगों द्वारा पसंद किए जा रहे हैं। इस रेनकोट पर आसानी से पर्स में रखा जा सकता है और तेज बारिश से बचने के लिए उपयोग में किया जाता है। इसकी क्वॉलिटी वन टाइम यूज की होती है। हमेशा रेनकोट साथ में कैरी ना करने वाले लोग इसे पसंद कर रहे हैं।

उर्स का आगाज संदल जुलूस आज

जबलपुर, देशबन्धु। उपरैन गंज स्तिथ हजरत चांद शाह वली रहमतुल्ला अलैह के दो दिवसीय उर्स शरीफ का आगाज मंगलवार सांय बाद नमाज मगरिब क़ुरान ख्वानी के साथ हुआ। जिसके बाद मजार शरीफ पर गुल पोशी की गई तथा नजरों न्याज़ के उपरांत लंगर तक़सीम किया गया। इस दौरान अब्दुल वाजिद खान, मोहम्मद ताहिर खान, मो. रिज़वान खान, आशीष उसरेठे सहित सैकड़ो अकीदतमंद मौजूद रहे। आज बुधवार को दोपहर 3 बजे मौलाना की गली स्तिथ मरहूम वली मोहम्मद खान के निवास से संदल जुलूस निकाला जाएगा। जो प्रमुख मार्गो से गस्त करते हुए मजार शरीफ पहुंचेगा जहाँ परंपरानुसार मजार शरीफ चादर व गुल पोशी की जाएगी। नजरों न्याज़ पेश करने के बाद लंगर तक़सीम किया जाएगा। रात्रि में राजनितिक, प्रशासनिक , समाजसेवी लोगों का सम्मान किया जाएगा। जिसके बाद 10 बजे महफिले मिलाद शरीफ का एहतेमाम किया गया है।

जबलपुर, देशबन्धु। बीएसएनएल कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के दौरान प्रदर्शन किया। इस दौरान बीएसएनएल नेटवर्क को मजबूत बनाने, उपभोक्ताओं की शिकायतों को तुरंत दूर करने एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान रखा जाना चाहिये। इस मौके पर लखन पटैल, शिवकुमार यादव, राघवेंद्र अरजरिया आदि कर्मचारी शामिल रहे।

डॉक्टर्स और सीए को किया सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। लायंस इंटरनेशनल जबलपुर के नए सत्र की शुरुआत सम्मान समारोह से हुई। सामाजिक सरोकार के क्रम में संस्था सदस्यों द्वारा 25 पौधों का रोपण किया गया। इसी क्रम में डॉ. अरुण जैन, डॉ. नवीन कोठारी, डॉ. रीना कोठारी, डॉ. सुशील त्रिपाठी, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. शुभाली शर्मा, डॉ. सिद्धार्थ बरडिया, डॉ. मृगेशा बरडिया, सीए प्रिया शाह, सीए पूर्वा अग्रवाल को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जल और पर्यावरण पर संगोष्ठी हुई। इस मौके पर उमेश जैन, प्रबोध तिवारी, दीपक पोपट, हरिभाई पटेल, क्लब अध्यक्ष अंकिता जैन, सचिव भूमिका पटेल, कोषाध्यक्ष मीता पोपट, मनीषा सोनी, श्वेता तिवारी, हर्निश शाह, मंजुला शाह, हेतल शाह मौजूद रहीं।

द बडिंग डिजाइनर शो में दिखाई दिया डिजाइनर्स का यूनिक व शानदार कलेक्शन

डिजाइनर्स को मिला प्लेटफॉर्म, मॉडल्स ने बिखेरा जलवा

जबलपुर, देशबन्धु। फैशन डिजाइनर्स के डिजाइन किए हुए डिफरेंट और यूनिक कलेक्शन को मॉडल्स ने खूबसूरती से रिप्रजेंट किया। मौका था सिया इवेंट द्वारा द बडिंग डिजाइनर शो सीजन 3 का। होटल डिलाइट में हुए शो में इंडोवेस्टर्न से लेकर वेस्टर्न, इंडियन डिजाइन्स ने दिल जीता। सिया इवेंट की डायरेक्टर व इंटरनेशनल बेली डांस आर्टिस्ट पल्लवी दत्ता ने कहा कि इस शो का मकसद डिजाइनर्स की क्रिएटिविटी को सामने लाना है। साथ ही यह दर्शाना है कि परिधानों की सुंदरता में हमारी संस्कृति की सुंदरता भी समाहित है, ये हर वर्ग को जोड़ने का काम करते हैं। शो के दौरान करीब 10 डिजाइनर्स के कलेक्शन को 50 मॉडर्ल्स ने रिप्रजेंट किया। इस मौके पर फैशन जगत के जाने माने डिजाइनर्स और सेलिब्रिटी मौजूद रहे। शो में बेली डांस की शानदार परफॉर्मेंस भी इंटरनेशनल आर्टिस्ट पल्लवी ने दी, जिसने इवेंट में चार चांद लगा दिए।

टैलेंट को मिली पहचान- शो में बतौर डिजाइनर शामिल हुए पार्टिसिपेंट्स का उत्साह भी देखने लायक रहा। जब उनके डिजाइन किए हुए क्लॉथस पहनकर मॉडल रैम्प पर उतरे तो उनके चेहरे की खुशी देखते ही बनी। शो में 50 से अधिक मॉडल्स व 50 से अधिक मेकअप आर्टिस्ट की विशेष सहभागिता रही। इस दौरान डिज़ाइनर नीता पांडे, डिज़ाइनर पिंकी पैगवार, डिज़ाइनर दीपिका वर्मा, डिज़ाइनर शशि सुरेश सराफ, डिज़ाइनर मधु बचवानी, डिज़ाइनर प्रणिता मांडे, डिज़ाइनर अमन सराफ ने एक से बढ़कर एक कलेक्शन पेश किए।

दैनिक राशिफल

बुधवार 03 जुलाई 2024 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। अषाढ़ कृष्ण पक्ष की द्वादशी नक्षत्र- रोहिणी।

मेष

कम समय में अधिक लाभ पाने के विचार में आप फंस सकते हैं। कोर्ट-कचहरी के विषय में न पड़ने की सलाह आपको दी जाती है।

वृषभ

आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोपहर के बाद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

आज का दिन लाभदायी है। नौकरीमें अधिकारी आपके काम से खुश रह सकते हैं। व्यापार में भी आय बढ़ने की आशा है।

`क-123-358

कर्क

अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में विघ्न आ सकता है।

सिंह

आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतने की सलाह आपको दी जाती है। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर चलना होगा। सरकार या नियम विरोधी कामों से दूर रहें।

कन्या

आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

तुला

झआज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रोजाना की आय बढ़ाने के आपके प्रयास सार्थक हो सकते हैं।

वृश्चिक

साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। आप कोई कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं।

धनु

आज आप हर मामलों में सावधान रहें। माता के स्वास्थ्य में हो रहा परिवर्तन आपके विचारों को नेगेटिव कर सकता है। इससे आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। शुरुआत में धन और कीर्ति की हानि होगी।

मकर

जीवनसाथी से आपका व्यवहार अधिक मधुरतापूर्ण होगा। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बना पाएंगे।

कुंभ

अपने खर्च पर आपको संयम रखना होगा। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण किसी से वाद-विवाद होने से बचाएगा।

मीन

आज का आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप उत्साही बने रहेंगे। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अच्छा है। परिजनों के साथ समय आनंदपर्वक गजरेगा।

म. 680-479

3,8,4,9,32,84,42,92,29,88,44,09

जवाहरलाल दर्डा का जीवन राष्ट्र और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहाः कुलपति

जबलपुर, देशबन्धु। स्वतंत्रता आंदोलन में समर्पित रहकर जिन्होंने महात्मा गांधी के साथ अनेक आंदोलन किये ऐसे वरिष्ठ समाजसेवी जवाहर लाल दर्डा का जीवन मनसा, वाचा कर्मणा से राष्ट्र एवं मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। कल्चरल स्ट्रीट आडिटोरियम में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि रा दु वि वि के कुलगुरु डॉ. राजेश कुमार वर्मा, सारस्वत अतिथि जे एन के वि वि के कुलगुरु डॉ .प्रमोद कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि आदित्य प्रताप सिंह पुलिस अधीक्षक, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, ननिज अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव,वरिष्ठ पत्रकार एस. एस. खरे,साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्रा ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर श्रीमती मेघा पांडे एवं मानसी विश्वकर्मा के निर्देशन में भक्तिप्रधान सामूहिक नृत्य एवं श्रीमती मीना भट्ट और मृदुला दीवान की कृतियों का विमोचन व विविध क्षेत्रों के मनीषियों को सम्मानित किया गया।

इनका हुआ सम्मान- समारोह में डा.अरुण शुक्ला, डा.अपर्णा पांडे,सुनील साहू, पवन पांडे, रामकृष्ण परमहंस, आशीष विश्वकर्मा, रमाकांत ताम्रकार, आभा जैन एवं गुंजन कला सदन, समरसता सेवा संगठन, वर्तिका संस्था, रेनबो विंग व मोक्ष संस्था को उनकी बहुआयामी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। संचालन राजेश पाठक प्रवीण एवं आभार संजय परोहा कामना कोस्तुभ ने व्यक्त किया।

सतीश नामदेव पंचतत्वों में विलीन

जबलपुर, देशबन्धु। एडवोकेट एवं कांग्रेस नेता सतीश नामदेव का विगत दिवस निधन हो गया था जिनका अंतिम संस्कार 2 जुलाई को रानीताल मुक्तिधाम में किया गया वे अभिवक्ता योगेश नामदेव, शैलेश नामदेव के पिता एवं नगर कांग्रेस कमेटी महामंत्री मनोज नामदेव के बड़े भाई थे अंतिम संस्कार में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने शामिल होकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। **देशबन्धु** परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि।

सीजीएचएस लाभार्थियों के रेफर लेटर को लेकर चर्चा

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के अध्यक्ष टीके रायघटक एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों की सीजीएचएस अतिरिक्त निदेशक डॉ हिमांशु से चर्चा हुई, जिसमें निदेशक महोदय ने बताया कि रेफर लेटर के संबंध में अभी तक कोई लिखित सरकारी आदेश नहीं आया है, जब तक कोई लिखित आदेश नहीं आ जाता है, तब तक रेफर के संबंध में हम कोई ठोस/पुख्ता जानकारी सीजीएचएस लाभार्थियों को देने में असमर्थ हैं लेकिन संगठन को आशा है कि निकट भविष्य में अतिशीघ्र रेफर लेटर संबंधी आदेश आने पर इसकी जानकारी अतिरिक्त निदेशक को प्राप्त होगी, जिससे लाभार्थियों को शीघ्र-अतिशीघ्र इसका लाभ प्राप्त होने लगेगा। संगठन के पदाधिकारी महामंत्री डी.के. सिंह, हरजीवन विश्वकर्मा, एच.एल. जागड़े, दिनेश चौरे, आर.बी.शाह, आर.आर.दुबे, विनायक राव सोरते, एस.के. श्रीवास्तव, नंदलाल कोष्टा, अब्दुल रहमान, अर्जुन कुमार, दिलीप कुमार कुण्डे, नरसिंहदास सोनकर, लखनलाल प्रजापति, एन.पी. सिंह, राजेन्द्र विश्वकर्मा, घनश्याम सोनकर, रमाकांत कटियार, नामदेव, हरिसिंह, नंदकिशोर सोनकर, शंकर लाल विनोदिया, नारायण दाहिया, सुभाष सोनी, कुंदन सिंह नेगी, प्रीतम यादव, ब्रिन्दा प्रसाद बड़गैया, एमएल अग्रवाल, नरेश कुमार नेमा, कामता प्रसाद, अजय सिंह ठाकुर, चन्द्रशेखर शर्मा, रामगोविंद पांडे, राजेन्द्र रजक, विनोद बेन, श्याम सुंदर स्वामी ने अपील की है कि रेफर लेटर का आदेश आने पर इसकी सूचना आप तक पहुंचा दी जायेगी।

व्यायाम शिक्षक की सेवानिवृत्ति पर बधाई

जबलपुर, देशबन्धु। व्यायाम शिक्षक की सेवानिवृत्ति पर संगठन ने दी बधाई व्यायाम शिक्षक ओमप्रकाश झारिया हुए सेवानिवृत्त मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की शासकीय उ मा विद्यालय पड़रिया कुण्डम में कार्यरत व्यायाम शिक्षक ओमप्रकाश झारिया ने अपनी 31 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त हो गए द्य उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के पधाधिकारियों ने पहुँच कर ओमप्रकाश झारिया को पुष्प माला पहनाकर और शाल श्रीफल देकर उन्हें बधाई दी साथ ही उनके उज्वल भविष्य की कामना की द्य इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, ज़ियाउर्रहीम, राकेश श्रीवास,हेमंत ठाकरे, दिनेश गोंड, राजकुमार यादव, रऊफ खान, राजेश सहारिया,धनराज पिल्ले ,फिलिप एंथोनी, राकेश गुप्ता, एनोस विक्टर, देवेंद्र भट, संतोष मिश्रा, दीपेश जैन, गोपीशाह, वसीमुद्दीन, सुरेन्द्र चौधरी,संतोष चौरसिया, सुधीर अवधिया आदि उपस्थित होकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री विनोद विश्वकर्मा- जहांगीराबाद राइट टाउन निवासी श्री विनोद विश्वकर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दयावंती आहूजा- नर्मदा हिल्स अवधपुरी कॉलोनी ग्वारीघाट निवासी श्री रघुवीर आहूजा की धर्मपत्नी श्रीमती दयावंती आहूजा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

कु. रंजना कोरी- मदनमहल गुलजार के पीछे निवासी श्री अनिल कोरी की पुत्री कु. रंजना कोरी (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ज्वाला प्रसाद बर्मन- करियापाथर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री ज्वाला प्रसाद बर्मन (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव- रेलवे कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास निवासी श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अरविंद पटेल- गोरखपुर शारदा टाकीज के सामने निवासी श्री मुन्ना लाल पटेल के पुत्र श्री अरविंद पटेल (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती प्रभा साहू- कृष्णा कॉलोनी त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री कृष्ण कुमार साहू की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा साहू (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती किरन वर्मा- आचार्य विनोबा भावे वार्ड कांचघर निवासी श्री राजू वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती किरन वर्मा (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रूद्राक्ष सराफ- यादव कॉलोनी कमला नेहरू नगर निवासी श्री सुरेश कुमार सराफ के पुत्र श्री रूद्राक्ष सराफ (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नानक खत्री- गली नं. 18, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री नानक खत्री (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचला

बरेला आनंद ढाबा के समीप हादसा

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाना क्षेत्रांतर्गत आनंद ढाबा के समीप बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

पुलिस के अनुसार गुडगवा पनागर निवासी रवि बर्मन उम्र 24 वर्ष स्कूटी से अपने मामा के घर पिपरिया जाने के लिए निकला। रवि जब आनंद ढाबा के सामने से गुजर रहा था। उसी दौरान ट्रक क्रमांक आरजे- जीबी-4880 के चालक ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे रवि उछलकर सड़क पर गिर गया और ट्रक की चपेट में आ गया। जिससे रवि के शरीर पर गंभीर चोटें आई। राह चलते लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना देकर एम्बुलेंस से

मेडिकल अस्पताल पहुंचाया। जहां युवक रवि की हालत को देखते हुए भर्ती कर लिया गया। लेकिन रवि की देर रात दो बजे के लगभग उपचार के दौरान मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद ट्रक चालक की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है।

किशोरी की हत्या करने वाला गया जेल

जबलपुर,देशबन्धु। ओमती चौक के पुलिस सहायता केंद्र के ठीक सामने किशोरी की चाकू से गोदकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गोहलपुर थाना प्रभारी राजपाल सिंह बघेल ने बताया कि नया मोहल्ला रिपटा निवासी फिरोज कुरैशी की बेटी तमन्ना कुरैशी (17) सोमवार को कहीं गई थी। शाम के समय वह कार से लौटी। कार चालक ने ओमती चौक पर कार रोकी तो तमन्ना ने दरवाजा खोला। वह कार से उतर पाती, इसके पूर्व वहां पहले से घात लगाए बैठे मछरहाई निवासी गुरफान 19 वर्षीय ने उस पर चाकू से हमला कर दिया था आरोपित गुरफान ने युवती के गले के साथ कई अन्य हिस्सों पर चाकू से वार किया। हमले के साथ ही तमन्ना के गले से खून की धार निकल पड़ी। कोई कुछ समझ पाता, इसके पूर्व गुरफान वहां से भाग निकला था। खून से लथपथ तमन्ना को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत नाजुक होने पर उसे मेडिकल रेफर कर दिया गया। स्वजन उसे यहां लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था।

आम से भरा ट्रक हाइवे में पलटा

गांधीग्राम,देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 हाईवे फोरलेन सड़क मार्ग जबलपुर सिहोरा सड़क मार्ग पर ग्राम मोहतरा के पास सुबह करीब 8 बजे आम लोड किए हुऐ ट्रक क्रमांक क्ष 78 स्न्न्न 4404 पीछे आ रहे अन्य वाहन को साईड देने के लिए ट्रक के हाइवे की पटरी पर पहिये पड़ते ही अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक ड्राईवर कामता प्रसाद ने बताया कि वह कानपुर से आम लोड कर जबलपुर जा रहा था, पटरी पर बरसात फिसलन वाली मिट्टी होने के वजह से ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक पलटते ही आम भरे अनेक कैरिटों से आम सड़क पर बिखर गए जिन्हें बाद में समेटकर एकत्रित किया गया। गनीमत रही कि ड्राईवर, क्लीनर को किसी प्रकार की चोट नहीं पहुंची।

मुख्य आरोपियों को बचा रही पुलिस फरियादियों को धमकाने का आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। गाडियों की हेराफेरी करते हुए शासन को करोड़ो रुपये की चपत लगाने अरूण मसीह जेल भेजा जा चुका है लेकिन इस प्रकरण में मुख्य आरोपियों को पुलिस द्वारा बचाने का आरोप लगाते हुए कुछ लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने शिकायत में बताया कि इस मामले में ओमती पुलिस को सामूहिक आवेदन दिए गए थे जिसमें आरोपियों ने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी लेकिन पुलिस ने मुख्य आरोपियों के नाम काटकर आरोपियों को बचाने का काम किया और सामूहिक आवेदन को एक आवेदन बनाते हुए प्रकरण दर्ज किया। विवेचना में लापरवाही बरती गई है। फरियादियों को पुलिस द्वारा उलझाकर रखा गया है। साथ ही फरियादियों को पुलिस द्वारा धमकाया जा रहा है। दोषी पुलिस कर्मियों पर भी कार्रवाई की मांग गई है। शिकायत में यह भी बताया गया कि बस सर्विस का ऑपरेटर लालू जैन,आशीष जैन मुख्य आरोपी है। जिन्हें पुलिस ने बचा लिया है। इसके अलावा अरुण मसीह का बेटी चार गाड़ियां लेकर फरार है जिसकी भी अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। अति. पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना का कहना है कि मामले में पहले से एफआईआर दर्ज है और शिकायतें आई है मामलों की जांच चल रही है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई होगी।

महिला के मंगलसूत्र पर किया हाथ साफ

जबलपुर,देशबन्धु। चरगवां थाना अंतर्गत छपरा रोड स्थित एक घर में घुसे अज्ञात चोरों ने कीमती मोबाइल के साथ ही सो रही महिला के गले से उसका मंगलसूत्र पार कर दिया। पुलिस ने बताया कि सरमन ठाकुर विगत रात्रि अपने परिवार के साथ सो गया था। सुबह जब उठा तो देखा कि घर के सामने का दरवाजा टूटा हुआ था। घर से उसका रियलमी कंपनी का मोबाईल व पत्नी का मंगलसूत्र गायब था। शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

होटल कर्मी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ओमती क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। वर्धमान होटल के शेफ नवीन सिंह ने गुलमोहर अपार्टमेंट के थर्ड फ्लोर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। मृतक उत्तराखंड राज्य का निवासी था।पुलिस अधिकारियों के अनुसार ग्राम खितौली बेडा जिला पिथोरागढ़ उत्तराखंड निवासी नवीन सिंह उम्र 21 वर्ष जबलपुर में रहकर वर्धमान होटल में शेफ का काम करता रहा। बीती रात काम से फ्री होकर अपने गुलमोहर अपार्टमेंट के थर्ड फ्लोर स्थित फ्लैट में पहुंचा। जहां पर नवीन ने दुपट्टे से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मंगलवार सुबह नवीन अपने फ्लैट से बाहर नहीं आया और आसपास रहने वाले लोगों ने आवाज लगाई, दरवाजा खटखटाया, लेकिन जब कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला तो पुलिस को खबर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोला तो देखा कि नवीन फांसी के फंदे पर झूल रहा है। पुलिस को पूछताछ में नवीन के साथ कार्यरत होटल के कर्मचारियों ने बताया कि वह रुम में अकेला रहता था। उसकी बातों से कभी ऐसा नहीं लगा कि वह आत्महत्या जैसा कदम उठा लेगा। वह रोज की तरह होटल से काम समाप्त करने के बाद अपने कमरे में गया था। पुलिस ने मोबाइल चेक किया तो पाया कि नवीन की किसी लव नामक व्यक्ति से अंतिम बार बात हुई है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि लव कौन है, जिससे नवीन की बात हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाकर परिजनों को सूचना दे दी है।

गौरक्षा घाट में मिला युवक और बुजुर्ग का शव

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र की घटना, मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर,देशबन्धु। भेड़ाघाट थानाक्षेत्र अंतर्गत गौरक्षा घाट में दो शव मिलने की घटना से हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। स्थानियजनों द्वारा पुलिस को मामले की सूचना दी गई, जिसके बाद तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस द्वारा बड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस को सुबह लगभग 11 बजे सूचना मिली की गौरक्षा घाट के पास दो शव दिखाई दे रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से कई घंटों की मदद से शवों को बाहर निकाला। निकाले गए शव में एक युवक एवं एक बुजुर्ग था। पुलिस

अधिकारियों ने बताया कि दो में से एक मृतक की पहचान कर ली गई है। वहीं दूसरे शव की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक की हुई पहचान पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी कि दोनों में से एक शव गढ़ा थानाक्षेत्र अंतर्गक कमला नेहरु नगर निवासी रुद्राक्ष सराफ का है। जांच में पता चला कि 28 वर्षीय रूद्राक्ष बीते 30 जून से घर से घूमने के लिए निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा रुद्राक्ष की गुमशुदगी की शिकायत भी गढ़ा थाने में दर्ज कराई थी। मंगलवार को पुलिस द्वारा सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। रुद्राक्ष कैसे और किन परिस्थितियों में पानी में डूबा पुलिस इसकी जांच कर रही है।

बेकाबू हाईवा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को रौंदा, मौत

जबलपुर,देशबन्धु। विजयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कृषि उपज मंडी गेट के सामने एक तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को कुचल दिया, हादसे में महिला की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हाइवा चालक घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक दमोह नाका त्रिमूर्ति नगर कृष्णा कॉलोनी की रहने वाली प्रभा साहू आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। सोमवार शाम करीब चार बजे वे अपनी स्कूटी गाड़ी से जा रही थी जैसे ही वे मंडी गेट के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे हाईवा ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला हाइवा के नीचे आ गई और उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाते हुये हाइवा चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है।

कृषि उपज मंडी के सामने हुआ दर्दनाक हादसा

शराब के लिये रुपये न देने पर चाकू से हमला

सिविल लाईन के बर्न कंपनी क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। सिविल लाइन थाना अंतर्गत बर्न कंपनी गेट के पास बीती रात दो असामाजिक तत्वों ने एक युवक को रोक-कर शराब पीने रुपयों की मांग करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक के हाथ की गदेली में गंभीर चोट आई है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।पुलिस ने बताया कि घमापुर हॉट बाजार निवासी 27 वर्षीय आशीष विश्वकर्मा बीती रात अपने साथी शंकर कोल के साथ रेलवे स्टेशन से घर लौट रहा था। रात्रि करीब साढ़े बारह बजे जैसे ही वे बर्न कंपनी गेट के पास पहुंचे, उसी समय उन्हें अमित व हेमंत नामक युवक मिले। जिन्होंने आशीष व शंकर को रोक लिया और शराब पीने के लिए रुपयों की मांग करने लगे। आशीष के रुपये देने से इंकार करने पर आरोपियों ने मारपीट करते हुए चाकू से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे बचने के चक्कर में आशीष ने हाथ से चाकू को रोक लिया तो उसकी गदेली से कटकर खून बहने लगा। आशीष के साथी शंकर ने बीच बचाव किया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

न्यायालय पर आरोप लगाने पर भाजपा विधायक लगी 50 हजार की कॉस्ट

जबलपुर,देशबन्धु। न्यायालय पर आरोप लगाने तथा जनप्रतिनिधि अधिनियम के वैधानिक प्रावधानों के बावजूद भी देरी का प्रयास करने को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट जस्टिस जी एस अहलूवालिया की एकलपीठ ने खंडवा से भाजपा विधायक कंचन तनवे पर 50 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि उक्त एक सप्ताह के अंदर हाई कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करें। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि कॉस्ट की निर्धारित रकम जमा नहीं करने के स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही के आदेश पर लगी रोक स्वयं समाप्त हो जायेगी। गौरतलब है कि खंडवा विधानसभा सीट ने पराजित कांग्रेस प्रत्याशी कुंदन मालवीय की तरफ से भाजपा प्रत्याशी कंचन तनवे के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अनावेदक भाजपा विधायक को नोटिस जारी किये थे। नोटिस की तामील 23 अप्रैल 2024 को हो गयी थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका पर 6 मई को सुनवाई करते हुए अनावेदक विधायक को उपस्थित होने अंतिम अवसर प्रदान किया था। अंतिम अवसर प्रदान किये जाने के बावजूद भी महिला विधायक 13 मई 2024 को हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित नहीं हुई। हाईकोर्ट ने एक पक्षीय कार्यवाही के आदेश जारी करते हुए याचिकाकर्ता को केस प्रमाणित करने के निर्देश दिये थे।

भाजपा विधायक ने पारित आदेश को निरस्त करने के लिए हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया था। आवेदन में कहा गया था कि नोटिस उनके कर्मचारी ने लिया था। इसके अलावा हाईकोर्ट की वेबसाइट में नोटिस की पार्वती 8 मई की है। अनावेदक विधायक की तरफ से स्वीकार किया गया कि नोटिस पंजीकृत डाक से प्राप्त हुआ था। उनकी तरफ से तर्क दिया गया कि 13 मई 2024 को खंडवा में लोकसभा चुनाव होने के कारण वह उपस्थित नहीं हो पाई। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि अनावेदक विधायक के अधिकृत व्यक्ति द्वारा 23 अप्रैल को नोटिस प्राप्त किया गया था। इसके बावजूद भी वह न्यायालय पर आरोप लगा रही कि पावती 8 मई की है। अंतिम अवसर दिये जाने के बावजूद भी वह 13 मई को न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुई। जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 86 (6)के चुनाव याचिका पर ष्षी ध्र सुनवाई की जानी चाहिये। वैधानिक प्रावधानों के बावजूद भी देरी का प्रयास किया। एकलपीठ ने उक्त आदेश जारी किये। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अरविंद श्रीवास्तव ने पैरवी की।

सरकार ने डिफेंस की जमीन लीज पर दी उत्खनन के लिए

पन्ना महारानी तथा जेपी सीमेंट प्रालि को मिली जवाब पेश करने मोहलत

जबलपुर,देशबन्धु। पन्ना के महाराज महेन्द्र यादवेन्द्र सिंह द्वारा डिफेंस आर्मी को 5 सौ एकड़ जमीन दी गयी गयी। जिसे डिफेंस के नाम पर अब तक दर्ज नहीं किया गया। सरकार द्वारा उक्त भूमि को माइनिंग के लीज पर दिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस शील नागू ए के पालीवाल की युगलपीठ ने महारानी पन्ना तथा जेके सीमेंट को जवाब पेश करने की मोहलत प्रदान करते हुए याचिका पर अगली सुनवाई

चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। राजस्थान जयपुर निवासी सुनील कुमार सिंह की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि साल 1950 में पन्ना के पूर्व महाराज महेन्द्र यादवेन्द्र सिंह ने अपने स्वामित्व की 500 एकड़ भूमि डिफेंस आर्मी को दान पर दी थी। जिसे डिफेंस के नाम पर दर्ज नहीं किया गया। उक्त भूमि का पुलिस विभाग व अन्य सरकार विभाग उपयोग करते हुए और डिफेंस को किराया देते है। उक्त भूमि को अपने नाम दर्ज कराने डिफेंस की ओर से वर्ष 2014 व 2017 को शासन को पत्र भी लिखे गये, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका में कहा गया था कि उक्त भूमि को प्रदेश सरकार द्वारा जेके सीमेंट प्रालि. बंसल कंस्ट्रक्शन प्रालि. व नेशनल कंस्ट्रक्शन डेव्हलपमेंट को माईनिंग के लिए लीज पर दे रहीं है। जिससे उक्त क्षेत्र के पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, इतना ही नहीं आसपास जंगल के वन्य जीवों को भी खतरा उत्पन्न होगा। याचिका में राहत चाही गई कि सरकार द्वारा उक्त भूमि को कमर्शियल उपयोग के लिये लीज पर देने से रोका जाये। याचिका में रक्षा मंत्रालय के सचिव, मप्र शासन के सचिव, कलेक्टर पन्ना, डिफेंस स्टेट ऑफिसर जबलपुर, जेके सीमेंट प्रालि., बंसल कंस्ट्रक्शन प्रालि., नेशनल मिनरल डेवलपमेंट सहित जितेश्वरी जुदेवी महेन्द्र महारानी को पक्षकार बनाया गया था। याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश पटेल ने ने पक्ष रखा।

नगर निगम आयुक्त 15 जुलाई तक नियमितिकरण संबंधी सभी लाभ दें

पूर्व आदेश का पालन न होने पर दायर हुई अवमानना याचिका

जबलपुर,देशबन्धु। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की एकलपीठ ने पूर्व आदेश का पालन नदारद होने पर दायर अवमानना याचिका को गंभीरता से लिया। इसी के साथ नगर निगम, जबलपुर के आयुक्त को सख्त निर्देश दिया कि वे 15 जुलाई तक हर हाल में याचिकाकर्ता नगर निगम कर्मियों को नियमितीकरण संबंधी सभी लाभ प्रदान कर दें। ऐसा न किए जाने की सूरत में आगामी सुनवाई तिथि 15 जुलाई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हाजिर होकर स्पष्टीकरण देने तैयार रहें।

याचिकाकर्ता नगर निगम, जबलपुर के दिवंगत कर्मचारी पूरन चौधरी की विधवा किरण चौधरी सहित अन्य की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ताओं की अपेक्षा कनिष्ठ नगर निगम कर्मियों को नियमितिकरण का लाभ दे दिया गया था। इस रवैये को याचिका के जरिये चुनौती दी गई थी। जिसके बाद नगर निगम आयुक्त ने हाई कोर्ट में मांग पूरी करने की अंडरटेकिंग दी। इसके बाद 90 दिन की समय-सीमा के भीतर नियमितिकरण की प्रक्रिया पूर्ण कर दी। हालांकि नियमितिकरण संबंधी लाभों से वंचित रखा। लिहाजा, अवमानना याचिका दायर की गई। अवमानना याचिका की पूर्व सुनवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त की ओर से बाकायदे शपथ पत्र के साथ अंडरटेकिंग दी गई थी कि अवमानना याचिका कर्ताओं को नियमितिकरण संबंधी लाभ दे रहे हैं। किंतु हकीकत में ऐसा नहीं था। लिहाजा, दस्तावेजी प्रमाणों के साथ अवमानना याचिकाकर्ताओं की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई। जिसे गंभीरता से लेकर हाई कोर्ट ने सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री से मिला एसबीसी का प्रतिनिधि मंडल

आयुष्मान योजना व एडवोकेट प्रोटेक्शन सहित अन्य मांगों पर दिया बल

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर अधिवक्ताओं की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल में

एसबीसी के चेयरमेन राधेलाल गुप्ता, वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी, भोपाल के विजय चौधरी, को-चेयरमेन राजेश व्यास ने आयुष्मान योजना, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट व अधिवक्ताओं के चेम्बर्स सहित अन्य समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। सीएस श्री यादव ने प्रतिनिधि मंडल को अधिवक्ताओं की समस्याओं का जल्द हल निकालने का आश्वासन दिया।

एसबीसी की कार्यकारी सचिव गीता शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री से एसबीसी प्रतिनिधि मंडल की हुई चर्चा के दौरान मुख्य रूप से अधिवक्तागणों एवं उनके परिवारजनों हेतु आयुष्मान योजना को लागू करना, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लाया जाना प्रमुख थे। इसके अलावा मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के नवीन भवन में अधिवक्तागणों के चेम्बर्स के निर्माण हेतु चर्चा हुई, जिस पर मुख्यमंत्री ने आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

नवीन भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे सीएम-एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के नवीन भवन निर्माण हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन लाल यादव को आमंत्रित गया है। जिस पर उन्होनें 20 जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के नवीन भवन निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित होने पर अपनी सहमति प्रदान की है। इसके अलावा अधिवक्तागणों को हेल्थ इंश्योरेंस एवं पेंशन योजना पर भी गंभीरता से विचार किया गया। जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया गया कि वह अधिवक्तागणों को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगें।

सर्वाइकल कैंसर पर कार्यशाला संपन्न

पंजाबी महासंघ जबलपुर का अनूठा प्रयास

जबलपुर,देशबन्धु। विश्व चिकित्सा दिवस की पूर्व संध्या पर पंजाबी महासंघ जबलपुर एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में सर्वाइकल कैंसर पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री इंद्र मोहन भाटिया जी अध्यक्ष पंजाबी महासंघ जबलपुर ने दीप प्रज्वालित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में डॉ अभिजीत बिश्नोई विशिष्ट अतिथि, डॉ स्वराज नायक मुख्य वक्ता, नीता चावला कार्यक्रम अध्यक्ष एवं नीता नारंग कार्यक्रम प्रभारी के रूप में सम्मिलित हुए। डॉ नायक ने कार्यशाला में विभिन्न चित्रों के माध्यम से महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर को होने से रोकने एवं उसके उपचार एवं बचाव के विषय में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में बोलते हुए डॉक्टर विश्नोई ने कहा कि निश्चित यह कार्यशाला महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होगी ऐसी कार्यशालाएं समाज में निरंतर होती रहनी चाहिए। कार्यक्रम में श्रीमती ज्योति जैन एवं श्रीमती रूपा राव विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जबलपुर की महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ ऋचा शर्मा,नम्रता भाटिया, एकता नैय्यर, रुचि गुलाटी, योगिता विज, निधि तनेजा, अंजलि विग, सन्या सूरी, शिप्रा चड्डा, वंदना आनंद प्रमुख रूप से शामिल हुए। कार्यशाला को सफल बनाने में पंजाबी महासंघ जबलपुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन भाटिया, सह-सचिव कौशल श्री सचिव अरविंद नैय्यर,संजय चड्डा, योगेश साहनी,श्रेय भाटिया, वरुण नैय्यर का विशेष सहयोग रहा।

आग लगने से मकान सहित गृहस्थी जलकर खाक

दर दर ठोकर खाने को मजबूर तुलसा बाई, शासन-प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

कुंडम, देशबन्धु। विधवा महिला तुलसा बाई का मकान जलकर खाक होने से अब वह आसपास के घरों की पट्टियों में बैठकर दिन-रात काटती है। बघराजी समीपसत ग्राम पंचायत पिपरिया के अंतर्गत ग्राम मुरझौर निवासी विधवा तुलसा बाई पटेल का कुछ दिनों पहले मकान जलकर खाक हो गया था। जिससे घर गृहस्थी खाने-पीने का एक भी सामान नहीं बचा। आज तुलसा बाई के पास खाने को राशन का एक दाना भी नहीं है। सोने को कपड़े नहीं है, जब पड़ोस के लोग सो जाते हैं तो उनके घरों की बाहर की देहलन पर बैठकर रात गुजरती है। इसका 100 प्रतिशत मकान पर सारी सामग्री जलकर खाक हो गई है।

यूं तो कहने को ग्राम सरकार जिला सरकार विधायक सांसद प्रदेश और देश की सरकार है। चुनाव जीतने के बाद ऐसे लोगों की मदद करने कोई आगे नहीं आता, जिसका कोई धनी धोरी नहीं है। उसकी सुनने वाला कोई नहीं है। जब आग लगी थी, तब तो लोग ऐसा समूह बना कर दौड़ रहे थे लगता है कितनी मदद कर देंगे, लेकिन किसी ने एक फूटी थोड़ी भी नहीं दी। आज वह खाने को लाचार है। बरसात के मौसम में रात काटना बहुत कठिन ह। इस असहाय लाचार महिला के लिए आज हमारे संवाददाता ने उससे मुलाकात की तो उसने रो-रोकर बताया कि मैं सरपंच-सचिव सबसे भीख मांगी कि मेरी कुछ मदद कर दो, लेकिन किसी ने कोई मदद नहीं की। अब इधर-उधर मांग कर खाना खा लेती हूं और रात को काटना उसका बड़ा कठिन हो रहा है। आज उसने कहा कि मैं ज्यादा नहीं जानती अनपढ़ महिला हूं। मुझे कलेक्टर से मिलवा दो शायद वह मेरी कुछ मदद करें। यूं तो यूं तो शासन की पता नहीं कितनी सारी योजनाएं हैं, इमरजेंसी योजनाएं हैं सब कुछ है लेकिन वह कब काम आएगी जब कोई वजनदार आदमी के यहां कोई घटना होती है तो आनंन फानंन में उसकी सारी व्यवस्थाएं कर दी जाती है। ऐसे लोगों की जो मदद करेगा ईश्वर उसकी मदद करेगा।

जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली का सदस्यों ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

पनागर, देशबन्धु। जनपद पंचायत पनागर में वर्ष 2022 जून में पंचायत चुनाव हुए थे, जिसमे जनपद पंचायत पनागर में 20 जनपद सदस्य चुनकर आए थे और पिछले दो वर्षो से 5 वें वित्त एवं 15 वें वित्त की राशि के संबंध में किसी भी जनपद सदस्य को कोई को जानकारी नही है, बैठक में को भी अनुमोदन कोई हैं, उनकी छाया प्रति किसी भी जनपद सदस्य को प्रदान नही कि जा रही है।

पिछले दो वर्षों में जितनी भी राशि जारी हुई है, वो जनपद पंचायत अध्यक्ष और जनपद सीईओ और लेखापाल (अशोक गर्ग संविदा कर्मी) की मिली भगत से पांच, छह ग्राम पंचायतों में राशी मनमाने तरीके से आवंटित की गई है, जिसके विरोध में आज सभी जनपद सदस्यो ने विरोध प्रदर्शन किया और जनपद सीईओ को ज्ञापन के माध्यम से संपूर्ण जानकारी मांगी है। आज 2 जून को सामान्य प्रशासन समिति की बैठक रखी गई थी, जिसमे संविदा कर्मी और लेखापाल अशोक गर्ग का पेमेंट बढ़ाने और उनके कार्यकाल को एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाए जाने एवं वर्ष 2023- 2024 मदवार आय व्यय का अनुमोदन के संबंध में रखी गई थी जिसका सभी जनपद सदस्यों ने विरोध किया क्योंकि यह विषय सामान्य सभा की बैठक में शामिल होना चाहिए।

जनपद पंचायत पनागर में पिछले दो वर्षों से हो रहे भ्रष्टाचार के विरोध में जनपद सदस्यों ने चेतावनी दी है को जल्द से जल्द दोषियों पर कार्यवाही की जाए। इस संबंध में जल्द से जिला कलैक्टर दीपक सक्सेना से मिलकर शिकायत की जाएगी। जनपद सदस्य मनीष पटेल के साथ सभापति अरविंद पटेल, सभापति प्रदीप पटेल, जनपद सदस्य राजेंद पटेल, जनपद सदस्य सुरेश चढ़ार, जनपद सदस्य प्रकाश ठाकुर, जनपद सदस्य राहुल रजक, जनपद सदस्य गीता मेहरा, जनपद सदस्य सोना रजक, श्रीमति सुखमती ठाकुर आदि ने आगामी कुछ दिनों उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

सार-समाचार

सहायक संचालक शिक्षा शांति कुटार की सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित

सिहोरा, देशबन्धु। अपनी शासकीय कार्यकाल की 43 वर्ष 11 माह की शासकीय सेवा पूर्ण कर सहायक संचालक शिक्षा के रूप में पदस्थ श्रीमती शांति कुटार के सेवानिवृत के अवसर पर विकासखण्ड सिहोरा एवम मझौली के विभागीय अधिकारी, शिक्षक कर्मचारियों ने उपस्थित होकर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिहोरा अरविंद धुर्वे, सी एम राइस सिहोरा प्राचार्य अशोक उपाध्याय, जिला शिक्षा केंद्र जबलपुर के एपीसी प्रेम नारायण तिवारी, बीआरसी सिहोरा बृजेश श्रीवास्तव ने सेवानिवृत सहायक संचालक श्रीमती शांति कुटार के कुशल प्रशासक,कर्मठता वा अनुशासन प्रियता की सराहना करते हुए उनके यशस्वी व दीर्घायु जीवन की कामना की।

*ये रहे उपस्थित...जतिन लाहोरिया बडंबारा बीईओ,अतुल चौधरी मझौली बीईओ, ए पी सी प्रेमनारायण तिवारी, बी आर सी सी बृजेश श्रीवास्तव, प्रवीण रीठी बीईओ , अंजना सराफ , बृज किशोर गर्ग, मनोज राय,, अतुल, अनुपम कुटार सुपुत्र ,शिक्षक जयप्रकाश तिवारी, शीतल दुवे, सतीश तिवारी अरविंद तिवारी, अशोक तिवारी, योगेन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

पनागर, देशबन्धु। वॉलीबॉल प्रतियोगिता के तीन दिन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 25 टीमों ने भाग लिया। पनागर विद्यालय के विद्यार्थियों ने सिवनी की टीम से 2-0 के अन्तर से तीसरा स्थान से जीत हासिल की, जिसमें विद्यालय के संचालक अजय ग्रोवर, प्रिन्सिपल राजेश क्षेत्रीय, कोच सुजीत दहिया और समस्त वॉलीबॉल टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी।

रेत से भरे ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

बालाघाट, देशबन्धु। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत रजेगांव में रेत से भरे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें दबने से 22 वर्षीय चालक डोंगरिया निवासी सुरेश पिता महेश की मौत हो गई। घटना उस समय की है जब जागपुर से रेत भरकर ट्रैक्टर चालक सुरेश रजेगांव और जा रहा था। इस दौरान रजेगांव के पास रास्ते में सकरी जगह से ट्रैक्टर निकालते समय, ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे उसके नीचे दबने से चालक सुरेश की मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर ट्राली में सवार दो मजदूरों ने कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी के वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी बीच पुलिस भी सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पहुंचकर ट्रेक्टर के नीचे दबे युवक के शव को निकालना चाहा किन्तु संभव नही हो सका जिसके बाद पुलिस ने हाईड्रा बुलवाकर ट्रैक्टर को हटाकर शव को निकालकर सिविल अस्पताल वारासिवनी भिजवा कर शव का पीएम करवाकर परिजनो को सौंप दिया है।

पलक झपकते ही पेड़ पर चढ़ गए दो शावक

पर्यटक हुए रोमांचित

उमरिया, देशबन्धु। बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शावकों की अठखेलियां देखकर पर्यटक रोमांचित हो गए। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ, बाघिन, शावको के मौसम के साथ अंदाज भी बदल जाते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटक जंगल सफारी के लिए बी.आई.एस. के खितौली जोन में जंगल सफारी में प्राकृतिक सुंदरता के साथ वन्य प्राणियों के दीदार के लिए जंगल में सैर कर रहे थे। कि टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में बाघिन कांटीबाह वन मार्ग में बैठी हुई थी। दो शावक पेड़ों पर अठखेलियाँ करते हुए शिवलिंग को दिखाई दिए। दोनों शावक पेड़ पर चढ़े हुए थे।

शावको की मां बाघिन कांटी बाह वन मार्ग में शवको की सुरक्षा कर रही थी। टाइगर रिजर्व में पक्षियों को शवकों की अठखेलियां देखने को मिलीं। लेकिन पेड़ों पर 5 शावको की अठखेलियाँ बहुत कम ही देखने को मिलती हैं। यह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का कभी ना भूलने वाला नजारा बन गया वीडियो रविवार का वर्णन करने जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जानकार बताते हैं कि कांटी वा बाघिन की उम्र लगभग 6 साल के करीब होगी। बाघिन के तीन शवाक है। शावको की उम्र लगभग 9 माह होगी। बाघिन खितौली के जंगलों में दिखाई देती है। बाघिन की टेरीटरी वाले क्षेत्र का नाम कांति वाह है।

पिता-पुत्र ने खाया जहर, दोनों की मौत

पत्नी से हुआ था विवाद चली गयी थी मायके

शहर के समान थाना क्षेत्र में हुई घटना

रीवा देशबन्धु। पति पत्नी के बीच विवाद हुआ और पत्नी मायके चली गयी तो आक्रोशित पति ने अपने दस वर्षीय पुत्र के साथ अज्ञात जहर का सेवन कर मौत को गले लगा लिया। पुलिस ने दोनों शवों का पीएम कराकर परिजनों को सौंपा और पत्नी से पूठताछ के लिये थाना बुलाया गया है । आखिरकार ऐसी क्या बात हो गई कि पति को इतनका बडा कदम उठाना पडा। मामला थाना समान अंतर्गत पोखरी टोला की है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दाढी अहिरवार छतरपुर के किशनगंज का निवासी है और वह अपने बच्चों व पत्नि के साथ पोखरी टोला में रहता था। बीती दोपहर उसका पत्नी से किसी बात पर विवाद हुआ और पत्नी अपने चार बच्चों को लेकर मायके रामपुर नैकिन चली गयी। देर रात दाडी अहिरवार ने अपने दस वर्षीय पुत्र प्रदीप अहिरवार को कोई अज्ञात जहर खिलाया और खुद भी खा लिया। घटना की जानकारी जब आसपास के लोगों को लगी तो उन्होंने थाना समान को सूचना दी और दोनो को संजय अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। खबर लगते ही मायके गयी पत्नी भी परिवार वालों के साथ अस्पताल पहुंची वहीं मृतक के घर किशनंज से भी लोग रीवा पहुंचे। आखिर ऐसी क्या बात हुई कि उसने इतना बडा कदम उठाया इसका पुलिस पता लगा रही है।

युवती की हत्या का खुलासा कर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बालाघाट, देशबन्धु। बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम शेरपार में हुई एक युवती की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गत 27 जून को बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम शेरपार में युवती के घर में ही किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी हत्या कर फरार हो गया था। जिसकी सूचना मृतिका के मौसी के लड़के लोकेश वरकड़े ने पुलिस को देते हुए पुलिस को बताया था कि 27 जून को उसकी मौसी रोशनी उइके ने फोन कर बुलाया था, जब वह अपनी मौसी के घर जाकर देखा तो मौसी की लडकी संध्या उर्फ केकु के गले पर कटे के निशान था और गले से खून निकल रहा था। जिसके तत्काल बाद संध्या को उपचार के लिए बैहर अस्पताल लेकर पहूंचे किन्तु चिकित्सको ने संध्या को मृत घोषित कर दिया था। बैहर पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत अज्ञात आरोपीत के खिलाफ हत्या की धारा 302 भादवि का अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन व निर्देशन में की गई गठित टीम द्वारा मामले की जांच व मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध अभय मर्सकोले पिता गिरीश मर्सकोले 21 वर्ष निवासी कंजई थाना लालबर्रा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिसने संध्या की हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी अभय मर्सकोले ने पुलिस को बताया कि वह संध्या से प्रेम करता था जिसके चलते उसे संध्या पर किसी अन्य से बात करने का शक करता था इसलिए आरोपी संध्या को साथ मे भगा ले जाना चाहता था। संध्या द्वारा भागने से मना करने पर आवेश में आकर आरोपी द्वारा सेविंग ब्लेड से मृतिका का गला काट कर हत्या कर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त सेविंग ब्लेड जप्त कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

सूखी नदी में बांध के लिए सर्वे कर रहा था, अचानक आया पानी और बह गया

शहपुरा बिछिया/ डिंडोरी। कुटरई घाट के लगभग आठ सौ मीटर पहले सिलगी नदी में दो लोगों ने तैरकर तो जान बचा ली, लेकिन अंकित सैनी लापता हो गया था। शव को तलाश करने पुलिस टीम भी लगी थी। सफलता ग्रामीणों को हाथ लगी। शव को बाहर निकालकर पोस्ट मार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा लाया गया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

चौकी प्रभारी बिछिया लक्ष्मी प्रसाद पुष्कर, अमित खन्ना सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। युवक की तलाश कराने में ग्रामीणों ने भी आगे आकर सहयोग दिया। अंकित सैनी पिता नेतराम सैनी 22 वर्ष निवासी झुनझुन राजस्थान के परिजन सोमवार को सुबह ही शहपुरा पहुंच गए थे। बताया गया कि बसनिहा में प्रस्तावित बांध का लगभग आधा दर्जन निर्माण कंपनी के कर्मचारी सर्वे कर रहे थे। रपटा पार करते समय नदी में अचानक बाढ़ का पानी आ गया। इसी के चलते तीन लोग बह गए थे। 24 घंटे बाद शव को तलाशा जा सका।

चार पहिया की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नेशनल हाईवे पर हुआ भीषण सड़क हादसा

नरसिंहपुर, देशबन्धु। मुंगवानी थाना अंतर्गत आनेवाले खापा गांव के पास नेशनल हाईवे पर आदेगांव थाना क्षेत्र मोहगांव निवासी संदीप पिता कडोरी यादव उम्र 20 वर्ष बाइक से अपने घर से नरसिंहपुर जा रहा था उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही फोरव्हीलर वाहन ने टक्कर मार दी जिसकी मौके पर मौत हो गई वहीं पुलिस ने मौके पर पहुँचकर पंचनामा कार्यवाही कर 1033 एम्बुलेंस से शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां परिजनों की मौजूदगी में डॉक्टर के द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

कीचड़ से होकर स्कूल जाने को मजबूर बच्चे

प्राचार्य बोले-अधिकारी को कई बार किया पत्राचार

दमोह, देशबन्धु। जिले में पथरिया ब्लॉक के सूखा गांव में बच्चों को स्कूल तक जाने के लिए घुटनों तक कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। हर साल बारिश के दिनों में इसी प्रकार के हालात बनते हैं। लेकिन स्थाई समाधान आज तक नहीं हो पाया। प्राचार्य का कहना है कि वह कई बार अधिकारियों को लिखकर समस्या बता चुके हैं।

जानकारी के अनुसार, ग्राम सूखा में शासकीय हाईस्कूल तो बना दिया गया। लेकिन बच्चों को वहां तक पहुंचने पक्का मार्ग नहीं बनाया गया। छात्रों को कच्चे रास्ते से जाना पड़ रहा है। स्कूल में करीब पांच गांव के बच्चे पढ़ाई करने आते हैं। बारिश के मौसम में पुलिया को पार करना पड़ता है। न तो छात्रों के लिए स्कूल में पीने के पानी की सुविधा है और न ही खेल ग्राउंड और न ही बाउंड्रीवॉल है।

खेत में बना दिया हाईस्कूल-बता दें कि यह स्कूल गांव के बाहर करीब एक किलोमीटर दूर खेत में बना हुआ है। सीमांकन न होने से बाउंड्री बाल और खेल ग्राउंड तक नहीं बन सका है। यहां पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। बच्चे बरसात के समय कीचड़ में परेशान होते हुए गिरते उठते स्कूल पहुंचते हैं। दसवीं की छात्रा हेमलता कुर्मी ने बताया कि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क नहीं है। खेतों से होकर वहां जाना होता है। बारिश के दिनों में नाला पार करने में भी परेशानी होती है। अगर सड़क बन जाए और पुलिया दुरुस्त हो जाए तो आने-जाने में आसानी होगी। छात्र जीवन पटेल ने बताया कि स्कूल तक पहुंचने में रास्ता बहुत ही खराब है। कच्चा रास्ता होने से पानी भर जाता है और पूरे में कीचड़ हो जाता है, जिससे आवागमन कठिन होता है। सिर्फ बच्चों के अभिभावक ही नहीं, बल्कि स्कूल के शिक्षक भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

कम हो रही छात्रों की दर्ज संख्या-रास्ता न होने की समस्या की चलते लगातार छात्रों की दर्ज संख्या कम होती जा रही है। स्कूल प्राचार्य दलपत सिंह लोधी ने बताया कि स्कूल तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं है। न ही स्कूल परिसर में बाउंड्री है, जिससे काफी समस्या होती है। इसी कारण से बच्चों की दर्ज संख्या भी पिछले चार-पांच वर्षों में लगातार कम हुई है। बरसात में परेशानी होती है, यहां तक कोई वाहन नहीं पहुंच पाता है, जूते भी हाथ में लेकर स्कूल आते हैं।

इस संबंध में कलेक्टर और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लिखित में भी अवगत करा दिया है। शिक्षा विभाग का कहना है कि पंचायत का मामला है। इसलिए सड़क का निर्माण भी पंचायत ही कर सकती है। रास्ते में निजी भूमि पड़ती है, जिसके कारण रास्ता नहीं बन पा रहा है।

वृद्धा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

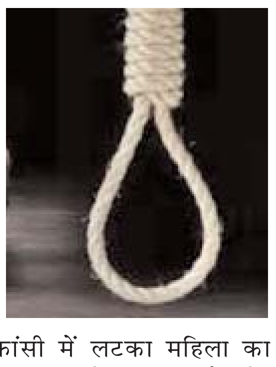

शहडोल, देशबन्धु। जैतपुर थाना क्षेत्र के देवगढ़ गांव में बीमारी से परेशान होकर 62 वर्षीय वृद्ध महिला ने घर के आंगन में लगे पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मंगलवार की सुबह देवगढ़ गांव की रहने वाली लल्ली बाई पति छोटे लाल उम्र 62 वर्ष का शव फांसी में लटकता हुआ उसके घर के आंगन में लगे एक पेड़ में मिला है।

महिला घर में अकेली रहती थी। पड़ोस के लोगों ने सुबह जब फांसी में लटका महिला का शव देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले पर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला लल्ली बाई काफी समय से बीमार चल रही थी, जिसकी वजह से वह काफी परेशान थी। मामले पर शव को कब्जे में पुलिस ने लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की है, वहीं आस पड़ोस के लोगों का बयान भी मामले पर दर्ज किया जा रहा है। प्रथम जांच में यह चीजे सामने आई है कि महिला लंबी बीमारी से काफी समय से परेशान थी, जिसकी वजह से उसने फांसी लगाई होगी।

स्पीकर से बोलीं महिला सांसद- मुझसे आंख मिलाकर बात करें, मिला मजेदार जवाब

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान की संसद में एक दिलचस्प वाकया हुआ। महिला सांसद ने स्पीकर से कहा कि मुझ से आंख मिलाकर बात कीजिए। जिस पर स्पीकर ने कहा कि मैं महिलाओं से आंख मिलाकर बात करने से परहेज करता हूं। इतना कहते ही पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे भारत में भी काफी शेयर किया जा रहा है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक के सामने पाकिस्तानी नेता और इमरान खान की कैबिनेट में पूर्व मंत्री महिला सांसद जरताज गुल अपनी बात रख रही थीं। उन्होंने कहा, स्पीकर सर, आपकी तवज्जो चाहती हूं। स्पीकर ने कहा, जी प्लीज कहिए। महिला सांसद ने कहा कि मेरे पार्टी के लीडर ने मुझे आंखों में आंखें डालकर बात करना सिखाया है। उन्होंने आगे कहा, सर, अगर मुझसे आई कॉन्टैक्ट नहीं होगा तो मैं बात नहीं कर सकती हूं। कृपया अपना चश्मा पहनें और मुझ से आंख मिलाकर बात कीजिए। मैं एक नेता हूं, मुझे 150,000 वोट मिले हैं। यदि आप मेरी बात नहीं सुनेंगे, तो मैं आपसे बात नहीं कर पाऊंगी।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 9 बच्चों की मौत

खार्तूम, (आईएएनएस)। सूडान में अर्ध सैनिक बलों और सेना के बीच लड़ाई और तेज हो गई है। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हवाई हमले में कम से कम नौ बच्चे मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। एल फशर में एक गैर-सरकारी समूह, प्रतिरोध समिति ने सोमवार को एक बयान में कहा, आरएसएफ के एक ड्रोन ने अल-फशर के अल-तिजानिया में अल-हिजरा मस्जिद पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया, जिसमें नौ बच्चों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक, सूडान ट्रिब्यून समाचार पोर्टल ने बताया कि जिस जगह को टारगेट किया गया था वो विस्थापितों को भोजन उपलब्ध कराने वाली एक रसोई थी। 15 अप्रैल, 2023 से पूरे सूडान में आरएसएफ और सूडानी सशस्त्र बलों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है। इधर 10 मई से एल फशर में भीषण झड़पें हो रही हैं।

इमरान खान को तुरंत रिहा करो, संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को लगा दी जमकर लताड़

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र के ह्यूमन राइट्स वर्किंग ग्रुप ने कहा है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में डालना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। ह्यू की संस्था ने कहा है कि इमरान खान को तत्काल रिहा कर दिया जाए। संयुक्त राष्ट्र के कार्य समूह ने कहा कि इमरान खान को मनमाने ढंग से जेल में रखा गया है। उचित यही है कि इमरान खान को तुरंत रिहा करके उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा उन्हें जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई के लिए अधिकार दिया जाए। यूएन की संस्था ने कहा कि वर्किंग ग्रुप ने यह निष्कर्ष निकाला है कि इमरान खान की गिरफ्तारी का कोई कानूनी आधार नहीं था। राजनीतिक फायदे के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और अब उनसे बदले की राजनीति की जा रही है। यूएन के वर्किंग ग्रुप ने 25 मार्च को ही यह राय दी गई। हालांकि एक दिन पहले ही इसे सार्वजनिक किया गया है। वर्किंग ग्रुप की राय बाध्यकारी नहीं होती है हालांकि इसे महत्वपूर्ण टिप्पणी माना जा रहा है। पांच सदस्यों वाले वर्किंग ग्रुप का कहा है कि इमरान खान के खिलाफ कार्रवाई राजनीति से प्रेरित थी और यह उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खिलाफ दमन के अभियान का हिस्सा थी। वॉशिंगटन के पाकिस्तानी दूतावास की तरफ से इसपर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।बता दें कि पाकिस्तान में फरवरी में आम चुनाव करवाए गए थे और उससे पहले अगस्त में ही इमरान खान गिरफ्तार हो गए थे। उनपर दर्जनों मामलों में सुनवाई चल रही है। खान का भी कहना है कि सत्ता के लिए राजनीतिक बदले की भावना से उनपर फर्जी केस लगाए गए हैं। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने हाल ही में इमरान खान को दो मामलों में राहत दी थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्य समूह ने कहा कि चुनाव से पहले इमरान खान की पार्टी के लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं आम चुनाव के दिन भी पाकिस्तानी चुनाव आयोग पर धांधली के आरोप लगे थे। हालांकि चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज किया था। इमरान खान 2022 से ही संकट में हैं। उन्हें अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं तीन साल की सजा होने की वजह से इस बार वह चुनाव भी नहीं लड़ पाए।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में पांच फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, (आईएएनएस)। इजरायली सेना ने गाजा शहर में एक सभा पर हवाई हमले किए। इसमें पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी के दक्षिण में पूर्वी खान यूनिस के लोगों को तुरंत जगह खाली करने का आग्रह किया है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया, इजरायली विमानों ने सोमवार को गाजा शहर के अल-जला स्ट्रीट पर एकत्र हुए लोगों को निशाना बनाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वायरल हुए वीडियो में हवाई हमले के बाद लोग जमीन पर लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। मेडिकल सूत्रों ने बताया कि हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में खान यूनिस के पूर्व के इलाकों में रहने वाले निवासियों और विस्थापित लोगों से तुरंत मानवीय क्षेत्र में जाने का आग्रह किया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक प्रेस बयान में कहा था कि इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान 23 फिलिस्तीनियों को मार डाला।

नेपाल की प्रचंड सरकार पर छाया संकट
चीन समर्थक ओली ने सरकार से खींचे अपने हाथ

नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सत्ता खतरे में हैं। पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल अ ने प्रधानमंत्री प्रचंड की पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ने का ऐलान कर दिया है।

दरअसल, नेपाल में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस पार्टी विपक्ष में बैठी हुई है। चार महीने पहले ही प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ने नेपाली कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को तोड़कर केपी ओली के साथ सरकार बनाई थी, और अब ओली उनके पाले में से निकल कर शेर बहादुर देऊबा के पाले में पहुंच गए हैं। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, शनिवार को केपी शर्मा ओली और शेर बहादुर देऊबा के बीच हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। इसके बाद इन दोनों ही पार्टियों के बीच में गठबंधन होने की बात सामने आ रही है। केपी शर्मा ओली की तरफ से कहा गया कि अब सरकार के पास बहुमत नहीं है। दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने बताया की दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक में एक सहमति बन चुकी है, जिनमें संविधान संशोधन, नई सरकार बनाने पर शक्ति संतुलन का फार्मूला तय हो चुका है। शेर बहादुर देऊबा को भारत समर्थक माना जाता है तो वहीं के पी शर्मा ओली को चीन समर्थक माना जाता है।

इस फार्मूले के मुताबिक ओली इस गठबंधन का अगले डेढ़ साल तक नेतृत्व करेंगे, फिर उसके बाद बचे हुए समय के लिए देऊबा गठबंधन का नेतृत्व करेंगे।

भारतीय कारोबारी ने गूगल समेत कई कंपनियों को लगाया चूना, हो गई जेल

वॉशिंगटन। 'आउटकम हेल्थ' के कोफाउंडर भारतीय-अमेरिकी कारोबारी ऋषि शाह को यूएस की एक कोर्ट ने साढ़े सात साल कैद की सजा सुनाई है। आरोप है कि बड़ा मुनाफा कमाने के लिए ऋषि शाह की कंपनी ने गोल्डमैन साच्स, गूगल की पैरेंटल कंपनी अल्फाबेट और इलीनॉइस गवर्नर जेबी पैट्रिकर की कंपनी को भी धोखा दिया।

कॉर्पोरेट फ्रॉड के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट जज थॉमस डर्किन की अदालत ने उन्हें दोषी पाया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक शाह यूनिवर्सिटी में पढ़ने के दौरान ही आउटकम हेल्थ पर काम करने लगे थे। वहीं 2006 में इस कंपनी को बनाया गया। इस कंपनी का काम डॉक्टरों के दफ्तर में टीवी इन्स्टॉल करना था जिसपर मेडिकल फील्ड से संबंधित विज्ञापन दिखाए जाते थे। इस काम में शाह की पार्टनर श्रद्धा अग्रवाल थीं। कंपनी ने कुछ ही सालों में बड़ा मुनाफा कमाया। हालांकि सवाल ये खड़े हुए की विज्ञापन देने वाले लोगों और मरीजों के बीच संपर्क कैसे हो। वहीं पता चला कि इस मामले में आउटकम हेल्थ ने कई बड़ी कंपनियों से झूठ बोला।

उन्हें डॉक्टरों के दफ्तर में जिस स्तर पर टीवी लगाने की बात बताई गई थी, वह सच नहीं थी। कई जगह स्क्रीनसाइज काफी छोटी थी। चार साल में ही आउटकम हेल्थ हेल्थकेयर और टेक निवेश के मामले में बड़ी कंपनी बन गई। कंपनी ने आधुनिक तकनीक के जरिए मेडिकल प्रोडक्ट के डिस्ट्रिब्यूशन का वादा किया। इसके बाद कई बड़ी कंपनियों ने भी निवेश किया। कोर्ट में बताया गया कि शाह ने श्रद्धा अग्रवाल और अन्य लोगों के साथ मिलकर निवेशकों, ग्राहकों और कर्जदाताओं को धोखा दिया। कंपनी ने विज्ञापन की सामग्री की बिक्री ज्यादा दिखाई। कंपनी इतनी सामग्री डिलीवर भी नहीं कर पा रही थी। इसके बाद डेटा में छेड़छाड़ किया गया और निवेशकों से झूठ बोला गया।

ऋषि शाह ने खरीदे थे कई जेट और शिप

डेटा में छेड़छाड़ का पता चलने के बाद आउटकम हेल्थ कंपनी की पोल खुलने लगी। वहीं शाह को बड़ा मुनाफा भी कई लोगों को खटकने लगा था। शाह ने अपने प्राइवेट जेट और शिप खरीद लिए थे। उन्होंने 1 करोड़ डॉलर का बंग्ला खरीदा। 2016 में ऋषि शाह की कुल संपत्ति 4 अरब डॉलर की हो गई। 2017 में वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में ऋषि शाह के बारे में खुलासा किया गया। रिपोर्ट के बाद निवेशकों में शामिल गोल्डमैन साच्स, अल्फाबेट और अन्य कंपनियों ने आउटकम हेल्थ के खिलाफ केस कर दिया। इसके बाद कंपनी ने लगभग 225 मिलियन डॉलर का लाभांश वापस किया। हालांकि निवेशकों के बिगड़ने की वजह से कंपनी ढह गई। शाह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के भी कई मामले दर्ज थे। शाह की कंपनी ने फर्जी डेटा और झूठ बोलने की बात स्वीकार की है।

ऑस्ट्रेलिया जा रहे भारतीय छात्रों को लगेगा झटका, स्टूडेंट वीजा फीस में भारी इजाफा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई का मन बना रहे भारतीय छात्रों को झटका लग सकता है। दरअसल, हाल ही में प्रधानमंत्री एंथनी एल्बानीज सरकार ने स्टूडेंट वीजा फीस को दोगुने से ज्यादा करने का फैसला किया है। खास बात है कि ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के समूह के मामले में भारतीय दूसरे स्थान पर हैं। कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने माइग्रेशन पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत छात्रों को अब 1600 ऑस्ट्रेलियन डॉलर देने होंगे। यह आंकड़ा पहला 710 ऑस्ट्रेलियन डॉलर था। इतना ही नहीं टेम्परेरी ग्रेजुएट विजिटल और मेरीटाइमस क्रू वीजा धारक अब ऑस्ट्रेलिया में रहने के दौरान स्टूडेंट वीजा के लिए भी आवेदन नहीं दे सकेंगे।

इसका भी असर ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय छात्रों पर पड़ने की संभावनाएं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गृहमंत्रालय और साइबर सिक्योरिटी मामलों के मंत्री क्लेयर ओ नील ने कहा, आज से लागू हो रहे बदलाव हमारी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था की अखंडता को बहाल करने में मदद करेंगे और ऐसा माइग्रेशन सिस्टम तैयार करेंगे, जो निष्पक्ष होगा, छोटा होगा और ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छे परिणाम देने वाला होगा। खबर है कि ऑस्ट्रेलिया सरकार ने यह फैसला इसलिए भी लिया है कि सिर्फ वास्तविक छात्रों को ही वीजा मिल सके और देश की अर्थव्यवस्था में मदद हो सके।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के शिक्षण संस्थानों में 2022 में 1 लाख से ज्यादा छात्रों ने दाखिला लिया था। इसके अलावा 1.22 लाख छात्र जनवरी से सितंबर 2023 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे थे।

प्रधामंत्री मोदी की मास्को यात्रा से अहम संदेश निकलेंगे : रुस

संयुक्त राष्ट्र, (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मास्को जाने वाले हैं। उनकी इस यात्रा से कई अहम संदेश निकलेंगे और दोनों देशों के बीच संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे। ये बात संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने सोमवार को कही। इस महीने के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, रूस लंबे समय से भारत का मित्र देश रहा है। भारत के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी है। उन्होंने कहा, दोनों देश अहम मुद्दों पर ठोस बातचीत करेंगे और इससे गंभीर संदेश निकलेंगे, संयुक्त दस्तावेज के रूप में।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि रूस-भारत संबंध और भी बेहतर होंगे। इस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी बार चुने जाने के बाद पहली रूस यात्रा होगी। फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया, उसके बाद से भारत और रूस के बीच कोई उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्रा नहीं हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार 2019 में रूस का दौरा किया था, जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में पांचवें पूर्वी आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। मॉस्को की पीएम मोदी की आखिरी आधिकारिक यात्रा 2015 में हुई थी। पुतिन की भारत की आखिरी यात्रा 2021 में हुई थी। उन्होंने पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। इस बीच, पीएम मोदी ने 2021 और 2023 में अमेरिका का दौरा किया, जब राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनका स्वागत किया। भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की सार्वजनिक निंदा नहीं की है, हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 में उज्बेकिस्तान में एक बैठक के दौरान पुतिन से सीधे कहा, मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है, और मैंने इस बारे में आपसे फोन पर बात की है। भारत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाना जारी रखा है और प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के संपर्क में भी हैं।

समस्या *कस्बों के लोगों को 'रोडबंदी' के दौर से घंटों गुजरना पड़ रहा*

अमरनाथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के नाम पर रोडबंदी से त्रस्त हो रहे जम्मू कश्मीरवासी

पिछले 3 दिनों से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के साथ लगते कस्बों के लोग परेशानी की हालत में हैं। यह परेशानी अमरनाथ श्रद्धालुओं को मुहैया करवाई जा रही सुरक्षा के नाम पर किए जाने वाले बंदोबस्त से है। रोचक तथ्य इस बंदोबस्त का यह है कि श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम तक ड्राप कर लौटने वाली खाली सरकारी बसें भी जब जम्मू बेस कैंप में आती हैं तब भी इन कस्बों के लोगों को 'रोडबंदी' के दौर से घंटों गुजरना पड़ रहा है।

- सुरक्षाबल कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते
- रोडबंदी की घोषणा 6 बजे तक की है पर वे 8 बजे से पहले नहीं खुल पा रहे
- सबसे बुरी हालत अनंतनाग के बाजारों की

दरअसल सुरक्षाबल कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते हैं। पिछली बार से चार गुणा अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात करने के बावजूद वे राजमार्ग से जुड़ने वाले लिंक रोडों पर वाहनों और इंसानों की आवाजाही को खतरा इसलिए मान रहे हैं क्योंकि खुफिया रपटें ऐसा कहती हैं। याद रहे पुलवामा में हुआ हमला भी ऐसी ही एक विस्फोट से लदी कार ने किया था जो लिंक रोड से निकल कर काफिले में जा घुसी थी।

नतीजतन सुबह 4 बजे जब अमरनाथ श्रद्धालुओं का जत्था जम्मू से रवाना होता है फिर आठ बजे तक राजमार्ग पर न ही आम नागरिकों के वाहनों को चलने की अनुमति दी जा रही है और न ही टूरिस्टों को। पैदल चलने की भी मनाही है। उनकी आवाजाही को रोकने के लिए लगाई जाने वाली तारबंदी रोडबंदी को पक्का करती है। यूं तो राजमार्ग पर रोडबंदी की घोषणा 6 बजे तक की है पर वे 8 बजे से पहले नहीं खुल पा रहे।

सबसे बुरी हालत अनंतनाग के बाजारों की हैं जहां दुकानों को इस रोडबंदी के कारण दिन में मात्र कुछेक घंटों के लिए ही अपनी दुकानें खोलने की अनुमति प्रदान की जा रही है जबकि कश्मीर सामान लेकर आने जाने वाले वाहनों को पिछले कुछ दिनों से ही राजमार्ग पर ही रोका गया है ताकि अमरनाथ यात्रा सुरक्षित रहे। बाकी जनता जाए भाड़ में।

आज का इतिहास

1661- पुर्तगाल ने बॉम्बे को ब्रिटिश राजा चार्ल्स द्वितीय को उपहार में दिया।
1698- ब्रिटेन के थॉमस सेवरी ने पहले व्यवसायिक स्टीम इंजन का पेटेंट हासिल किया।
1720- स्वीडन और डेनमार्क ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1746- मुगल सम्राट के आदेश पर बाबा बंदासिंह बहादुर को फांसी दी गई। 170 में उन्होंने मुगलों को हराया था।
1751- स्वीडन के रसायनशास्त्री और खदान विशेषज्ञ फ्रेडरिक क्रोन्स्टलर निकेल नामक धातु का पता लगाया।
1760- मराठा सेना ने दिल्ली पर कब्जा किया।
1767- पिटकेर्न द्वीप की खोज की गई, मिडशिपमैन रॉबर्ट पिटैरन फिलिप कार्टेर्ट की आज्ञा के अनुसार एक अभियान यात्रा पर थे।
1778- प्रशा ने ऑस्ट्रिया के विरूद्ध युद्ध की घोषणा की।
1819- अमेरिका ने पहला बचत बैंक 'बैंक ऑफ सेविंग इन न्यूयॉर्क' शुरू हुआ।

सुडोकू 6604

			1		6	2		3
	8		3	7	5			1
	1		8				5	7
1	5	4						6
6			5		9			8
2						4	7	5
5	6				8		3	
7			4	5	3		6	
8		3	9		7			

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6604

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१		२२	
	■	■	२३				■	■	

बायें से दायें:-
१.व्यापार (उर्दू)
३. जो सुनने में अप्रिय लगे
५. दाखिल, भीतर घुसा हुआ
६. सलाहकार
७. कारखाना
९. चाल, गति, वेग (उर्दू)
१०. विशेष लक्षणों से युक्त, अलौकिक
१२. झोंके के साथ दिया गया धक्का, जोर से दिया गया आघात
१३. बाजू, कांख, पहलू, पार्श्व, कपड़े का टुकड़ा जो अंगरखे कुरते आदि में कंधे के नीचे लगाया जाता है
१४. घायल और मृत
१६. धतूरा, स्वर्ण
१८. माया, जादू (उर्दू)
२०. धनहीन, दरिद्र
२१. सूर्य की किरण
२३. कशिश

ऊपर से नीचे:-
१. पंचांग, कैलेण्डर
२. उदारमना (उर्दू)
३. तकलीफदेह
४. झगड़ालू स्त्री
५. वर्णन, प्रतिपादन, प्रसंग
८. फायदेमंद
१०.बेचने वाला
११. माफ किया हुआ
१२. क्षणिक, अधूरा दर्शन
१३. उपद्रव, बखेड़ा (उर्दू)
१४. षडयंत्र, साजिश
१५. गर्भ (उर्दू)
१७. नृत्य करने वाला
१८. टीका, माथे पर लगाया गया चदन आदि का निशान
१९. याद करना
२२. ईश्वर, खुदा (उर्दू)

वर्ग पहेली-6603

१ अ	हि	२ त	क	३ र	■	४ अ	भि	५ क	र्ता
चे	■	र	■	६ थ	म	ना	■	ले	■
७ त	र	फ	■	वा	■	८ मि	थ्या	वा	९ दी
न	■	दा	■	१० ह	ल	का	■	■	प
■	११ भ	र	१२ स	क	■	■	१३ त	र्जु	मा
■	ला	■	हा	■	१४ ग	रि	मा	■	लि
१५ भा	ई	१६ चा	रा	■	ग	■	१७ म	१८ लि	का
ग्य	■	टु	■	१९ अ	न	२० ल	■	पि	■
२१ वा	टि	का	■	र्च	■	२२ ल	ट	क	२३ ना
न	■	२४ र	च	ना	त्म	क	■	■	री

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत

विराट कोहली ने दिया प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली की तारीफ की थी, जिसके बाद विराट ने प्रतिक्रिया के तौर पर उनका शुक्रिया अदा किया है। विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद इस प्रारूप से अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था- प्रिय विराट कोहली, आपसे बात करके अच्छा लगा। आपने फाइनल मैच में अपनी पारी की तरह भारतीय बल्लेबाजी को भी शानदार ढंग से एंकर किया है। ऐसा आपने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में किया है। टी20 क्रिकेट आपको मिस करेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि आप खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे।

रोहित के कहने पर पद पर बना रहा : द्रविड़

- विराट आपको भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खिताब जिताना है
- द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के चीफ कोच की जगह गंभीर का नाम लगभग तय

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। अपने जमाने के दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाज रहे चीफ कोच राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन और रोहित शर्मा के मार्गदर्शन में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के फाइनल में धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली की 76 की बेहतरीन पारी की बदौलत बीते शनिवार को ब्रिजटाउन में सात रन से जीत के साथ 17 बरस के बाद फिर खिताब जीत लिया। खुद कप्तान रोहित, विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भारत को खिताब जिताने के साथ टी-20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। साथ ही राहुल द्रविड़ ने बतौर चीफ कोच के रूप में अपनी अंतिम 'पारी' का समापन खिताबी जीत के साथ किया। भारत के खिताब जीतने के बाद कप्तान रोहित और विराट कोहली ने टीम के साथियों सहित हवा में उछाल खूब जश्न मनाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और कप्तान रोहित शर्मा चाहते थे कि राहुल द्रविड़ भारत के चीफ कोच की जिम्मेदारी संभालना जारी रखे लेकिन खुद द्रविड़ ने यह कह इस पद पर बने रहने के लिए इनकार कर दिया व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के चलते उम्र के इस पड़ाव पर यह जिम्मेदारी संभालने रखना मुमकिन नहीं है और इस पद के लिए फिर आवेदन नहीं करेंगे। द्रविड़ की जगह भारत के चीफ कोच के रूप में गौतम गंभीर का नाम लगभग तय है लेकिन बीसीसीआई की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा की जानी बाकी है। भारत के दूसरी पंक्ति के खिलाड़ियों से सज्जित क्रिकेट टीम बतौर कोच वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन अब मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ छह जुलाई से पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट खेलने हरारे पहुंच चुकी है।

राहुल द्रविड़ का भारत के चीफ कोच के रूप में कार्यकाल नवंबर, 2023 में भारत के लगातार दस जीत के साथ लगातार जीत के साथ अहमदाबाद में आईसीसी वन डे विश्व कप फाइनल में छह विकेट से हार से खत्म हो गया लेकिन कप्तान रोहित शर्मा के अनुरोध पर उन्होंने इस साल 2024 के टी-20 विश्व कप तक सात महीने और इस पद पर बने रहने के लिए हामी भर दी थी। बतौर कोच द्रविड़ के मार्गदर्शन और रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से इंग्लैंड में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया से ही 209 रन से हार कर खिताब जीतने से चूक गई। इन दोनों ही बड़े आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल ऑस्ट्रेलिया से हारने की कसक राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित के दिल में जरूर थी। कप्तान रोहित शर्मा की 92 रन की तूफानी पारी से भारत ने 2024 में ऑस्ट्रेलिया को टी-20 विश्व कप में आखिरी सुपर 8 मैच 24 रन से हरा सेमीफाइनल की होड़ से बाहर कर दिया था। भारत के टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2024 में खिताब जीतने के बाद द्रविड़ का भारत के चीफ कोच के कार्यकाल खत्म होने के बाद बीसीसीआई द्वारा पोस्ट एक विडियो में द्रविड़ ने कहा कि रोहित 2023, नवंबर में आईसीसी वन डे विश्व कप के फाइनल में अपनी भारतीय टीम की हार के बाद मुझे फोन करने और चीफ कोच के पद पर बने रहने के लिए कहने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

वहीं द्रविड़ ने विडियो में विराट कोहली के लिए भी एक छोटा सा संदेश दिया, भारत ने सफेद गेंद से -2011 में वन डे विश्व कप, 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी और अब 2024 में टी-20 विश्व कप सहित तीनों आईसीसी खिताब जीत लिए हैं और विराट आप टीम इंडिया की इन तीनों आईसीसी खिताबी जीतों का हिस्सा रहे। विराट आपकी मौजूदगी में भारत लाल गेंद से शुरू की दोनों वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने के बाद खिताब नहीं जीत पाया और अब आपको भारत की यह खिताब जीतने की अधूरी हसरत पूरी करानी है।

द्रविड़ ने कहा कि मेरा मानना है भारतीय क्रिकेट टीम में आपमें कप्तान रोहित शर्मा व विराट कोहली सहित हर किसी के साथ काम करना खास और बेहद खुशी की बात है। साथ ही रोहित समय देने के लिए भी आपका आभार। हमने बहुत बार आपस में बात की। आपस में चर्चा करने, सहमत होने और कई बार असहमत होने के लिए बहुत बहुत आभार।

टी-20 विश्वकप जीतने के बाद विदाई भाषण में भावुक हुए द्रविड़

नई दिल्ली। भारत द्वारा बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद, आईसीसी ट्रॉफी के लिए अपने 11 साल के इंतजार को खत्म करते हुए पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने ड्रेसिंग रूम में एक प्रेरणादायक स्पीच दी। राहुल द्रविड़ ने अपने खिलाड़ियों और उनकी लड़ाई की भावना की प्रशंसा की, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के दौरान दिखी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने करियर के आंकड़े भूल सकते हैं, लेकिन इस तरह के क्षण हमेशा उन्हें याद रहेंगे। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि मेरे पास वास्तव में शब्द नहीं हैं, लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे इस यादगार जीत का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। आप सभी को यह पल याद रहेंगे। यह रन और विकेट के बारे में नहीं है; आप अपने करियर को कभी याद नहीं रखेंगे, लेकिन आप इस तरह के पलों को याद रखेंगे द्रविड़, जो पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो आईसीसी फाइनल हारने के लिए आलोचनाओं के घेरे में थे, उन्होंने अपने कार्यकाल का अंत जीत के साथ किया। द्रविड़ ने कहा कि मैं आप लोगों पर इससे अधिक गर्व नहीं कर सकता, जिस तरह से आपने वापसी की, जिस तरह से आपने संघर्ष किया, जिस तरह से हमने एक टीम के रूप में काम किया और धैर्य बनाए रखा..., वह सराहनीय है। टीम इंडिया में द वॉल के नाम से मशहूर द्रविड़ ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि यह आपका पल है दोस्तों... याद रखें, यह किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, यह एक टीम के बारे में है। हमने इसे एक टीम के रूप में जीता है। हमने पिछले महीने में जो कुछ भी किया, वह सब एक टीम के रूप में किया।

टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के आज सुबह दिल्ली पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, जुलाई (देशबन्धु)। रोहित शर्मा की अगुआई में ब्रिजटाउन में शनिवार को आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से खिताब जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के मंगलवार रात चार्टर्ड फ्लाइट से रवाना हो बुधवार सुबह नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। बवंडर और अंधड के बाद बारबडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटले ने अगले करीब 12 घंटों में हवाईअड्डे के उड़ानों के लिए दुरुस्त होने की उम्मीद जताई है। इस खतरनाक बवंडर हरिकेन बेर' के चलते टी -20 विश्व कप जीतने वाली भातरीय टीम, बीसीसीआई के कुछ अधिकारी और खिलाड़ियों के परिवार बीते दो दिनों से बारबडोस में ही फंसे हैं। भारत के पांच खिलाड़ियों- रिंकू सिंह, यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे, खलील अहमद और संजू सैमसन को टी-20 विश्व कप के खत्म होने के बाद पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए हरारे (जिम्बाब्वे) रवाना होना था लेकिन अब सैमसन, दुबे और जायसवाल अब बाकी भारतीय टीम को दिल्ली रवाना होंगे। बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति इन तीनों की जगह सई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा अब जिम्बाब्वे में पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की शुरू के दो मैचों के लिए हरारे में भारतीय टीम से जुड़ेंगे।

किंग्समीड मैदान में आयोजित वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी-20 को रोशन करेंगे क्रिकेट के कई महानायक

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में प्रतिष्ठित किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम बहुप्रतीक्षित विश्व मास्टर्स लीग टी 20 की मेजबानी को लेकर तैयार है। अगस्त 2024 के पहले सप्ताह से शुरू होने वाली इस लीग में इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स जैसी 6 टीमें शामिल हैं। वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी 20 में भारत, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसे कई देशों के पावरहाउस खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। जिसको लेकर दुनिया भर के प्रशंसकों में रोमांच का माहौल बना हुआ है। आयोजन स्थल की घोषणा करते हुए वर्ल्ड मास्टर्स लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हम वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 को प्रतिष्ठित किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में लाने को लेकर काफी रोमांचित हैं। इस स्थल का एक समृद्ध इतिहास रहा है और निश्चित तौर पर यह कुछ महानतम क्रिकेट प्रतिभाओं को चमकने के लिए आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करेगा। इस टी 20 लीग के दौरान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज हर्षल गिब्स, भारतीय क्रिकेट टीम की शान रहे सुरेश रैना, मास्टर क्लास मोहम्मद कैफ और मुनाफ पटेल के साथ ही पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक और श्रीलंका के महान क्रिकेटर एंजेलो परेरा शिरकत करते नजर आएंगे।

हॉकी इंडिया पुरुष और महिला वेटरंस के लिए पहले मास्टर्स कप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को मास्टर्स कप के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की, जो एक अग्रणी टूर्नामेंट है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग शामिल हैं। यह अनोखा आयोजन अनुभवी खिलाड़ियों, विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों पर प्रकाश डालेगा, जो अन्य घरेलू हॉकी आयोजनों की तुलना में एक अलग मंच प्रदान करेगा। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के स्थायी जुनून और कौशल का जश्न मनाने के लिए बनाया गया है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य पूर्व खिलाड़ियों को एक साथ लाना है, जिससे वे उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने पसंदीदा खेल से फिर से जुड़ सकें। यह हॉकी के प्रति उनके आजीवन समर्पण के प्रमाण के रूप में काम करेगा, फिटनेस बनाए रखने और साथी दिग्गजों के सौहार्द का आनंद लेने का अवसर प्रदान करेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, एक ऐसा आयोजन जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून का सम्मान करता है। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम का जश्न है और हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है। टिर्की ने कहा कि पूर्व खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा जारी रखने के लिए एक मंच प्रदान करके, हमारा उद्देश्य समुदाय की एक मजबूत भावना को बढ़ावा देना है और यह सुनिश्चित करना है कि उनका अनुभव और उत्साह खिलाड़ियों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहे।

हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, एक ऐसा आयोजन जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून का सम्मान करता है : दिलीप टिर्की

हॉकी इंडिया पुरुष और महिला वेटरंस के लिए पहले मास्टर्स कप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को मास्टर्स कप के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की, जो एक अग्रणी टूर्नामेंट है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग शामिल हैं। यह अनोखा आयोजन अनुभवी खिलाड़ियों, विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों पर प्रकाश डालेगा, जो अन्य घरेलू हॉकी आयोजनों की तुलना में एक अलग मंच प्रदान करेगा। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के स्थायी जुनून और कौशल का जश्न मनाने के लिए बनाया गया है।

स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी चूकने के बाद बोले रोनाल्डो

मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता हूं

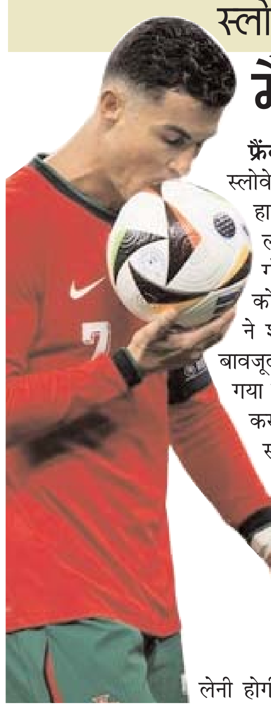

फ्रैंकफर्ट, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पुर्तगाल ने स्लोवेनिया के खिलाफ राउंड ऑफ 16 मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मैच 120 मिनट के खेल के बाद भी गोलरहित बराबरी पर रहा और गोलकीपर डियोगो कोस्टा टीम के हीरो साबित हुए क्योंकि गोलकीपर ने शूट आउट में तीन पेनल्टी बचाईं। इस जीत के बावजूद सारा ध्यान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर केंद्रित हो गया है जो मैच के 105 वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए थे और अपनी टीम को निर्धारित समय में जीत नहीं दिला पाए थे। रोनाल्डो ने खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बेशक, यह मेरा आखिरी यूरो होगा। लेकिन मैं इससे प्रभावित नहीं हूं, मैं उत्साह से प्रेरित हूं। मुझे प्रशंसकों के लिए खेद है। मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, चाहे मैं इसे मिस करूं या नहीं। और मैं यह पूरी जिंदगी करूंगा। आपको जिम्मेदारी लेनी होगी। पेनल्टी चूकने के बाद रोनाल्डो को रोते हुए देखा गया, जिससे दुनिया भर के कई फुटबॉल प्रशंसकों का दिल टूट गया। पांच बार के बैलन डी ओर विजेता ने बाद में शूटआउट के दौरान पेनल्टी पर गोल करके अपनी निराशा को मुस्कान में बदल दिया। यूरो के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर ने कहा कि मैं राष्ट्रीय टीम को फायदा दे सकता था, लेकिन मैं इसे प्रबंधित नहीं कर सका, ओब्लाक ने बचा लिया।

पुर्तगाल ने यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री

फ्रैंकफर्ट। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को हराकर पुर्तगाल को यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। पुर्तगाल ने सोमवार को यूरो 2024 में पेनल्टी शूटआउट से स्लोवेनिया को 3-0 से हराया। यह एक रोमांचक मुकाबला रहा। इस मुकाबले में निर्धारित समय में दोनों टीम गोल नहीं कर पाई, इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर 0-0 रहा। हालांकि, रोनाल्डो के पास एक बड़ा मौका था लेकिन वो पेनल्टी चूक गए। इसके बाद यह स्टार खिलाड़ी काफी निराश नजर आया। लेकिन शूटआउट में उन्होंने पहला पेनल्टी स्कोर कर टीम को मजबूत शुरुआत दी। वहीं, पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने लगातार तीन गोल बचाए, जिससे पुर्तगाल ने स्लोवेनिया पर 3-0 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुर्तगाल का सामना अगले दौर में टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम फ्रांस से होगा, जिसने सोमवार को बेल्जियम को 1-0 से हराया था।

एंडी मरे विम्बलडन एकल से हटे भाई जैमी के साथ युगल खेलेंगे

लंदन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार के चैंपियन एंडी मरे वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के एकल मुकाबलों से हट गए हैं लेकिन अपने भाई जैमी के साथ युगल खेलने की योजना बना रहे हैं।

37 वर्षीय खिलाड़ी, जिनकी 10 दिन पहले रीढ़ की हड्डी में सिस्ट की सर्जरी हुई थी, को मंगलवार को सेंटर कोर्ट पर पहले दौर में चेक प्रतिद्वंद्वी टॉमस मचाक का सामना करना था। अभ्यास करने के बावजूद, स्कॉट ने अब पुष्टि की है कि वह अपना ध्यान युगल में प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित करेंगे। मरे की टीम ने एक बयान में कहा कि दुर्भाग्य से, एक सप्ताह पहले हुए ऑपरेशन के बाद से अपनी रिकवरी पर अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करने के बावजूद, एंडी ने इस साल एकल नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, वह बेहद निराश है लेकिन उन्होंने पुष्टि की है कि वह जैमी के साथ युगल में खेलेंगे और आखिरी बार विंबलडन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक है।

■ अभ्यास करने के बावजूद, स्कॉट ने अब पुष्टि की है कि वह अपना ध्यान युगल में प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित करेंगे

सार संक्षेप

एंडी मरे विम्बलडन एकल से हटे, भाई जैमी के साथ युगल खेलेंगे

लंदन। दो बार के चैंपियन एंडी मरे वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के एकल मुकाबलों से हट गए हैं लेकिन अपने भाई जैमी के साथ युगल खेलने की योजना बना रहे हैं। 37 वर्षीय खिलाड़ी, जिनकी 10 दिन पहले रीढ़ की हड्डी में सिस्ट की सर्जरी हुई थी, को मंगलवार को सेंटर कोर्ट पर पहले दौर में चेक प्रतिद्वंद्वी टॉमस मचाक का सामना करना था। सोमवार को अभ्यास करने के बावजूद, स्कॉट ने अब पुष्टि की है कि वह अपना ध्यान युगल में प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित करेंगे। मरे की टीम ने एक बयान में कहा कि दुर्भाग्य से, एक सप्ताह पहले हुए ऑपरेशन के बाद से अपनी रिकवरी पर अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करने के बावजूद, एंडी ने इस साल एकल नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, वह बेहद निराश है लेकिन उन्होंने पुष्टि की है कि वह जैमी के साथ युगल में खेलेंगे और आखिरी बार विंबलडन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक है। मरे का विम्बलडन में 61-13 का एकल रिकॉर्ड है।

सुमित नागल विंबलडन में पुरुष एकल के पहले दौर में हारे

लंदन। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को विंबलडन टूर्नामेंट 2024 में पुरुष एकल के पहले दौर के मुकाबले में सर्बिया के मिओमिर केकमैनोविच से हार का सामना करना पड़ा है। सोमवार देर रात खेले गए मैच में सार्बियाई खिलाड़ी केकमैनोविच ने दो घंटे और 48 मिनट में नागल को 6-2, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। नागल के शानदार खेल की बदौलत मुकाबला चार सेटों तक खिंचा। सुमित ने पहला सेट 2-6 से हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीता। हालांकि इसके बाद केकमैनोविच ने तीसरा सेट 3-6 से जीतकर 2-1 की बढ़त कर दिया। केकमैनोविच ने अपना धैर्य के खेला मुजाहिरा करते हुए तीसरा सेट 3-6 और चौथे सेट में 6-4 से जीत लिया।

टोक्यो ओलंपिक समाप्त होते ही मैंने पेरिस 2024 के लिए तैयारी शुरू कर दी थी : निखत

पेरिस 2024

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। निखत जरीन पेरिस 2024 में अपने प्रभावशाली पदक संग्रह को बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक पर नजर रख रही हैं। छह भारतीय मुक्केबाज, चार महिलाएं और दो पुरुष, ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और उनमें से पांच खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी जाने से पहले 22 जुलाई तक जर्मनी में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

टीम में निखत ज़रीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा), टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन (महिला 75 किग्रा), निशांत देव (पुरुष 71 किग्रा) और अमित पंघल (पुरुष 51 किग्रा) शामिल हैं। टोक्यो 2020 में भारत का अभियान समाप्त होने के बाद से, ज़रीन का ध्यान पेरिस 2024 पर केंद्रित है, उन्हें विश्वास है कि यह उनके लिए अपनी चमक दिखाने का क्षण है। जरीन ने जियोसिनेमा से कहा कि जब टोक्यो ओलंपिक में भारत का अभियान समाप्त हुआ, तो उस दिन मैंने अपना ध्यान पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगाने का फैसला किया। मैंने पेरिस की उलटी गिनती के बारे में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी पोस्ट की। मुझे लगता है कि हर किसी का अपना एक पल होता है, और यह मेरा पल है। जिसने भी कहा था कि मैं पेरिस नहीं पहुंच पाउंगी, मैंने आखिरकार इसे हासिल कर लिया। मैं अपने आस-पास की सभी नकारात्मकता और सकारात्मकता को सकारात्मक रूप से लूंगी और पेरिस में रिंग के अंदर एक अलग फाइटर के रूप में बेहतर होने की कोशिश करूंगी।

अपनी सफलता की राह पर विचार करते हुए, ज़रीन अपने समुदाय में सामाजिक मानदंडों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के अटूट समर्थन को देती हैं। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है, मैं एक ऐसे समुदाय से आती हूं जहां महिलाओं को समर्थन की कमी है। लेकिन मेरे पिता, जो खुद एक एथलीट हैं, जानते थे कि एक चैंपियन बनने के लिए क्या करना पड़ता है। उन्होंने हमेशा मेरी यात्रा में मेरा समर्थन किया। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे अपना ध्यान बॉक्सिंग पर केंद्रित करना चाहिए। जब आप देश के लिए मेडल जीतने का सपना पूरा कर लेंगे, उस दिन ये लोग आपको बधाई देने आएंगे और सेल्फी लेंगे। ज़रीन ओलंपिक चैंपियन बनने की अनूठी चुनौती को रेखांकित करते हुए, अपने खेल के शिखर तक पहुंचने के लिए आवश्यक बलिदानों पर जोर देती हैं। मैंने विश्व चैंपियन बनने के लिए कई चीजों का त्याग किया है, लेकिन ओलंपिक चैंपियन बनना अलग बात है। जब भी मैं प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही होती हूं, मैं सोशल मीडिया से दूर रहती हूं। मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ ज्यादा बात नहीं करती हूं। मैं उनके साथ समय बिताती हूं। इस बार, पेरिस 2024 की तैयारी में, मैं इन सभी विकर्षणों से दूर रहने की कोशिश करूंगी, और जितना संभव हो सके सकारात्मक रहने की कोशिश करूंगी और पेरिस के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। पदक से पहले की हर जंग से पहले की अपनी मानसिकता की झलक दिखाते हुए ज़रीन ने हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के महत्व पर जोर दिया। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के मकसद से उतरती हूं ताकि रिंग के अंदर चाहे कुछ भी हो, परिणाम कुछ भी हो, मुझे इस बात का अफसोस नहीं होना चाहिए कि अगर मैंने 10 प्रतिशत और दिया होता तो मैं मुकाबला जीत सकती थी।

■ पेरिस में रिंग के अंदर एक अलग फाइटर के रूप में बेहतर होने की कोशिश करूंगी

सुडोकू 6604 का हल

4	7	5	1	9	6	2	8	3
9	8	2	3	7	5	6	4	1
3	1	6	8	2	4	9	5	7
1	5	4	7	8	2	3	9	6
6	3	7	5	4	9	1	2	8
2	9	8	6	3	1	4	7	5
5	6	9	2	1	8	7	3	4
7	2	1	4	5	3	8	6	9
8	4	3	9	6	7	5	1	2

SENSEX BSE 79441.45 ▼ 34.74 NSE 24112.85 ▼ 18.10 MCX Gold 71665 ▲ 11 silver 88143 ▲ 621

देशबन्धु

अर्थ जगत

सरकार ने क्रूड ऑयल पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स

नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

बजट से पहले झटका, सरकार ने छोटी बचत योजना में जमा राशि पर ब्याज दरों में वृद्धि से किया इनकार

__नई दिल्ली।__ केंद्र सरकार ने बजट से पहले उन लोगों को झटका दे दिया है, जो केंद्र सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम यानी लघु बचत योजनाओं में राशि जमा कराते हैं। इन लोगों को उम्मीद थी कि केंद्र की नई सरकार, लघु बचत योजनाओं में जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी करेगी।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि पहली जुलाई से 30 सितंबर तक की अवधि के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीपीएफ पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा, तो वहीं सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। स्मॉल सेविंग स्कीम में पैसा जमा कराने वाले लोगों को पहली जुलाई से 30 सितंबर के बीच कितना ब्याज मिलेगा, सरकार ने यह घोषणा कर दी है।

इन योजनाओं में पीपीएफ, सुकन्या, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं शामिल हैं। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर पहले की ही तरह 7.1 फीसदी ब्याज मिलता रहेगा। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर जो ब्याज मिलता है, उसकी दरों में बदलाव नहीं किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा पिछले सप्ताह ही लघु बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज की दरों की घोषणा की गई है। पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम पर एक जुलाई से 30 सितंबर तक 4.0 फीसदी ब्याज दर रहेगी। अगर एक वर्ष के लिए राशि जमा की गई है, तो ब्याज दर 6.9 फीसदी होगी। दो वर्ष के लिए राशि जमा है, तो ब्याज दर 7.0 फीसदी रहेगी। तीन वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.1 फीसदी होगी। पांच वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.5 फीसदी होगी। पांच साल की आवर्ती जमा राशि पर 6.7 दर से ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिक सेविंग स्कीम पर ब्याज दर 8.2 फीसदी रखी गई है।

मंथली इनकम अकाउंट स्कीम के लिए ब्याज दर 7.4 फीसदी होगी। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। पीपीएफ के लिए जमा राशि पर 7.1 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा राशि पर 7.7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। किसान विकास पत्र जैसी योजनाओं पर 7.5 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। इस स्कीम के मेच्योर होने की अवधि 115 महीने रखी गई है।

रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला शेयर बाजार

__मुंबई।__ मंगलवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग एफएमसीजी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है तो मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स से आज के सत्र में रौनक गायब हो गई. दिन के हाई से सेंसेक्स 400 अंक नीचे तो निफ्टी करीब 180 अंक नीचे गिरकर बंद हुआ है।

कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 35 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 79,441 अंकों पर क्लोज हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 18 अंकों की गिरावट के साथ 24,123 अंकों पर बंद हुआ है. कारोबारी सत्र में आईटी, फार्मा, एनर्जी, मीडिया, रियल एस्टेट, इंफ्रा और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी रही जबकि बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, मेटल्स और पीएसयू बैंक इंडेक्स गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुआ है जिसके चलते निफ्टी के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स गिरकर बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ तो 19 गिरकर बंद हुए. बीएसई डेटा के मुताबिक आज के सत्र में कुल 4008 शेयरों की ट्रेडिंग हुई जिसमें 2040 स्टॉक्स तेजी के साथ तो 1877 गिरकर बंद हुए।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स- आज के कारोबार में एल एंड टी 2.74 फीसदी, इंफोसिस 1.97 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.51 फीसदी, टीसीएस 0.80 फीसदी, पावर ग्रिड 0.55 फीसदी, रिलायंस 0.38 फीसदी, सन फार्मा 0.30 फीसदी, टाटा स्टील 0.23 फीसदी, एनटीपीसी 0.11 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि भारती एयरटेल 2.38 फीसदी, कोटक महिंद्रा 2.16 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.07 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.89 फीसदी, एसबीआई 1.87 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

जून में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटी

__नई दिल्ली।__ देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है।

अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 'वाहन' के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है। एनआरआई कंसल्टिंग ऐंड सॉल्यूशंस के केस और वैकल्पिक इंजन के विशेषज्ञ प्रीतेश सिंह ने कहा, 'ई-दोपहिया वाहनों के लिए कम प्रोत्साहन, हाइब्रिड में उपभोक्ताओं का बढ़ता विश्वास, चार्जिंग के दमदार बुनियादी ढांचे की कमी और ईवी के अधिक दाम, ये सब ईवी की बिक्री को प्रभावित कर रहे हैं।'ईवी के मामले में इस साल और पिछले साल जून सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला महीना रहा है। हालांकि जून 2024 में बड़ा सुधार नजर आया जिसमें 1,23,704 वाहनों का पंजीकरण किया गया जो जून 2023 में पंजीकृत 1,02,645 वाहनों की तुलना में 20.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

टाटा मोटर्स की सेल्स घटी- हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 50,103 इकाई पर स्थिर रही, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 50,001 इकाई थी।

अडानी मामले में हिंडनबर्ग पर सेबी की कार्रवाई, भेजा कारण बताओ नोटिस

__नई दिल्ली।__ सेबी ने अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अडानी समूह के शेयरों पर दांव लगाने के कथित उल्लंघन पर यह नोटिस जारी किया गया है। हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन करने का आरोप लगाया था।

सेबी का नोटिस मिलने की हिंडनबर्ग ने जानकारी दी है। हालांकि हिंडनबर्ग ने इस नोटिस पर नाराजगी जाहिर की है और आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

हिंडनबर्ग ने लगाए आरोप- हिंडनबर्ग ने कहा कि उसे 27 जून को सेबी से एक ईमेल मिला और बाद में भारतीय विनियमों के संदिग्ध उल्लंघनों को रेखांकित करते हुए एक कारण बताओ नोटिस मिला। हिंडनबर्ग ने कहा कि आज तक अडानी समूह हमारी रिपोर्ट्स में लगाए गए आरोपों का जवाब देने में विफल रहा है। जो जवाब दिया गया है, उसमें हमारे द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है। फर्म ने कहा कि जनवरी 2023 की रिपोर्ट में गौतम अडानी और उनके भाई विनोद अडानी और करीबी सहयोगियों द्वारा शेल कंपनियों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। हमने विस्तार से बताया कि कैसे इन शेल कंपनियों के माध्यम से अरबों डॉलर का घोटाला किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा है कि वह सूचना के अधिकार कानून के तहत एक आवेदन देंगे, जिसमें सेबी के कर्मचारियों के नाम मांगे जाएंगे, जो अडानी और हिंडनबर्ग मामले पर काम कर रहे थे। साथ ही हिंडनबर्ग ने सेबी और अडानी और उसके विभिन्न प्रतिनिधियों के बीच बैठक और कॉल का विवरण मांगने की बात भी कही है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83. 50
एक यूरो	89. 65
एक ब्रिटिश पाउंड	105 . 83
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	55. 59
एक जापानी येन	0. 51

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 112 प्रति कि.

जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 116 प्रति कि.

जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो

जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -72 नेट प्रति किलो

जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो

(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार-

मो. 9425860998,9826307100

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-72250 चांदी रिफाइन -89900

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-72250 चांदी रिफाइन -89900

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 14000-15000, मीडियम बोल्ड 16000-17000, फाइन 170000-18000, एक्स्ट्रा बोल्ड 18000-19000, चना दाल एवरेज 8200-8500 चना दाल मार्का 8500-9000, मसूर दाल एवरेज 7500-7800, मसूर दाल फाइन 8200-8500, उड़द छिलका 9500-10000, फाइन 10000-11000, उड़द धुली 11500-12000, फाइन 12500-13000, मूंग दाल छिलका 9200-9500, मूंग दाल फाइन 9500-9800, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-10800। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3500, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 3800-4000, फाइन 4500-4700,एचएमटी-5000-5200 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5400, जेजेएल चालू 5500-5600, फाइन 6000-6200, बासमती कनकी चालू 3800-4000, बासमती कनकी मीडियम 4200-4500, बेस्ट 5000-5200, मोगरा- 5000-5200, दुबार- 6500-7000, तिबार- 7000-7500, बासमती 8300-8500, बेस्ट 10500-11000 पोहा- 4200-4300, फाइन 4400-4500, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 7000-7600, रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070

भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6900, 6 एम एम 6900, 8 एम एम 6480, 10 एम एम 6360,12 एम एम, 6300 एवं 16 एम 6300 रु.। तार- 78 रु. किलो।

जीएसटी संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर 1.74 लाख करोड़

__नई दिल्ली।__ सकल जीएसटी संग्रह जून में आठ प्रतिशत बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने हालांकि मासिक जीएसटी संग्रह के आंकड़े आधिकारिक रूप से देना रोक दिया है।

सूत्रों ने कहा कि चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-जून) में अब तक सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 5.57 लाख करोड़ रुपये रहा। जून में संग्रह मई 2024 के संग्रह 1.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह जून 2023 के संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये से आठ प्रतिशत अधिक है। एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का निपटान केद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) के मद में 39,586 करोड़ रुपये का और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के मद में 33,548 करोड़ रुपये का किया गया। इस साल अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया था।

सूत्रों ने कहा कि सरकार आगे कर संग्रह के संबंध में कोई बयान जारी नहीं करेगी। ईवाई इंडिया के 'टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि यह मजबूत प्रदर्शन अर्थव्यवस्था में तेजी को दर्शाता है। इसमें कर विभाग के साथ ही व्यवसाय जगत का भी योगदान है।

जी20 देशों में सबसे ज्यादा कॉर्पोरेट टैक्स के मामले में टॉप पर अर्जेंटीना और भारत,

अमेरिका शीर्ष 15 में भी नहीं

__नई दिल्ली।__ दुनिया भर में कॉर्पोरेट टैक्स की दरें अलग-अलग हैं। जी-20 देशों में सबसे अधिक कॉर्पोरेट टैक्स की दर अर्जेंटीना में है जो कि 35 फीसदी है। भारत भी 35 फीसदी टैक्स रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। बारचार्ट द्वारा एक्स पर शेयर किए गए ग्राॅफ के अनुसार, लिस्ट में अमेरिका टॉप 15 से बाहर है यानि उसकी कॉरपोरेट टैक्स दर 21 फीसदी है। यह आंकड़ें जून 2024 के हैं।

कॉरपोरेट टैक्स क्या होता है?- कॉरपोरेट टैक्स किसी कॉरपोरेशन (कंपनी या निगम या निकाय) के लाभों पर टैक्स है। करों का भुगतान कंपनी की करयोग्य आय, जिसमें बिकी हुई वस्तुओं की लागत (सीओजीएस) छोड़कर राजस्व, साधारण और प्रशासनिक (जीएंडए) व्यय, विक्रय एवं मार्केटिंग, अनुसंधान एवं विकास, अवमूल्यन और अन्य ऑपरेटिंग लागत शामिल हैं। कॉरपोरेट टैक्स की दरें अलग-अलग देशों में अलग-अलग होती हैं और कुछ देशों को उनकी निम्न दरों के कारण टैक्स हैवेन (कर आश्रय) माना जाता है। कॉरपोरेट टैक्सों को विभिन्न डिडक्शन, सरकारी सब्सिडियों और टैक्स लूपहोल (कर से बचाव के रास्तों) द्वारा कम किया जा सकता है और इसलिए एक प्रभावी कॉरपोरेट टैक्स रेट अर्थात वह दर जिसे कोई निकाय वास्तव में अदा करता है, आम तौर पर सांविधिक दर अर्थात किसी डिडक्शन से पहले की नियत दर, से कम होती है। कॉरपोरेट टैक्स सरकार द्वारा आय के एक स्रोत के रूप में जमा किया जाता है। टैक्स, व्ययों की कटौती करने के बाद कर योग्य आमदनी पर लगाया जाता है।

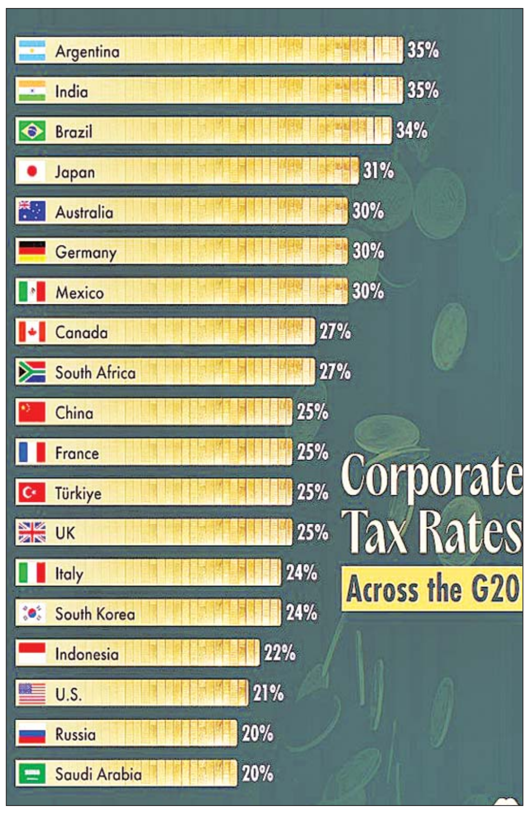

बजट : बैंकर्स ने की एनबीएफसी के लिए टैक्स राहत और रीफाइनेंसिंग बॉडी की मांग

__नई दिल्ली।__ केंद्रीय बजट इस महीने आएगा। बाकी सेक्टर के साथ ही एनबीएफसी सहित बैंकिंग सेक्टर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से काफी उम्मीदें हैं। बैंकरों ने वित्त वर्ष 2025 के आगामी बजट से पहले केंद्र को जमाराशि, गृह ऋण पर कर राहत और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए एक स्वतंत्र रीफाइनेंस बॉडी के गठन के लिए लिए सिफारिश की है।

बैंकरों को उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों पर बजट में ध्यान देगी। एनबीएफसी के एक उद्योग निकाय, वित्त उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) ने वित्त मंत्री से एनबीएफसी के लिए एक समर्पित रीफाइनेंस बॉडी बनाने का अनुरोध किया है, जिस तरह से राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) को पूंजी प्रदान करता है।

तरलता संबंधी चिंताओं पर ध्यान दे सरकार- उद्योग निकाय का कहना है कि पिछले कुछ सालों में, एनबीएफसी, खासतौर से बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम आकार के एनबीएफसी के लिए तरलता एक चुनौती रही है। वित्त पोषण के लिए बैंकों पर अत्यधिक निर्भरता की हालिया चिंताओं ने तरलता संबंधी चिंताओं को और बढ़ा दिया है। ऐसे में एनबीएफसी के लिए एक रीफाइनेंस विंडो बनाने की तत्काल जरूरत है ताकि फंड्स का एक सुचारू और सतत प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके। निकाय का कहना है कि इस तंत्र के जरिये जुटाए गए धन का उपयोग विशेष रूप से एमएसएमई और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को वित्तपोषित करने के लिए किया जा सकता है। एनबीएफसी ने वित्त मंत्री से एनसीडी पर ब्याज भुगतान पर 10 प्रतिशत टीडीएस हटाने का अनुरोध किया है। सरकार ने सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर टीडीएस शुरू करने के बारे में सोचा क्योंकि ग्राहक टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने खाताधारकों को ब्याज से मिलने वाली आय पर कर राहत की वकालत की है।

एनसीडी पर ब्याज भुगतान पर 10 प्रतिशत टीडीएस हटाने का अनुरोध

इस राशि को बढ़ाकर 3 लाख रुपए करने की मांग- मौजूदा टैक्सेशन कानूनों के तहत, जब जमाराशि 40,000 रुपए प्रति वर्ष से अधिक हो तो बैंक जमाराशि (सभी बैंक शाखाओं में) पर अर्जित ब्याज आय पर टैक्स काटते हैं। बचत खाते के लिए, 10,000 रुपए तक अर्जित ब्याज टैक्स से मुक्त है। इसके अलावा, वर्तमान में आयकर अधिनियम की धारा 24 (बी) के तहत, व्यक्ति ब्याज राशि पर 2 लाख रुपए तक की होम लोन टैक्स कटौती का दावा कर सकते हैं। बैंकरों का कहना है कि इस राशि को बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596

मो.- 9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे

मो: 9827042596

लड़कों की आवश्यकता है

बाऊंसर हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सुबह 8-10, शाम को 5-7 तक, 7 हजार से 10 हजार तक, लंबाई 5 से 6 फीट तक, हट्टे कट्टे।

-:सम्पर्क करें:-

7000516798, 9174242396 8770548461, 9238779809

मकान बेचना है

शिवनगर गढ़ा में रेल्वे क्रासिंग, महेश प्लाई के पास 1500/- वर्गफुट मकान शीघ्र बेचना है।

मोबाईल नं.- 8827877180

नोटः- कृपया दलाल संपर्क न करें।

R.No.- 382 26/05

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

डुमना विमानतल हादसे की जांच पर पीएमओ की नजर

आखिर 4 माह पहले बनी नई बिल्डिंग की कैनोपी कैसे हुई धाराशाई, अटकलें तेज

जबलपुर, देशबन्धु। डुमना विमानतल की नई बिल्डिंग के एक छत गिर जाने के मामले में नया खुलासा हुआ है। इसमें कहा जा रहा है कि टर्मिनल के शुभारंभ में जल्दबाजी की गई। इस दौरान मजबूती की गुणवत्ता की सही तरह से जांच नहीं की गई थी। यह तो जबलपुर वासियों का सौभाग्य था कि जिस समय हादसा हुआ उस समय वाहन में कोई नहीं बैठा था, या उसके आस-पास नहीं था। इस बीच जबलपुर के डुमना विमानतल की छत गिरने के मामले को लेकर पीएमओ और मुंबई और दिल्ली स्थित संबंधित विभाग की सतर्कता टीम सक्रिय हो गई है। अपने-अपने स्तर पर जांच की जा रही है। जैसी ही रिपोर्ट नागरिक विमानन मंत्रालय को मिलेगी उसके बाद पता चलेगा आखिरकार इसके लिये जवाबदार कौन है।

विमानतल का स्टॉफ सहमा- सूत्रों का दावा है कि अब विमानतल में काम करने वाला स्टाफ भी अंदर से डरा हुआ है। बारिश के दौरान फिर से इस तरह टर्मिनल का हिस्सा गिरता है तो यहां काम करने वाले लोगों की जान पर बन आयेगी। विमानतल स्टाफ सहमा हुआ है। नाम न छापने की शर्त में बताया गया कि वाकई जिस कंपनी ने नई टर्मिनल को बनाने का काम किया है, उसने लापरवाही बरती है। टर्मिनल की मजबूती हेतु जरूरी मापदंडों की अवेहलना की गई है। इसीलिये उद्घाटन के कुछ माह बाद ही इस तरह टर्मिनल का शेड कार पर गिर गया।

प्रारंभिक स्तर पर जबलपुर - शुरूआत में एयरपोर्ट अथारिटी ने की जांच- ज्ञात रहे कि एयरपोर्ट में एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया की तरफ से इस हादसे की जांच के लिए टीम भेजी गई थी। शनिवार को एयरपोर्ट अथॉरिटी के रीजनल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जे.टी राधाकृष्णा जबलपुर पहुंचे जहां उन्होंने करीब छह घंटे पांच सदस्यी दल के साथ घटना स्थल का मुआयना किया। उन्होंने

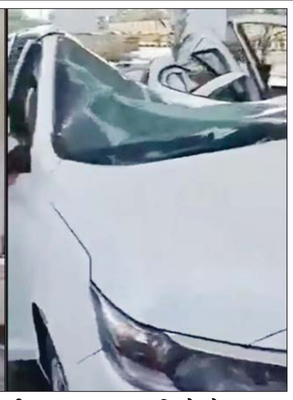

अफसरों और टेक्निकल स्टाफ से भी सवाल जवाब किये थे।

मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिये: विवेक तन्खा

राज्य सभा सदस्य विवेक कृष्ण तन्खा ने देशबन्धु से बात करते हुये माना है कि यह गंभीर मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विशेष सावधानी बरतते हुये पता लगाना चाहिये, आखिरकार इतने कम समय बाद ही इस तरह का हादसा होना वाकई में कई तरह के सवाल उठा रहा है। इसमें जवाबदार कंपनी अथवा जवाबदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये ताकि दुबारा इस तरह लोगों की जान मॉल से खेल करने वालों को सबक सिखाया जा सके। श्री तन्खा ने आश्चर्य जताया कि आखिर जल्दबाजी क्यों की गई, नई टमिनल बिल्डिंग की मजबूती की पूरी जांच की जानी चाहिये थी। इसमें चूक की गई है, नये सिरे से इसकी डिजाईन से लेकर बनाने के तौर तरीके पर ध्यान देना जरूरी हो गया है।

देशबन्धु पड़ताल

जांच पूरी होने के बाद कुछ कहेंगे: आशीष दुबे- जबलपुर लोकसभा के सांसद आशीष दुबे ने कहा है कि अभी मामले में अलग-अलग पड़ताल की जा रही है।

जब तक जांच करने वाली टीमें किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती हैं तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। दिल्ली में आने वाले दिनों में उचित माध्यम से मेरे द्वारा बात उठाई जायेगी। किस कारण विमानतल की नई बिल्डिंग की कैनोपी गिरी है, इसे विशेषज्ञों द्वारा ही स्पष्ट किया जायेगा, प्रयास होगा इस तरह के हादसे दुबारा न होने पाये, यह जान मॉल से जुड़ा विषय है। इस पर गंभीरता से केंद्र सरकार जरूरी कदम उठायेगी।

अंदर भी रिस रहा था पानी

सूत्रों के अनुसार जिस दिन यह हादसा हुआ था, उसी दिन नये टर्मिनल के अंदर के कुछ हिस्से पर पानी की बूंदी रिस रही थी। जिसकी शिकायत वहां मौजूद यात्रियों ने एअरपोर्ट अर्थार्टी को थी। हालाकि इस मामले पर पर्दा डालने का काम भी तेज हो गया है। स्थानीय स्तर पर विमानतल के रखरखाव के लिये जवाबदार अधिकारी इतना कहकर बच रहे हैं, हम इस विषय पर कुछ भी बोलना या बताने की स्थिति में नही है। जो भी होना है और जिस तरह के बयान होंगे वह दिल्ली स्तर पर होंगे। इस मामले में विमानतल से जुड़े अधिकारी एक तरह से चुप्पी साध हुये हैं।

10 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने किया था शुभारंभ-गौरतलब है कि 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबलपुर में 450 करोड़ की लागत से बने डुमना नवनिर्मित एयरपोर्ट और ग्वालियर एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया था. महज तीन महीने के एयरपोर्ट का छज्जा टूटना निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है. गौरतलब है कि डुमना एयरपोर्ट की नई बिल्डिंग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण हुआ था।

पेड़ से टकराई पिकअप के परखच्चे उड़े, एक की मौत, 13 घायल

लगुन कार्यक्रम से लौट रहा था परिवार

दमोह, देशबन्धु। जिले के सगोनी कला गांव में सुबह सवारियों से भरी पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में पिकअप के परखच्चे उड़ गए। वहीं पिकअप में सवार पन्ने बंसल की मौत हो गई। वहीं 13 लोगों के शरीर पर गंभीर चोटें आई है। सभी लोग लगुन कार्यक्रम से लौटकर घर आ रहे थे। पुलिस अधिकारियों की माने तो पिकअप वाहन में बैठकर परिवार के सभी लोग भांजी के लगुन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद ग्राम बोबई पथरिया अपने घर के लिए रवाना हुए। पिकअप वाहन जब सगोनी गांव से आगे बढ़ रहा था, इस दौरान चालक पिकअप से अपना संतुलन खो बैठा और वाहन सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गया। हादसे में पिकअप सवार पन्ने बंसल की मौत हो गई।

वहीं परिवार के गोलू पिता हल्के बंसल, दामोदर पिता लक्खे बंसल, सौरभ पिता रामप्रसाद, रतई पिता गणपत, संतोष पिता हल्के, दिशा पिता सेवाराम, भारत पिता हल्के, लखन पिता गणपत, हल्ले पिता गणपत, हुकुम पिता गणपत, लब्बो पिता नन्ना, पन्नू पिता दशरथ, भागीरथ पिता मोहन बंसल को चोटें आई। राह चलते लोगों ने देखा तो पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पथरिया स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। पुलिस का कहना है कि संभवत: सुबह के वक्त चालक को नींद का झोंका आया होगा, जिसके कारण वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

जीतू पटवारी के मामले में सुनवाई बढ़ी

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 8 जुलाई को

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट में पूर्व मंत्री इमरती देवी की ओर से दर्ज करायी गई एफआईआर को चुनौती देने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मामले की सुनवाई मंगलवार को बढ़ गई। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ के समक्ष मामले की केस डायरी पेश करने समय की राहत चाही गई, जिस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई 8 जुलाई तक के लिये मुलतवीं कर दी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के विवादित बयान पर उनके खिलाफ पूर्व मंत्री इमरती देवी ने ग्वालियर के डबरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा एसटीएससी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। जिसे चुनौती देते हुए जीतू पटवारी ने हाईकोर्ट की शरण ली है। दायर मामले में कहा गया है कि उन्होंने जो बयान दिया था, उसमें उन्होंने किसी प्रकार की जाति सूचक टिप्पणी नहीं की थी।

इसके अलावा ऐसा कोई इरादा नहीं था, जिसका उल्लेख एफआईआर में दर्ज किया गया है। बयान देने के आठ घंटे बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांग ली थी। माफी मांगने के घंटो बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी। इतना ही नहीं प्रदेश के अन्य पुलिस स्टेशनों में भी शिकायत की गयी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं बनता है, जो गैर जमानती है।

प्रकरण में दर्ज की गयी अन्य धाराएं जमानती है। आवेदक ने अपने बयान में किसी के खिलाफ जाति सूचक बयान नहीं दिये और कोई अभद्रतापूर्ण इशारे भी नहीं किये, जिसका उल्लेख एफ्आईआर में किया गया है। बिना किसी साक्ष्य के आधार पर उनके खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल पैरवी कर रहे है।

आईपीएस वी मधुकुमार के विरुद्ध जांच पर रोक बरकरार

जबलपुर, देशबन्धु। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की बेंच ने विशेष स्थापना पुलिस (लोकायुक्त) के पूर्व डायरेक्टर जनरल आइपीएस वी मधु कुमार के विरुद्ध जांच पर पूर्व में लगाई गई अंतरिम रोक बरकरार रखी है। मामले की सुनवाई दौरान इंकमटैक्स की असिस्मेंट रिर्पोट रिपोर्ट पेश की गई। हालांकि इसमें पुलिस अधिकारियों को लेकर कोई टिप्पणी दर्ज नहीं थी।

कैट के पूर्व आदेश के पालन में जवाब पेश करने शासन ने मांगी मोहलत

वहीं दूसरी ओर राज्य शासन ने पूर्व निर्देश के पालन में जवाब पेश समय की राहत चाही, जिस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई बढ़ा दी। उल्लेखनीय है कि यह मामला बहुचर्चित आयकर छापा डायरी कांड की जांच को चुनौती से संबंधित है। याचिकाकर्ता वी मधु कुमार की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने अवगत कराया कि आयकर विभाग ने प्रतीक जोशी से ठिकानों पर छपमारी की थी। इस दौरान डायरी के कुछ पन्ने प्राप्त किए। आयकर विभाग से प्राप्त ये पृष्ठ चुनाव आयोग ने राज्य शासन और भारत सरकार को भेजे और कहा कि दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। राज्य शासन ने चार्जशीट देते हुए कहा कि डायरी के पृष्ठों के अनुसार वी मधु कुमार ने प्रतीक जोशी को 12.5 दिए हैं। इस पर वी मधु कुमार ने आपत्ति पेश की, जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके विपरीत जांच अधिकारी की नियुक्ति हो गई। वी मधुकुमार ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के समक्ष याचिका प्रस्तुत की और दलील दी वीएमबी का अर्थ वी मधुकुमार है, ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है। दरअसल किसी अन्य की डायरी के पन्नों के आधार पर विभागीय जांच नहीं हो सकती। इसके बावजूद न केवल मनमानी जांच जारी है बल्कि विभागीय जांच में कोई प्रगति नहीं की जा रही है। याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त व उम्रदराज है, अत: उसे परेशान नहीं किया जाना चाहिए। इस सिलसिले में हाईकोर्ट के दिशा-निर्देश मार्गदर्शी हैं, जिन्हें केंद्र व राज्य शासन द्वारा अनदेखा किया जा रहा है।

परिवहन विभाग में समाप्त हुई नाकों पर जांच की व्यवस्था

ट्रांसपोटर्स ने ली राहत की सांस

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के साथ प्रदेश भर में 1 जुलाई से परिवहन विभाग की चेक पोस्ट व्यवस्था समाप्त होने के बाद ट्रांसपोर्टर्स ने अब राहत की सांस ली हैं। ज्ञात हो कि शहर के साथ ही न सिर्फ समूचे प्रदेश बल्कि देश भर के ट्रांसपोर्टरों ने इस संबंध में सितंबर 2023 माह में पीएम को मध्य प्रदेश के चेकिंग प्वाइंट समाप्त करने की गुहार लगाई थी।

चेक पोस्ट व्यवस्था के समाप्त होने के बाद अब चेक पोस्ट की जगह रोड सेफ्टी एंड एनफोर्समेंट पॉइंट के रूप में चेकिंग प्वाइंट काम करेगें, इसकी मोबाइल यूनिट भी रहेगी। यह व्यवस्था राज्य सरकार ने एक जुलाई से लागू कर दी है। सीएम मोहन यादव के निर्देश पर परिवहन विभाग ने इस आशय के आदेश जारी कर दिए है। वहीं दूसरी ओर सीएम श्री यादव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए पालन कराने के लिए कहा है।

फिलहाल 45 चेक प्वाइंट- सूत्रों के अनुसार एक जुलाई से शुरु हुई इस नई व्यवस्था के तहत फिलहाल 45 चेक प्वाइंट बनाए गए हैं। इसके लिए प्रदेश के लिए होमगार्ड के 211 जवानों की व्यवस्था की गई हैं। जो चेक प्वाइंट पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्हे नई परिवहन व्यवस्था के तहत आवंटित जिलों में पदस्थ किया गया है। होमगार्ड जवान रोटेशन में अपनी ड्यूटी करेंगे। प्रदेश में गुजरात राज्य में लागू पैटर्न के अनुसार कार्य किया जाना हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि परिवहन नाकों के स्थान पर मोबाइल टीम काम करेगी, चेक प्वाइंट पर पदस्थ कर्मचारी समयावधि में बदलेगा। प्रदेश के 26 जिलों में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही है। खासतौर पर सीमावर्ती जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम ने कहा था कि पूर्व में सामने आई अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है। परिवहन व्यवस्था के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने पर राज्य शासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि नई व्यवस्था से ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के संचालकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

एआईएमटीसी ने किया था विरोध- ज्ञात हो कि इस मामले में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने ही परिवहन चेक पोस्टों को लेकर पीएम को पत्र लिखा था। इस पत्र के माध्यम से एआईएमटीसी ने इन चेक पोस्टों को खत्म कर भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का न केवल अनुरोध किया है बल्कि परिवहन क्षेत्र से जुड़े लगभग 20 करोड़ लोगों की आवाज पीएम तक पहुंचाई थी।

पत्र में चेक पोस्टों पर बढ़ते हुए भ्रष्टाचार और उसकी वजह से केंद्र और राज्य सरकारों की धूमिल होती हुई प्रतिष्ठा की भी जानकारी दी गई। इस पत्र में एआईएमटीसी द्वारा मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक राज्य पर स्थित चेकपोस्टों की बात की गई और बताया गया कि कैसे इन चेक पोस्टों पर बेशर्मी से अनियंत्रित आचरण कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है और जिस वजह से गरीब ट्रक चालकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और कैसे यह चेक पोस्ट भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और शोषण का केंद्र बन चुके हैं।

वृद्धा ने लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

शहडोल, देशबन्धु। जैतपुर थाना क्षेत्र के देवगढ़ गांव में बीमारी से परेशान होकर 62 वर्षीय वृद्ध महिला ने घर के आंगन में लगे पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मंगलवार की सुबह देवगढ़ गांव की रहने वाली लल्ली बाई पति छोटे लाल उम्र 62 वर्ष का शव फांसी में लटकता हुआ उसके घर के आंगन में लगे एक पेड़ में मिला है। महिला घर में अकेली रहती थी। पड़ोस के लोगों ने सुबह जब फांसी में लटका महिला का शव देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी।

जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले पर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला लल्ली बाई काफी समय से बीमार चल रही थी, जिसकी वजह से वह काफी परेशान थी। मामले पर शव को कब्जे में पुलिस ने लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की है।

बृजेंद्र कुमार प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक बने

जबलपुर, (देशबन्धु)। रेलवे बोर्ड दिल्ली ने मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (आईआरटीएस) पमरे जबलपुर बृजेंद्र कुमार को प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के पद पर पदोन्नत पमरे से उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में स्थानांतरित कर दिया हैं। बृजेंद्र कुमार प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पद पर पदोन्नति पर आनंद कुमार, राजेश शर्मा, देवेश सोनी, विश्वरंजन, अजय शुक्ला, डॉ. मधुर वर्मा, अरुण शर्मा, श्री गुप्ता, संजय शर्मा, अखिलेश नायक, गुन्नार सिंह, अमित कुमार आदि अधिकारियों ने बधाई देते हुए खुशी जाहिर की हैं।

पमरे के बयाना, गंगापुरसिटी, सवाई माधोपुर एवं कोटा स्टेशनों पर होगा ठहराव

जबलपुर, देशबन्धु। ।रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त यातायात क्लीयर करने के उद्देश्य से स्पेशल गाड़ी सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस के मध्य 05-05 ट्रिप चलाई जा रही है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के बयाना, गंगापुरसिटी, सवाई माधोपुर एवं कोटा स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। इस गाड़ी का विवरण इस प्रकार है । गाड़ी संख्या 04125/04126 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज स्पेशल ट्रेन (10 फेरे) गाड़ी संख्या 04125 सूबेदारगंज से बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को 01 जुलाई से 29 जुलाई 2024 तक सूबेदारगंज से प्रात: 05: 20 बजे रवाना होकर बयाना 14: 43 बजे, गंगापुरसिटी 15:43 बजे, सवाई माधोपुर 16:28 बजे, कोटा 17:40 बजे और दूसरे दिन मंगलवार सुबह 08:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस से सूबेदारगंज स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को 02 जुलाई से 30 जुलाई 2024 तक बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे रवाना होकर अगले दिन मध्य रात्रि 01:20 बजे कोटा, 02:38 बजे सवाई माधोपुर, 03:28 बजे गंगापुरसिटी, 05:03 बजे बयाना और बुधवार सायं 17:00 बजे सूबेदारगंज पहुँचेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी, 07 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 08 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे यह गाड़ी रस्ते में दोनों दिशाओं में फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टुंडला, आगरा फोर्ट, रूपबास, बयाना, गंगापुरसिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, नागदा, रतलाम, गोधरा, वड़ोदरा, सूरत, वलसाड, वापी एवं बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी।

गरीब रथ में एक अतिरिक्त कोच लगेगा

जबलपुर, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधाओं के लिए अतिरिक्त कोच हमेशा ही लगाए जाते रहे हैं। इसी कड़ी में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 12187/12188 जबलपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस- जबलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस में दोनों दिशाओं में एक अतिरिक्त कोच लगाया जा रहा है। यह अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 12187 जबलपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस में प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर स्टेशन से 03 एवं 06 जुलाई 2024 को लगाया गया। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12188 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनसङ्कजबलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस में प्रारंभिक स्टेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से 04 एवं 07 जुलाई 2024 से गन्तव्य के लिए लगाया जाएगा।

J.B.F.A

जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 120
मुर्गा मीडियम	- रु. 116
मुर्गा बड़ा	- रु. 114
मुर्गा जम्बो	- रु. 114

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 110
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 112
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 116

मो.- 9039925999

आसान किस्तों में उपलब्ध

मिश्रा इन्टरप्राइजेज

सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है

1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।

एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड
पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496